हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com धनबाद, शुक्रवार 20 मार्च, 2026, वर्ष : 34 अंक : 349, मूल्य : 3 रुपए
धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

डालटेनगंज स्टेशन का नाम बदलकर हुआ मेदिनीनगर

पलामू। झारखंड के डालटनगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर मेदिनीनगर कर दिया गया है। यह स्टेशन 100 साल से ज्यादा पुराना है। झारखंड सरकार के गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। झारखंड सरकार की कैबिनेट की बैठक में डालटनगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मंजूरी दी गयी थी। झारखंड सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि नाम बदलने के संबंध में भारत सरकार के द्वारा अनापत्ति प्राप्त है। डालटनगंज रेलवे स्टेशन, धनबाद रेल डिवीजन के अंतर्गत आता है।अंग्रेजों के जमाने में ईस्ट इंडियन रेलवे द्वारा रेलवे की पटरी बिछाई गई थी। यह रेलवे स्टेशन एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है।यहां राजधानी, गरीब रथ समेत कई सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन रुकती और गुजरती हैं। रेलवे की तरफ से नोटिफिकेशन जारी होने के बाद डालटनगंज रेलवे स्टेशन को नया कोड मिल जायेगा। वर्ष 2018 में झारखंड सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर डालटनगंज शहर का नाम मेदिनीनगर कर दिया था।

10 लाख का ईनामी नक्सली के निशानदेही पर भारी मात्रा में हथियार व गोली बरामद

लातेहार। जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। दस लाख के इनामी नक्सली मृत्युंजय भुईयां और 2 लाख के इनामी बबलू राम की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों को पांच दिनों के रिमांड पर लेकर पूछताछ की। रिमांड के दौरान दोनों के निशानदेही पर गारू थाना क्षेत्र की मिर्चईया जंगल में जमीन के अंदर छुपाकर रखे गए हथियार, गोलियां और मैगजीन बरामद किए गए। एसपी कुमार गौरव ने बताया कि दोनों उग्रवादियों को 5 दिन के रिमांड पर लिया गया था।पूछताछ के दौरान मृत्युंजय भुईयां की निशानदेही पर एक इंसास राइफल, 70 जिंदा गोलियां, तीन मैगजीन बरामद की गई है।जबकि बबलू राम की निशानदेही पर एक सेमी राइफल, एक 30 बोर का कार्बाइन राइफल, 100 जिंदा गोलियां, दो चितकबरा रंग का पोच बरामद किया गया है। एसपी ने कहा कि बरामद हथियारों का इस्तेमाल उग्रवादी गतिविधियों में किया जाता था। पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है और संगठन के अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी अभियान जारी है।

ईद-सरहुल-रामनवमी को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत ने बुलाई हाई लेवल मीटिंग, बोले

सरकार की पहली प्राथमिकता लोग शांति और सौहार्द के साथ मना सकें त्योहार

रांची : झारखंड में ईद, सरहुल और रामनवमी को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खुद मोर्चा संभालते हुए गुरुवार को अपने आवासीय कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलों के डीसी और एसपी के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में सीएम ने साफ कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता यह है कि राज्य के लोग शांति और सौहार्द के साथ त्योहार मना सकें। उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि किसी भी तरह की गड़बड़ी या अप्रिय घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सभी जिलों को सख्त निर्देश, अधिकारियों को अलर्ट पर रहने को कहा

बैठक में मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी समेत तमाम बड़े अधिकारी मौजूद रहे। सीएम ने सभी जिलों के अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने और हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर नजर रखने को कहा। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

संवेदनशील इलाकों में बढ़ाई जाएगी सुरक्षा

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जिन इलाकों को संवेदनशील के रूप में चिन्हित किया गया है, वहां अतिरिक्त पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती की जाए। ताकि किसी भी स्थिति को समय रहते नियंत्रित किया जा सके और माहौल बिगड़ने से पहले ही कार्रवाई हो।

सीसीटीवी और ड्रोन से होगी निगरानी

सीएम ने साफ कहा कि जुलूस और भीड़भाड़ वाले इलाकों पर खास नजर रखी जाए। इसके लिए सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे हर गतिविधि पर नजर रखना आसान होगा और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी।

सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर

अफवाहों को रोकने के लिए सोशल मीडिया सेल को पूरी तरह एक्टिव कर दिया गया है। सीएम ने कहा कि किसी भी तरह की भड़काऊ पोस्ट या गलत जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखें और समय पर हस्तक्षेप करें।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि वे स्थानीय शांति समितियों के साथ बैठक करें और लोगों के बीच आपसी विश्वास और भाईचारा बनाए रखें। उन्होंने कहा कि त्योहार हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं और इन्हें मिल-जुलकर मनाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

"हर हाल में शांति बनी रहनी चाहिए" : सीएम

बैठक के अंत में सीएम हेमंत सोरेन ने दोहराया कि राज्य में शांति और कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करें ताकि हर नागरिक बिना किसी डर के त्योहार का आनंद ले सके।

ईडी ने जब्त की पूर्व मैनेजर मनोज कुमार की 97.92 लाख की संपत्ति

रांची। स्टेट बैंक आफ इंडिया में वित्तीय घोटाला मामले में पीएमएल अधिनियम के तहत जांच कर रही ईडी की रांची जोनल कार्यालय ने एसबीआइ के पूर्व शाखा प्रबंधक मनोज कुमार व उनके परिवार से जुड़ी 97.92 लाख रुपये की दो अचल संपत्ति को अस्थाई रूप से जब्त की है। जब्त की गई संपत्ति में झारखंड के साहिबगंज में एक रिहाइशी मकान व बिहार के पटना में एक फ्लैट शामिल है। ईडी की जांच अभी जारी है। ईडी की प्रारंभिक जांच में मनोज कुमार पर पद का दुरुपयोग कर 5.40 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले के आरोपों की पुष्टि हुई है।

ईडी ने सीबीआइ की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा धनबाद और दुमका के शिकारीपाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई प्राथमिकी व चार्जशीट के आधार पर इंफोर्समेंट केस इंफार्मेशन रिपोर्ट (ईसीआइआर) दर्ज की जांच शुरू की थी। इसमें आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जांच हुई थी। किसी सरकारी कर्मचारी के माध्यम से अपराधिक कदाचार व पद का दुरुपयोग का आरोप लगा था। ईडी ने जांच में पाया कि मनोज कुमार ने साहिबगंज, बरहेट बाजार, फूलबंगा व शिकारीपाड़ी सहित एसबीआइ की विभिन्न शाखाओं में तैनाती के दौरान अपनी अधिकारिक स्थिति का दुरुपयोग कर बड़े वित्तीय घोटाले को अंजाम दिया था।

ईडी ने जांच में पाया कि आरोपित ने कमजोर ग्राहकों, विशेषकर मृत व निष्क्रिय पेंशनभोगियों व निरक्षर किसान क्रेडिट कार्ड ऋण लेने वालों के खाते से सैकड़ों अनधिकृत निकासी व लेन-देन किया।

इस तरह से निकाले गए पैसों को बिचौलियों के खातों, गैर सरकारी संगठनों व शेल कंपनियों के जाल में घुमाया, ताकि पैसों के लेन-देन के निशान को मिटाया जा सके। इन अपराधों के जरिये कमाए गए अपराध से प्राप्त धन की कुल राशि लगभग 5.40 करोड़ रुपये आंकी गई है।

बरहरवा के एमओ को 40 हजार रुपए घूस लेते एसीबी की टीम ने किया गिरफ्तार

साहिबगंज। साहिबगंज जिले के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के प्रत्येक डीलरों से 5 हजार रुपये की अवैध उगाही करने की शिकायत मिलने पर दुमका एसीबी के टीम ने बरहरवा के एमओ (प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी) नंदन कुमार को चालीस हजार रुपये घूस लेते प्रखंड मुख्यालय से गिरफ्तार कर लिया है।नंदन कुमार की नौकरी करीब दो माह पहले ही एमओ के पद पर लगी थी। वह मूल रूप से दुमका जिले के रहने वाले हैं।जानकारी के अनुसार सीजीएल की परीक्षा पास करने के बाद राज्य सरकार की ओर से उन्हें एमओ की पद की जिम्मेदारी दी गई थी और बरहरवा प्रखंड मुख्यालय में उनकी पहली पोस्टिंग हुई। जानकारी के अनुसार मो नंदन कुमार बरहरवा प्रखंड के प्रत्येक डीलर से पांच हजार रुपए जमा करने का आदेश दिया था।इसे लेकर के डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष आलमगीर आलम ने मामले की शिकायत दुमका एसीपी से किया।

बीजेपी की असम विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी

88 उम्मीदवार के नाम किए घोषित

सीएम सरमा जालुकबारी से लड़ेंगे चुनाव

गुवाहाटी,(ईएमएस)। बीजेपी ने असम विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इसमें 88 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा असम की जालुकबारी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे, जबकि बीजेपी ने कांग्रेस छोड़कर आए प्रद्युत बोरदोलोई को भी टिकट दिया है। बीजेपी ने पहली लिस्ट में मंत्री रंजीत कुमार दास, अशोक सिंघल, अजंता निओग, चंद्र मोहन पटवारी, रानोज पेगु, संजय किशन, पीजूष हजारिका और बिमल बोरा का भी नाम शामिल किया है। वरिष्ठ मंत्री चंद्रमोहन पटवारी को तिहू से मैदान में उतारा है, जबकि राज्य की वित्त मंत्री अजंता नेओग अपनी पुरानी सीट गोलाघाट से चुनाव लड़ेंगी। मंत्री रंजीत कुमार दास को भवानीपुर-सोरभोग, पीजूष हजारिका को जागीरोड (अजा), अशोक सिंघल को ढेकियाजुली, रनोज पेगु को धेमाजी (अजजा), बिमल बोरा को तिंगखोंग और संजय किशन को माकुम विधानसभा सीट से टिकट दिया है। शहरी इलाकों की अहम सीटों पर बीजेपी ने दिसपुर से प्रद्युत बोरदोलोई, न्यू गुवाहाटी से दिप्लू रंजन सरमा और गुवाहाटी सेंट्रल से विजय कुमार गुप्ता को उम्मीदवार बनाया है। खास बात यह है कि बोरदोलोई बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस पार्टी से अपने लंबे समय के रिश्ते तोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। उन्होंने नगांव लोकसभा सीट से भी इस्तीफा दे दिया है। अन्य अहम सीटों में, पार्टी ने अपने गढ़ माने जाने वाले इलाकों जैसे डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, डिगबोई, डूम डूमा और मार्घेरिटा में भी उम्मीदवार उतार दिए हैं। मार्घेरिटा से भास्कर सरमा को उम्मीदवार बनाया है, जबकि डिब्रूगढ़ से प्रशांत फुकन और डिगबोई से सुरेन फुकन चुनाव लड़ेंगे।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव का घर जमींदोज

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड के जोरदाग में गुरुवार को पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के घर को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई एनटीपीसी और पूर्व मंत्री के बीच लंबे समय से चल रहे जमीन एवं मुआवजा विवाद के कारण की गई। योगेंद्र साव अपनी पत्नी और बडक़ागांव की पूर्व विधायक निर्मला देवी के साथ पिछले कई दिनों से अपने आवास स्थल पर धरना दे रहे थे। उनकी मुख्य मांग भूमि के बदले मिलने वाली मुआवजा राशि में बढ़ोतरी थी। एनटीपीसी अधिकारियों के अनुसार, संबंधित भूमि के लिए निर्धारित मुआवजा राशि पहले ही तय की जा चुकी थी।

भारत में बाल मृत्यु दर में भारी गिरावट, संयुक्त राष्ट्र ने की भारत की जमकर तारीफ

पीएम मोदी ने दी प्रतिक्रिया, बच्चों की मौत में तेज गिरावट पर देश की तारीफ

नई दिल्ली,(ईएमएस)। चैत्र नवरात के पावन मौके पर संयुक्त राष्ट्र की तरफ से रिपोर्ट सामने आई है, इस रिपोर्ट में बताया गया हैं कि भारत में बाल मृत्यु दर में भारी गिरावट हुई है। संयुक्त राष्ट्र ने बाल मृत्यु दर में गिरावट को लेकर भारत की जमकर सराहना कर मोदी सरकार की तारीफ की है। वहीं, रिपोर्ट पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने लिखा कि यूएन की रिपोर्ट में बच्चों की मौत में तेज गिरावट के लिए भारत की तारीफ हुई है। संयुक्त राष्ट्र बाल मृत्युदर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएनआईजीएमई) की ताजा रिपोर्ट 2025 के मुताबिक, बच्चों की मौत की दर को कम करने में दुनियाभर में हुई तरक्की में भारत अहम योगदान देने वाला देश बना है। रिपोर्ट में बच्चों के बचने के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए, खासकर नवजात और पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत के मामले में देश की लगातार और बड़े पैमाने पर प्रयास किए गए है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन नतीजों ने मजबूत, केंद्र और राज्यों द्वारा संचालित तथा मानकों पर आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की प्रभावशीलता को दिखाया है। इसमें बताया गया हैं कि भारत ने राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जमीनी स्तर पर मापने योग्य परिणामों में बदलने के लिए ठोस प्रयास किए हैं।

नवजात शिशु मृत्यु दर में 70 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जो 1990 में 57 से घटकर 2024 में 17 हो गई है। पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में 79 फीसदी की भारी गिरावट देखी गई, जो 1990 में 127 से घटकर 2024 में 27 हो गई है।

संक्षिप्त खबरें

मिहिजाम नगर परिषद तथा जामताड़ा नगर पंचायत के उपाध्यक्ष का चुनाव हुआ संपन्न

जामताड़ा(ईएमएस)।मिहिजाम नगर परिषद तथा जामताड़ा नगर पंचायत के उपाध्यक्ष का चुनाव गुरुवार को संपन्न हो गया। मिहिजाम नगर परिषद के लिए महावीर राय वोटिंग के माध्यम से उपाध्यक्ष चुने गए। उन्होंने तीन मतों से विजय हासिल की। उपाध्यक्ष के लिए कुल 4 वार्ड पार्षद ने नामांकन किया था। जिसमें सबसे ज्यादा 8 मत महावीर राय को मिला और वह विजय घोषित किए गए। जबकि जामताड़ा नगर पंचायत क्षेत्र में ज्योत्सना बाउरी निर्विरोध उपाध्यक्ष चुनी गई। इसके पूर्व जिला निर्वाचि पदाधिकारी सह उपायुक्त रवि आनंद ने सभी नवनिर्वाचित अध्यक्ष तथा वार्ड पार्षद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण तथा उपाध्यक्ष के चुनाव को लेकर समाहरणालय परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।उपनिर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार ने कहा कि मिहिजाम नगर परिषद के लिए कुल चार उम्मीदवारों ने नामांकन किया। जिसमें कुल 20 मत पड़े। सभी मत विधि मान्य घोषित हुए और सबसे ज्यादा मत महावीर राय ने लाया इसलिए उन्हें उपाध्यक्ष घोषित किया गया। मिहिजाम नगर परिषद के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष महावीर राय ने कहा कि मिहिजाम नगर परिषद की विकास के लिए जो भी कार्य होंगे उसमें मैं बढ़ चढ़कर कार्य करूंगा। अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों को मिलाकर टीम बनाकर काम करूंगा। मिहिजाम की जनता के विश्वास पर खड़ा उतरने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि विचारधारा अलग रहने के कारण जिन्होंने हमें मतदान नहीं किया वह भी हमारे हैं और उनके लिए भी मैं काम करूंगा।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने खूंटी को दिए तीन ईको एम्बुलेंस

खूंटी(ईएमएस)। जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने को लेकर गुरुवार को समाहरणालय परिसर में तीन नई ईको एम्बुलेंस वाहनों का लोकार्पण किया गया। यह एम्बुलेंस एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) योजना के तहत उपलब्ध कराई गई हैं। इस अवसर पर उपायुक्त आर. रॉनिटा एवं बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, रांची के निदेशक विनोद कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एम्बुलेंस का उद्घाटन किया। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंस वाहनों को विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि इन एम्बुलेंसों के संचालन से जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक मजबूत होंगी।खासकर दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में यह पहल काफी सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीएसआर के तहत इस प्रकार की जनहितकारी पहल समाज के लिए बेहद उपयोगी है। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, जिला योजना पदाधिकारी, जिला विकास शाखा पदाधिकारी, प्रभारी सिविल सर्जन, नोडल पदाधिकारी (सीएसआर) सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आगामी ईद, सरहुल, रामनवमी पर्व एवं चैती नवरात्र को लेकर बैठक संपन्न

सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : उपायुक्त

बैठक में की गई आगामी त्योहारों को आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ मनाने की अपील

जुलूस के साथ जेनेरेटर एवं लाइट की व्यवस्था रहेगी तथा ड्रोन से पूरे जुलूस की निगरानी होगी

जुलूस के दौरान बिजली और पानी की व्यवस्था रहेगी, जुलूस की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की जायेगी

गिरिडीह : आगामी ईद, सरहुल, रामनवमी पर्व एवं चैती नवरात्र को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय पदाधिकारी/ पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। सौहार्दपूर्ण माहौल में आगामी पर्व संपन्न कराने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारियों से थाना व अंचल स्तर पर आयोजित शांति समिति की बैठक की जानकारी ली गयी। बीडीओ, सीओ व थाना प्रभारियों को अलर्ट मोड़ में रहने को कहा गया। किसी भी तरह की आपत्तिजनक, अश्लील गाने को बजाया नहीं जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह जिला, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गिरिडीह जिला, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी, गिरिडीह जिला, शांति समिति के सदस्य समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने कहा कि आगामी त्योहारों के अवसर पर उत्कृष्ट विधि-व्यवस्था संधारण, सुचारू यातायात प्रबंधन तथा सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक भागीदारी और समन्वय से त्योहार में शांति व्यवस्था कायम रहेगी। साथ ही सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाये रखने में शांति समिति, प्रबुद्धजन, समाजसेवी एवं गणमान्य व्यक्तियों की अहम भूमिका है। इसके अलावा उन्होंने सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों को उनके दायित्वों के निर्वहन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही कहा कि सभी अलर्ट रहकर अपने दायित्वों का निर्वाहन करेंगे। सभी अनुमंडल क्षेत्रों में कंट्रोल रूम कार्यरत रहेगा। जुलुस के साथ जेनेरेटर एवं लाइट की व्यवस्था रहेगी तथा ड्रोन से पूरे जुलूस की निगरानी होगी। उन्होंने कहा कि जुलूस के रूट में बदलाव नहीं होगा। नियमसंगत सभी चीजों को करना है ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा और कठिनाई उत्पन्न न हो। साथ ही कहा कि पर्व से पूर्व सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर लेंगे। बीडीओ सीओ व थाना प्रभारी को अपने सूत्रों को सक्रिय करने का निर्देश दिया गया। अग्निशमन विभाग/स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड में रहने को कहा गया। अग्निशमन वाहनों व एंबुलेंस को जगह-जगह पर प्रतिनियुक्त करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। आवश्यक स्थलों पर बैरिकेडिंग करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि आगामी पर्व को लेकर अनुमंडल स्तर पर, थाना स्तर पर की गई तैयारियों की जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि त्योहारों में जिला प्रशासन के साथ-साथ शांति समिति के सदस्यों और आमजनों का सहयोग भी काफी महत्वपूर्ण होता है। इसी दृष्टिकोण के साथ हमने शांति समिति के सदस्यों से रामनवमी पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान पेयजल एवं बिजली संबंधित व्यवस्था को दुरुस्त कर लिया जाय। सुरक्षा के कड़े इंतेज़ाम किए जाएंगे। जिला मुख्यालय की सभी चौक चौराहों पर बैरिकेडिंग किया जाएगा। प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विधि व्यवस्था संधारण का कार्य पूरी मुस्तैदी एवं तत्परता के साथ करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने निर्देशित किया कि विधि व्यवस्था से सम्बंधित छोटी-बड़ी सभी घटनाओं के बारे जिला नियंत्रण कक्ष एवं वरीय पदाधिकारियों को अविलम्ब सूचना देते रहेंगे। इसके साथ ही सोशल नेटवर्किंग साइट्स यथा फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और ट्विटर आदि अकाउंट्स पर विशेष निगरानी रखेंगे ताकि किसी भी प्रकार की कोई आपत्तिजनक संदेश का फैलाव ना हो। उत्पाद अधीक्षक अवैध शराब के विरुद्ध लगातार छापेमारी करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पर्याप्त संख्या में पुलिस बल जिला को उपलब्ध है। सभी की प्रतिनियुक्ति कर दी जाएगी। सभी अलर्ट रहकर अपने दायित्वों का निर्वाहन करेंगे। सभी अनुमंडल क्षेत्रों में कंट्रोल रूम कार्यरत रहेगा। किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि या घटना पर तुरंत अपने वरीय पदाधिकारी के साथ कंट्रोल रूम को सूचित करेंगे। सभी थाना प्रभारी अपने सूत्रों को सक्रिय रखेंगे। संवेदनशील क्षेत्रों के बड़ी ईमारतों पर भी पुलिस बल प्रतिनियुक्त किया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर निगरानी रखने की बात कही। आमजनों को किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देने की बात कही। अगर कुछ संदिग्ध होता है तो अविलंब स्थानीय बीडीओ/सीओ व थानों प्रभारियों को सूचित करने की अपील की गयी। संयमित और अनुशासित तरीके से शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में उल्लासपूर्वक त्योहार मनाएं। त्योहार के मद्देनजर प्रशासनिक आवश्क तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है और तत्परता के साथ कार्य कर रही है। सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। किसी भी तरह का उपद्रव व अफवाह फैलाने वाले असमाजिक व अराजक तत्वों के विरूद्ध सख्त-से-सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हाजिर नहीं होने पर हाईकोर्ट ने प्रतिवादी के खिलाफ गैर जमानतीय वारंट किया जारी

रांची(ईएमएस)। झारखंड हाईकोर्ट में आदेश के बावजूद एक व्यक्ति के हाजिर नहीं होने पर कोर्ट ने उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। बंदी प्रत्यक्षीकरण के एक मामले में जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने अब्दुल हकीम को हाजिर होने का निर्देश दिया था। लेकिन, गुरुवार को वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए एक अप्रैल को हकीम को कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने मामले में कुछ तथ्यों के छिपाए जाने की आशंका जताई थी। इसके बाद कोर्ट ने चतरा एसपी को पूरे प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।इस संबंध में अख्तरी खातून ने दायर याचिका दायर की है। इसमें उनके बेटे के लापता होने की शिकायत की गई थी। सुनवाई के दौरान चतरा के एसपी अदालत में हाजिर थे। एसपी ने अदालत को बताया था कि टंडवा थाना प्रभारी अनिल उरांव और इस मामले के जांच अधिकारी अमित कुमार को विभागीय कार्यवाही के तहत निलंबित कर दिया गया है।

जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक

गिरिडीह : जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आम जनता को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव द्वारा आपूर्ति विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान अधिप्राप्ति कार्यों की प्रगति, किसानों को हो रहे भुगतान, केंद्रों की कार्यप्रणाली तथा संबंधित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि धान अधिप्राप्ति कार्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और यह सुनिश्चित करें कि जिले के सभी पात्र किसानों से समय पर धान की खरीद हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिप्राप्ति केंद्रों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने धान खरीद की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पूछा कि अब तक कितने किसानों का निबंधन हुआ है, कितने किसानों से धान की खरीद की गई है तथा कितनी राशि का भुगतान किया गया है। साथ ही उन्होंने यह भी

निर्देश दिया कि किसानों के भुगतान में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए और निर्धारित समय सीमा के भीतर ही भुगतान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में विशेष रूप से सोना सोबरन लूंगी-धोती योजना, राशन कार्ड वितरण, दाल-भात केंद्रों का संचालन तथा आवश्यक खाद्य सामग्रियों जैसे चीनी और दाल की उपलब्धता पर चर्चा की गई। इसके अलावा सोना सोबरन लूंगी-धोती योजना की समीक्षा की गई। राशन कार्ड से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन पर जोर दिया गया, ताकि पात्र लाभुकों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। दाल-भात केंद्रों के संचालन की स्थिति की भी गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी केंद्र नियमित रूप से संचालित हों और वहां स्वच्छता एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन सुनिश्चित किया जाए। चीनी, दाल एवं अन्य आवश्यक खाद्य सामग्रियों की आपूर्ति को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वितरण प्रणाली में किसी प्रकार की बाधा न आए। पीडीएस दुकानों पर नियमित निरीक्षण करने तथा स्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निगरानी बढ़ाने को कहा गया। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि सभी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। साथ ही, शिकायत निवारण तंत्र को और मजबूत बनाने तथा आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में नियमित रूप से समीक्षा करें और सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर जनता को अधिकतम लाभ पहुंचाएं। बैठक में आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन वितरण में पारदर्शिता बनाए रखें। लाभुकों को समय पर और निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी नियमित रूप से अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण करें और अधिप्राप्ति केंद्रों का निरीक्षण करें।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई- अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/BOKARO/18/2025-26 (कृषि)

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	बोकारो जिला अंतर्गत आत्मा, बोकारो का सभागार कक्ष का नवीकरण कार्य।	1108400.00	22500.00	2500.00	03 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 27.03.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 27.03.2026 से दिनांक 04.04.2026 को अपराहन 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 06.04.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06542 291060 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

PR 375625 Rural Development(25-26)#D

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
ई–प्रोक्योरमेन्ट सूचना
(प्रथम आमंत्रण)
ई–निविदा सूचना संख्या - (धनबाद) 06/2025-26
तिथि–19.03.2026

इस कार्यालय द्वारा विज्ञापित ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना संख्या–06/2025–26 (ग्रुप–ए.एवं ग्रुप–बी.) जिसका PR No-351154 Drinking Water and Sanitation(25-26):D के द्वारा प्रकाशित निविदा को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

(मयंक कुमार भगत)
कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वचछता यांत्रिक प्रमंडल, धनबाद

PR 375662 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

भाटिन माइंस में चार दिवसीय हड़ताल समाप्त,मजदूर हित में समझौता

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसिल) के भाटिन माइंस में पिछले चार दिनों से जारी ठेका मजदूरों की हड़ताल गुरुवार को समाप्त हो गई।प्रबंधन, ठेका कंपनी और श्रमिक प्रतिनिधियों के बीच लंबी वार्ता के बाद विभिन्न मांगों पर सहमति बनने पर मजदूरों ने काम पर लौटने का निर्णय लिया।हड़ताल के कारण खनन और अयस्क ढुलाई पूरी तरह प्रभावित रही, जिससे उत्पादन पर असर पड़ा।हालांकि निर्णायक बैठक में वेतन, कौशल वर्गीकरण, भत्ते, नियुक्ति पत्र और श्रमिक कल्याण से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक सहमति बनी।पूर्व जिला परिषद सदस्य सह मजदूर नेता बाघराय मार्डी ने समझौते को मजदूरों की एकजुटता की जीत बताते हुए कहा कि यह आंदोलन मजदूरों के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई थी।लगातार चार दिनों तक शांतिपूर्ण ढंग से संघर्ष करने के बाद प्रबंधन को मजदूरों की मांगों पर विचार करना पड़ा, जो एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि समझौते के तहत मजदूरों को दो दिनों का वेतन मिलेगा, जबकि शेष दो दिनों की भरपाई अतिरिक्त कार्य से की जाएगी।साथ ही पीएफ की नियमित जमा, समय पर वेतन भुगतान और 30 दिनों के भीतर नियुक्ति पत्र जारी करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।बाघराय मार्डी ने यह भी कहा कि हमारी प्राथमिकता मजदूरों का हक और सुरक्षा है। यदि भविष्य में भी किसी प्रकार की अनदेखी या शोषण की स्थिति बनती है, तो मजदूर एकजुट होकर फिर से आवाज उठाएंगे।

ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल धनबाद।
अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट नोटिस
ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0 11/2025–26/EE/BCD/DHANBAD

क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Construction of HSC Building at Jangalpur Block Govindpur, Distt. Dhanbad	55,50,000.000	1,11,000.00	10,000.00	06 माह।
2	Construction of HSC Building at Pathuria Block Govindpur, Distt. Dhanbad	55,50,000.000	1,11,000.00	10,000.00	06 माह।
3	Construction of HSC Building at Panduki Block Govindpur, Distt. Dhanbad	55,50,000.000	1,11,000.00	10,000.00	06 माह।
4	Construction of HSC Building at Baghmara Block Baliapur, Distt. Dhanbad	55,50,000.000	1,11,000.00	10,000.00	06 माह।
5	Construction of HSC Building at Birsinghpur Block Baliapur, Distt. Dhanbad	55,50,000.000	1,11,000.00	10,000.00	06 माह।
6	Construction of HSC Building at Palani Block Baliapur, Distt. Dhanbad	55,50,000.000	1,11,000.00	10,000.00	06 माह।
7	Construction of HSC Building at Parasbaniya Block Baliapur, Distt. Dhanbad	55,50,000.000	1,11,000.00	10,000.00	06 माह।
8	Construction of HSC Building at Kadeya Block Tundi, Distt. Dhanbad	55,50,000.000	1,11,000.00	10,000.00	06 माह।
9	Construction of HSC Building at Lukeya Block Tundi, Distt. Dhanbad	55,50,000.000	1,11,000.00	10,000.00	06 माह।
10	Construction of HSC Building at Bhurkunda Block Nirsa, Distt. Dhanbad	55,50,000.000	1,11,000.00	10,000.00	06 माह।
11	Construction of HSC Building at Kalimati Block Nirsa, Distt. Dhanbad	55,50,000.000	1,11,000.00	10,000.00	06 माह।
12	Construction of HSC Building at Asanlia Block Baliapur, Distt. Dhanbad	55,50,000.000	1,11,000.00	10,000.00	06 माह।

1.वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :–26.03.2026 11:00 बजे
2.वेबसाईट में निविदा डालने की अन्तिम तिथि/समय :–10.04.2026 11:00 बजे
3.निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता:–कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद।
4.निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान:– 11.04.2026 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल,अधीक्षण अभियंता का कार्यालय,भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल, हजारीबाग।
5.प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या:–9973309316
6.ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या :–7488650243
7.परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
8.सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल ब्दसपदम डवकम द्वारा स्वीकार्य होगी।
9.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापसी होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी। अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandterders.gov.in पर देखा जा सकता है।

Note :- UCAN Registration is mandatory for the Bidders

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद

PR 375637 (Building)25-26*D

कार्यालय, महाप्रबंधक,
जिला उद्योग केन्द्र, गिरिडीह

प्रेस विज्ञप्ति

उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि प्रबंध निदेशक जिडको (उद्योग विभाग) झारखण्ड के निदेशानुसार महिला उद्यमी को प्रोत्साहित करने के उदेश्य से मधुर मुस्कान रेस्ट हाउस, बक्सीडीह रोड, नियर कॉग्रेस ऑफिस, गिरिडीह में दिनांक 20.03.2026 को 12:00 बजें मध्यान को एकदिवसीय जिला स्तरीय कार्यक्रम रखा गया है। जिसमें महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजना, वित्तीय सहायता, बैंकिंग, GST, Marketing एवं सेल्स संबंधित जानकारी दी जाएगी।

अतः अनुरोध है कि उक्त कार्यक्रम के व्यापक प्रचार–प्रसार एवं सफल आयोजन हेतु विभिन्न समाचार पत्रो में प्रकाशित करने की कृपा करे, ताकि अधिक से अधिक इच्छुक प्रतिभागी इस कार्यक्रम में भाग ले सके।

महाप्रबंधक,
जिला उद्योग केन्द्र, गिरिडीह।

PR.NO.375558 Industries(25-26):D

भाजपा विदेश नीति पर कर रही राजनीति : आलोक दुबे

रांची(ईएमएस)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने कांग्रेस और राहुल गांधी को लेकर भाजपा के बयान पर पलटवार किया है।उन्होंने कहा कि भाजपा खुद विदेश नीति जैसे गंभीर विषय को राजनीतिक रंग देकर देश को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस हमेशा से राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए एक संतुलित और जिम्मेदार विदेश नीति की पक्षधर रही है। भाजपा द्वारा कांग्रेस पर राष्ट्रीय हित के खिलाफ काम करने का आरोप न केवल निराधार है, बल्कि यह उनकी अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने हमेशा रणनीतिक स्वायत्तता और संतुलित कूटनीति की बात की है, जो भारत की परंपरागत विदेश नीति का हिस्सा रही है।राहुल गांधी ने भी देश के हित में अपनी बात रखी है, जिसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि जब भी देश के सामने गंभीर मुद्दे होते हैं, भाजपा उन्हें राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने लगती है। विदेश नीति जैसे संवेदनशील विषय पर परिपक्वता और एकजुटता की जरूरत होती है।

इंटर-स्टील बैडमिंटन चैंपियनशिप में बीएसएल बना विजेता

बोकारो । बोकारो इस्पात संयंत्र ने इंटर-स्टील बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025–26 के पुरुष टीम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया. खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में बोकारो इस्पात संयंत्र ने आरआईएनएल, विशाखापट्टनम को 2-1 से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की. मुकाबले के दौरान बीएसएल के खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और उच्च स्तरीय खेल-कौशल का परिचय देते हुए टीम को विजयी बनाया. फाइनल में अरिजीत बनर्जी एवं स्नेहाशीष पात्रा ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए निर्णायक जीत सुनिश्चित की.इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं साथ में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी एवं कार्यकारी अधिशासी निदेशक श्री एस. के. भारद्वाज, महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) श्री चौधरी रत्नेश कुमार सुधांशु, उप महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं खेल-प्रेमी उपस्थित थे.मुख्य अतिथि सुश्री बनर्जी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.उल्लेखनीय है कि स्टील प्लांट्स स्पोर्ट्स बोर्ड के तत्वावधान में तथा बीएसएल की मेजबानी में 17 मार्च से सेक्टर-03 स्थित स्टील क्लब एंड रिक्रिएशन सेंटर में इंटर-स्टील बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था, जिसमें देश के विभिन्न प्रमुख इस्पात संयंत्रों की कुल 09 टीमों ने भाग लिया.

नगर प्रशासन विभागः क्षतिग्रस्त आवासों के निवासियों हेतु रिक्त 'E/F/EF' क्वार्टरों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू

बोकारो । बोकारो इस्पात संयंत्र के नगर प्रशासन विभाग द्वारा उन पूर्व कर्मचारियों, मृत कर्मचारियों के पति या पत्नी एवं उनके आश्रितों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है, जो वर्तमान में लाइसेंस पर आवंटित ऐसे आवासों में रह रहे हैं जिन्हें टीए सिविल विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त और मरम्मत के अयोग्य घोषित कर दिया गया है. बीएसएल द्वारा इन क्षतिग्रस्त ब्लॉकों के आवासों के बदले रिक्त 'E/F/EF' प्रकार के क्वार्टरों के आवंटन की घोषणा की गई है. आवंटन हेतु उपलब्ध रिक्त आवासों की विस्तृत सूची आधिकारिक पोर्टल tams.sailbsl.in तथा लीज & लाइसेंस अनुभाग के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित की गई है.इस आवंटन प्रक्रिया में भागीदारी हेतु पात्रता के मानक निर्धारित किए गए हैं. केवल वे ही आवासधारी आवेदन करने के पात्र होंगे जिनके वर्तमान आवास का कोई संपदा बकाया शेष न हो और जिनका लाइसेंस एग्रीमेंट वैध होने के साथ-साथ नवीनीकृत हो. इसके अतिरिक्त, आवेदकों को यह स्व-घोषणा करनी अनिवार्य होगी कि बोकारो स्टील सिटी में उनके या उनके जीवनसाथी के नाम पर कोई अन्य आवासीय अथवा व्यावसायिक परिसर उपलब्ध नहीं है.ऐसे पात्र आवासधारी 20 मार्च 2026 से 31 मार्च 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं. ऑनलाइन आवेदन के पश्चात हस्ताक्षरित आवेदन रसीद जमा करने की अंतिम तिथि 1 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है. विस्तृत जानकारी अथवा किसी भी प्रकार की सहायता के लिए आवेदक नगर प्रशासन विभाग के आवास आवंटन अनुभाग से संपर्क कर सकते हैं.

पर्वों को लेकर शराब के विरुद्ध कार्रवाई हुई तेज

पाकुड़ः रामनवमी, ईद एवं सरहुल पर्व के मद्देनजर जिला प्रशासन के निर्देशानुसार अवैध मद्यपान, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्पाद विभाग द्वारा बुधवार देर रात्रि में कार्रवाई तेज कर दी गई है। इसी क्रम में अवर निरीक्षक उत्पाद विक्रम कुमार शाह के नेतृत्व में रद्दीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत भुवन शाह (ग्राम श्रीरामगड़िया) एवं हावित हांसदा (ग्राम हुलियापाथर) के दुकानों में छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान दोनों दुकानों से कुल 6 लीटर अवैध विदेशी शराब एवं 5.20 लीटर बियर बरामद की गई। छापेमारी के दौरान दोनों अभियुक्त मौके से फरार हो गए। इस संबंध में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए अग्रेतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।
जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पर्वों के दौरान अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा तथा इसमें संलिप्त पाए जाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बरहरवा में एसीबी की बड़ी कार्रवाईः 40 हजार घूस लेते एमओ नंदन कुमार रंगे हाथ गिरफ्तार

डीलर से 50 हजार महीना रिश्वत मांगने का आरोप, दुमका निवासी नंदन कुमार जेल भेजा गया

दुमका/साहेबगंजः जिले के बरहरवा में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी (एमओ) नंदन कुमार को 40 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर डीलर मो. आलमगीर से हर महीने 50 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप था।शिकायत मिलने के बाद एसीबी दुमका की टीम ने जाल बिछाया और गुरुवार को ट्रैप कर उसे पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को दुमका लाकर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।जानकारी के अनुसार, नंदन कुमार हाल ही में बरहरवा में पदस्थापित हुआ था और वह मूल रूप से दुमका के शिव पहाड़ का रहने वाला है। एसीबी की इस कार्रवाई से पूरे विभाग में हड़कंप मच गया है।

संताल परगना कॉलेज में बुनियादी सुविधाओं का संकट, एबीवीपी ने प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

दुमकाःअखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कॉलेज अध्यक्ष अमन सेन के नेतृत्व में संताल परगना कॉलेज, दुमका में कॉलेज की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्राचार्य को आवेदन सौंपा गया। इस दौरान कॉलेज परिसर में बुनियादी सुविधाओं की गंभीर कमी को प्रमुखता से उठाया गया।अमन सेन ने बताया कि कॉलेज में पेयजल की स्थिति बेहद खराब है। पूरे परिसर में मात्र तीन ड्रिंकिंग वाटर मशीनें हैं, जो लंबे समय से गंदी पड़ी हुई हैं और कई मशीनें खराब भी हैं। नियमित साफ-सफाई और मरम्मत के अभाव में छात्रों को स्वच्छ पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे स्वास्थ्य पर खतरा बना हुआ है।उन्होंने फर्स्ट एड सुविधा की कमी को भी गंभीर समस्या बताया। हाल ही में एक छात्रा के बेहोश होने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्राथमिक उपचार की व्यवस्था नहीं होने के कारण उसे तुरंत सदर अस्पताल ले जाना पड़ा, जिससे कॉलेज में स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खुल गई।इसके अलावा परिषद ने शौचालयों में पानी की कमी, वाई-फाई सुविधा के अभाव (जबकि छात्रों से 30 शुल्क लिया जा रहा है) और छात्र संघ कक्ष के बंद रहने जैसे मुद्दों को भी उठाया।अमन सेन ने प्रशासन से जल्द से जल्द सभी समस्याओं के समाधान की मांग की और चेतावनी दी कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो एबीवीपी छात्र हित में आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस मौके पर चयन चक्रवर्ती, हेमंत राय सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

उपायुक्त द्वारा विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण, आवश्यक दिशा-निर्देश जारी

दुमकाःउपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा जिला आपूर्ति कार्यालय, विद्युत कार्यालय के कंट्रोल रूम तथा जिला खेल कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।जिला आपूर्ति कार्यालय के निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने विभिन्न अभिलेखों, आगत-निर्गत पंजी एवं अन्य संधारण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि अभिलेखों का संधारण सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखा जाए। लाभुकों को समय पर राशन उपलब्ध कराना प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने को कहा गया। डाकिया योजना के प्रभावी संचालन, राशन डीलरों की अद्यतन सूची तैयार करने तथा पीओएस मशीनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर प्रधान लिपिक के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा हेतु उपायुक्त ने विद्युत कार्यालय के कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी की स्थिति में त्वरित मरम्मत की व्यवस्था रखी जाए तथा ट्रांसफार्मर खराब होने की स्थिति में 48 घंटे के भीतर उसे बदलना सुनिश्चित किया जाए। जामा स्थित ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग वर्कशॉप को नियमित रूप से क्रियाशील रखने, ट्रॉली ट्रांसफार्मर का बैकअप रखने एवं आवश्यक उपकरणों की मांग समय पर विभाग को भेजने का निर्देश दिया गया। साथ ही, फॉल्ट से संबंधित विवरणों का संधारण एक रजिस्टर में करने तथा लापरवाही बरतने वाले तकनीशियनों के विरुद्ध कार्रवाई करने की बात कही गई।जिला खेल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न अभिलेखों की समीक्षा की एवं निर्देश दिया कि खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु मासिक गतिविधि कैलेंडर तैयार किया जाए तथा उसी के अनुरूप कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए।

सड़क सुरक्षा को लेकर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

"नो हेलमेट, नो राइड" सख्ती से लागू, तेज वाहन जांच व जागरूकता अभियान के दिये गए निर्देश

पाकुड़ः उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं नियमों की अनदेखी, तेज गति एवं जागरूकता की कमी के कारण हो रही हैं। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को जागरूकता कार्यक्रम के साथ-साथ वाहन जांच अभियान को और तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट अनिवार्य बताते हुए कहा कि चालक एवं सहचालक दोनों के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है। "नो हेलमेट, नो फ्यूल" अभियान को सख्ती से लागू करने तथा सभी पेट्रोल पंपों पर इसका पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि जिले के सभी दोपहिया शोरूम बिना रजिस्ट्रेशन, बिना नंबर प्लेट के किसी भी वाहन को सड़क पर नहीं उतारेंगे। साथ ही सभी वाहनों में आगे-पीछे नंबर प्लेट अनिवार्य रूप से लगाने एवं नियमों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया।**सड़क दुर्घटनाओं में आई कमी, जागरूकता का असर** : समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्ष 2025 के जनवरी से मार्च तक 24 सड़क दुर्घटनाओं में 26 लोगों की मृत्यु हुई, जबकि वर्ष 2026 की इसी अवधि में 16 दुर्घटनाओं में 13 लोगों की मृत्यु हुई है। यह कमी लोगों में बढ़ती जागरूकता एवं नियमों के पालन का परिणाम है।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जाए तथा विशेष रूप से दोपहिया एवं तीनपहिया वाहनों की जांच प्रतिदिन सुनिश्चित की जाए।जिला परिवहन पदाधिकारी एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए अभियान में अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक कुल 1989 वाहनों पर 99,19,554 रुपये का चालान किया गया, जिसमें से 80,49,878 रुपये की वसूली की गई है। वहीं फरवरी एवं मार्च 2026 में 250 वाहनों पर 11,33,150 रुपये का चालान किया गया, जिसमें 8,38,600 रुपये की वसूली की गई। उपायुक्त ने लंबित चालानों की वसूली में तेजी लाने तथा बकायेदार वाहन चालकों से समन्वय स्थापित कर राशि वसूलने के निर्देश दिए।**सड़क सुरक्षा के लिए व्यापक उपाय** : उपायुक्त ने अँधेरे मोड़ एवं दुर्घटना संभावित स्थलों पर बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टिव टेप, साइनेज, कॉन्वेक्स मिरर एवं स्पीड ब्रेकर लगाने के निर्देश दिए, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने सभी विद्यालयों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम चलाने, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को जागरूक करने तथा स्कूल वाहनों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।**अनफिट वाहनों व ओवरलोडिंग पर कार्रवाई**
उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अनफिट वाहनों के परिचालन पर पूर्ण रोक लगाई जाए तथा कोयला ढुलाई में लगे वाहनों की फिटनेस, नंबर प्लेट, रिफ्लेक्टिव टेप एवं अन्य सुरक्षा मानकों की नियमित जांच की जाए। ओवरलोडिंग एवं अवैध संशोधन वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।
गुड सेमेरिटन को प्रोत्साहन : सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वाले "गुड सेमेरिटन" (राह वीर) को चिन्हित कर सम्मानित करने के निर्देश दिए गए। इसके लिए सभी थाना, अस्पताल एवं प्रखंड स्तर पर समन्वय स्थापित करने को कहा गया।
हिट एंड रन मामलों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश : उपायुक्त ने हिट एंड रन के मामलों की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने तथा पीड़ित परिवारों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।इस मौके पर पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित वाहन जांच अभियान चलाते हुए हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए नियमों का पालन कराने के साथ-साथ लोगों में जागरूकता बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया जाएगा, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा और हिंदू नववर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बौद्धिक कार्यक्रम का आयोजन किया

धनबाद। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा और हिंदू नववर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) द्वारा बाबूडीह नगर के पॉलिटेक्निक ग्राउंड में बौद्धिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्तर पूर्व क्षेत्र शारीरिक प्रशिक्षण प्रमुख श्री मनोज जी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए 'पंच परिवर्तन' के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने हिंदू संस्कृति की वैज्ञानिकता, गौरवशाली इतिहास और भविष्य के संकल्पों पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में श्री मनोज जी ने कहा कि हिंदू नववर्ष केवल कैलेंडर बदलना नहीं, बल्कि एक नई चेतना का संचार है। उन्होंने विक्रमी संवत की महत्ता बताते हुए बताया कि सम्राट विक्रमादित्य ने शकों को पराजित कर इसकी स्थापना की थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 1 जनवरी के साथ कोई ऐतिहासिक या आध्यात्मिक कारण नहीं जुड़ा है, जबकि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा भगवान राम के राज्याभिषेक, स्वामी दयानंद सरस्वती के जन्म और डॉ. हेडगेवार के जन्मदिवस जैसे अहम प्रसंगों से जुड़ी है। वक्ता ने संघ की दो मुख्य परंपराओं- गुरु दक्षिणा और आद्य सरसंघचालक प्रणाम का उल्लेख किया। उन्होंने इसे स्वयंसेवक की प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया और सभी स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि वे अपनी-अपनी शाखाओं पर जाकर आद्य सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार को नमन करें और उनके जीवन प्रसंगों पर चर्चा करें। संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'शताब्दी वर्ष' के महत्व पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर 'पंच परिवर्तन' का मंत्र दिया गया, जिसे केवल एक नारा नहीं बल्कि समाज में वास्तविक बदलाव लाने का माध्यम बताया गया। कार्यक्रम के अंत में श्री मनोज जी ने संघ की सादगी की प्रशंसा करते हुए कहा कि बिना किसी आडंबर के समाज परिवर्तन का कार्य करना ही संघ की विशेषता है। उन्होंने गायत्री परिवार जैसे संगठनों के साथ मिलकर समाज सुधार के कार्यों में जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर धनबाद विभाग संघचालक केशव हाड़ोदिया जी, महानगर संघचालक श्री , नित्यानंद पांडे जी, नगर कार्यवाह सौरभ जी, नगर कार्यवाह दिनकर जी , गौतम जी , अनिल जी , राजकिशोर जी, धनबाद विभाग कार्यवाह श्री पंकज जी, सामोद पांडे , कमलेश, विक्रम हिमालय,औ भगवान जी , बबलू कुमार , विकास जी , विनोद जी ,सुमन जी सहित कई स्वयंसेवक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

उप विकास आयुक्त ने सालतोला पंचायत में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज-2 कार्यों का किया निरीक्षण

दुमकाःउप विकास आयुक्त, दुमका अनिकेत सचान द्वारा आज रानीश्वर प्रखंड अंतर्गत सालतोला पंचायत में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के तहत ग्राम कार्य योजना तैयार करने हेतु आयोजित बैठक का निरीक्षण किया गया।बैठक में बताया गया कि सालतोला पंचायत के 12 गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित करने के उद्देश्य से ग्राम कार्य योजना तैयार की जा रही है। उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि एसबीएम ग्रामीण फेज-2 के अंतर्गत आदर्श ग्राम निर्माण हेतु प्राथमिकता के तौर पर तरल एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित योजनाएं तैयार की जाएं। उन्होंने सोख्ता गड्ढा, नाली निर्माण, नाडेप, ट्राइसाइकिल, पंचायत स्तरीय प्लास्टिक पृथक्करण केंद्र सहित अन्य आवश्यक संरचनाओं के विकास पर विशेष जोर दिया।उन्होंने ग्राम स्तर पर जल सहिया, पंचायत सचिव एवं मुखिया को सक्रिय भूमिका निभाते हुए पंचायत को स्वच्छ एवं आदर्श बनाने के लिए समन्वित प्रयास करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान सालतोला पंचायत में 15वीं वित्त योजना अंतर्गत रोकड़ पंजी एवं योजना पंजी की भी समीक्षा की गई। रोकड़ पंजी अद्यतन नहीं पाए जाने पर पंचायत सचिव को कड़ी फटकार लगाई गई तथा तीन दिनों के भीतर पंजी अद्यतन करने का निर्देश दिया गया।उप विकास आयुक्त ने पंचायत में स्थापित पंचायत ज्ञान केंद्र के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए मुखिया एवं पंचायत सचिव को छात्र-छात्राओं के बीच इसके प्रति जागरूकता फैलाने को कहा।इस क्रम में आंगनबाड़ी केंद्र सालतोला-2 का निरीक्षण किया गया, जहां आंगनबाड़ी परिसर में विकसित पोषण वाटिका का अवलोकन किया गया। साथ ही उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय सालतोला का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी रानीश्वर राजेश कुमार सिन्हा, प्रभारी पंचायत राज पदाधिकारी रानीश्वर, जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, मुखिया, पंचायत सचिव सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपद्रव के आरोप में बाबू जयपॉल हुए गिरफ्तार

पाकुड़ः पाकुड़ नगर थाना पुलिस ने 27 जनवरी को गांधी चौक के पास डीपीएस स्कूल बस दुर्घटना के बाद हुए उपद्रव के मामले में एक आरोपी बाबू पॉल उर्फ आलोक जयपॉल को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी नगर थाना में दर्ज कांड संख्या 16/26 के तहत की गई है। पाकुड़ एसडीपीओ दयानंद आजाद ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि 27 जनवरी को एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद कुछ लोगों ने शव को रखकर नाजायज मजमा लगाया और सुनियोजित ढंग से जानबूझकर सड़क जाम कर यातायात बाधित किया। उपद्रवियों ने लाठी-डंडा और अन्य हथियारों से पुलिस व प्रशासन के विरुद्ध आपत्तिजनक नारेबाजी की, मारपीट और पत्थरबाजी भी की, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। पुलिस और प्रशासन को विधि सम्मत कार्रवाई करने से रोका गया। शहर के विभिन्न स्थानों के अलावा दिल्ली पब्लिक स्कूल में भी उपद्रव और आगजनी कर सरकारी तथा निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया था।
इस घटना के संबंध में पाकुड़ के अंचल अधिकारी अरविंद बेदिया की लिखित शिकायत पर नगर थाना में कांड संख्या 16/26 दर्ज किया गया था। इस मामले में पहले भी कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।बाबू पॉल की गिरफ्तारी छापेमारी टीम में शामिल नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक सन्नी सुप्रभात, आरक्षी संजय कुमार, रोहित कुमार समेत पुलिस बल के जवानों ने की। एसडीपीओ ने बताया कि इस कांड में शामिल अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं और जल्द ही और लोगों की भी गिरफ्तारी होगी।
एसडीपीओ ने यह भी बताया कि बाबू पॉल का आपराधिक इतिहास रहा है और पाकुड़ नगर थाना में उनके खिलाफ पांच मामले दर्ज हैं। बाबू पॉल सामाजिक कार्यों से भी जुड़े हैं और वर्तमान में आजसू के कार्यकारी जिलाध्यक्ष हैं।

वीर कुंवर सिंह चौक पर दीप प्रज्वलन, संस्कृति और परंपरा पर दिया गया जोर

दुमकाः शहर में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के तत्वावधान में हिन्दू नव वर्ष 2083 बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संगठन के सदस्यों ने एकत्रित होकर वीर कुंवर सिंह चौक पर दीप प्रज्वलित किया और एक-दूसरे को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह उत्साह, श्रद्धा और भारतीय संस्कृति के रंग में रंगा हुआ था।इस दौरान वक्ताओं ने हिन्दू नव वर्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह केवल कैलेंडर का परिवर्तन नहीं, बल्कि प्रकृति और जीवन के नवीनीकरण का प्रतीक है। हिन्दू नव वर्ष का आरंभ चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है, जिसे सृष्टि के सृजन का दिन भी माना जाता है। मान्यता के अनुसार इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी।प्राकृतिक दृष्टि से भी यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह परिवर्तन मनुष्य को सकारात्मकता, नव ऊर्जा और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि हिन्दू नव वर्ष मनाने का उद्देश्य केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के साथ जुड़ाव को मजबूत करना है। यह दिन अनुशासन, सात्विकता और नए लक्ष्य निर्धारित करने का संदेश देता है। सभी सदस्यों ने समाज में जागरूकता फैलाने और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में डॉ. अमुल्य कुमार पाल, अनय कुमार ओझा, नेहा सिंह, ऋषभ कुमार गण, नवीन कुमार मिश्रा, बॉबी सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बीएसएल प्लस 2 हाई स्कूल, सेक्टर 2/डी में झारखंड एकेडमिक काउंसिल के लंबित प्रमाण-पत्रों के वितरण हेतु 28 मार्च 2026 तक का समय निर्धारित

बोकारो । बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित विद्यालयों से विगत वर्षों में झारखंड एकेडमिक काउंसिल के अंतर्गत उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है. इसके माध्यम से सार्वजनिक रूप से सूचित किया जाता है कि संबंधित विद्यार्थियों के लंबित प्रमाण-पत्र एवं अंक पत्र, जो वर्तमान में बीएसएल प्लस 2 हाई स्कूल, सेक्टर 2/डी में उपलब्ध हैं, उन्हें प्राप्त करने की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 निर्धारित की गई है.
उल्लेखनीय है कि आगामी 1 अप्रैल 2026 से उक्त विद्यालय का संचालन बंद कर दिया जाएगा और यह पूर्णतः बंद रहेगा. अतः सभी संबंधित विद्यार्थियों को परामर्श दिया जाता है कि वे भविष्य की किसी भी तकनीकी या शैक्षणिक असुविधा से बचने के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने प्रमाण-पत्र एवं अंक पत्र विद्यालय कार्यालय से अनिवार्य रूप से प्राप्त करना सुनिश्चित करें. यह सूचना विद्यार्थियों के शैक्षणिक दस्तावेजों के सुरक्षित हस्तांतरण और उनके रिकॉर्ड प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से जारी की गई है.

डीसी की अध्यक्षता में नार्कोटिक्स समन्वय समिति की बैठक संपन्न

पाकुड़ः समाहरणालय सभागार में डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में नार्कोटिक्स समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसपी निधि द्विवेदी सहित सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।
बैठक में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत दर्ज मामलों, नशीले पदार्थों की अवैध खेती, तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध की गई कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान डीसी ने कहा कि नशे के विरुद्ध प्रशासनिक सतर्कता के साथ-साथ सख्ती भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पाकुड़ एवं महेशपुर को निर्देश दिया कि बॉर्डर क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने रेलवे मार्गों पर निगरानी बढ़ाने के लिए आरपीएफ को नियमित जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। वहीं जिला परिवहन पदाधिकारी को बसों एवं अन्य सार्वजनिक वाहनों में रैंडम जांच सुनिश्चित करने को कहा गया। उपायुक्त ने कहा, "नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए बहु-विभागीय समन्वय अत्यंत आवश्यक है। समाज के हर स्तर पर जागरूकता और कठोर कार्रवाई, दोनों को साथ-साथ चलाना होगा।"इस अवसर पर एसपी निधि द्विवेदी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी एवं बिक्री पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए सघन अभियान चलाया जाए तथा ऐसे मामलों में त्वरित एवं कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाए एवं खुफिया तंत्र को सक्रिय करते हुए सूचना संकलन को मजबूत किया जाए, ताकि नशे के कारोबार में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

लैप्रोस्कोपिक हर्निया कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन

बोकारो ।बोकारो जनरल हॉस्पिटल के ऑपरेशन थियेटर कॉम्प्लेक्स में 19 मार्च 2026 को एक लैप्रोस्कोपिक हर्निया कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया. इस कार्यशाला का उद्देश्य डॉक्टरों एवं स्नातकोत्तर प्रशिक्षुओं के शल्य कौशल को उन्नत करना था. कार्यशाला में उन्नत न्यूनतम इनवेसिव हर्निया रिपेयर तकनीकों जैसे TEP (टोटली एक्स्ट्रापेरिटोनियल रिपेयर), TAPP (ट्रांसएब्डोमिनल प्रीपेरिटोनियल रिपेयर) – इन्गुइनल हर्निया के लिए, तथा IPOM (इंट्रापेरिटोनियल ऑनले मेश रिपेयर) – इन्सीजनल/वेंट्रल हर्निया के लिए विशेष रूप से शामिल थीं. इस कार्यशाला में अतिथि संकाय के रूप में गुरुग्राम स्थित मेदांता हॉस्पिटल के प्रख्यात जीआई सर्जन डॉ. वैभव शर्मा ने भाग लिया तथा उपस्थित सर्जनों के साथ अपना अनुभव एवं विशेषज्ञता साझा की. कार्यक्रम में लाइव सर्जिकल डेमोंस्ट्रेशन, विशेषज्ञ व्याख्यान तथा इंटरएक्टिव चर्चाएं आयोजित की गईं, जिनमें लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी में नवीनतम नवाचारों एवं श्रेष्ठ प्रथाओं पर प्रकाश डाला गया.यह कार्यशाला बोकारो जनरल हॉस्पिटल की उन्नत शल्य शिक्षा को बढ़ावा देने तथा इन्गुइनल एवं इन्सीजनल/वेंट्रल हर्निया के उपचार में आधुनिक न्यूनतम इनवेसिव तकनीकों के माध्यम से मरीजों की देखभाल में सुधार के प्रति उसकी सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है. बोकारो जनरल हॉस्पिटल के जनरल सर्जरी विभाग में डॉ. आनंद प्रकाश एवं उनकी टीम द्वारा नियमित रूप से लैप्रोस्कोपिक सर्जरी (जैसे लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी, लैप्रोस्कोपिकएपेंडेक्टॉमी,लैप्रोस्कोपिक अम्बिलिकल हर्निया रिपेयर, स्टेपलर हेमोरॉयडेक्टॉमी तथा बच्चों में स्टेपलर सर्कम्सीजन) सफलतापूर्वक की जा रही है. इस कार्यशाला के पश्चात विभाग को आशा है कि वे लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी तथा अन्य न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी में अपने शल्य कौशल को और अधिक उन्नत कर सकेंगे.कार्यशाला का समन्वयन डॉ. अनिंद मंडल (सीएमओ), डॉ. आनंद प्रकाश (एचओडी, जनरल सर्जरी), डॉ. श्रवण कुमार (डिप्टी सीएमओ) एवं डॉ. निलय कुमार (चीफ कंसल्टेंट) द्वारा किया गया. यह कार्यक्रम डॉ. बी.बी. करुणामय (ईडी, एम एंड एचएस), डॉ. आनंद कुमार (सीएमओ), डॉ. इन्द्राणी चौधरी (सीएमओ) तथा डॉ. ए.के. दाम (एचओडी, एनेस्थीसिया) के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ. इस कार्यशाला में जनरल सर्जनों, डीएनबी रेजिडेंट्स तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया और हर्निया सर्जरी की विकसित होती तकनीकों पर व्यावहारिक एवं उपयोगी जानकारी प्राप्त की.

संक्षिप्त खबरें

बाहुबली अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से जमानत मिली, खुशी की लहर

पटना,(ईएमएस)। बिहार के मोकामा से विधायक बाहुबली अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। दुलारचंद यादव मर्डर केस में वे बेऊर जेल में बंद थे। अब कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनके जल्द रिहा होने की संभावना है।

सूत्रों के मुताबिक, सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद सिंह 20 या 21 मार्च तक जेल से बाहर आ सकते हैं। उनकी रिहाई को लेकर उनके समर्थकों के बीच उत्साह बढ़ गया है। जमानत की खबर मिलते ही मोकामा और आसपास के इलाकों में उनके समर्थकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है। हाल ही में राज्यसभा चुनाव के दौरान अनंत सिंह जेल से बाहर आकर वोट देने पहुंचे थे। तब उनकी मौजूदगी ने सियासी हलकों में हलचल पैदा कर दी थी। वोटिंग के दौरान ही उन्होंने संकेत दिए थे कि अब उनका परिवार भी सक्रिय राजनीति में आएगा। उनके बयान को आने वाले चुनावी समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है।

दुलारचंद की हत्या 2025 विधानसभा चुनाव के दौरान हुई थी। इस मामले में अनंत सिंह को आरोपी बनाया गया था। जेल में रहते हुए भी उन्होंने चुनाव जीता, जिससे उनकी राजनीतिक पकड़ का अंदाजा लगाया जा सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि अनंत सिंह की रिहाई से मोकामा और आसपास की राजनीति में नई हलचल देखने को मिलेगी। खासकर आगामी चुनावों से पहले यह घटनाक्रम अहम माना जा रहा है।

ब्यूटी उत्पाद बनाने के नाम पर बड़ी ठगी पांच आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

मुजफ्फरनगर,(ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर में ब्यूटी उत्पाद बनाने के नाम पर एक बड़ी ठगी का मामला सामने आया है, इसमें पुलिस ने दंपति सहित पांच आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। पुरकाजी क्षेत्र के रहने वाले अमित कुमार और उसकी पत्नी वंदना ने "सेनमी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड" नाम से कंपनी बनाकर लोगों को निवेश के लिए आकर्षित किया। उन्होंने दावा किया कि कंपनी सौंदर्य प्रसाधन तैयार करेगी और निवेशकों को मात्र 16 महीनों में उनकी राशि ढाई गुना करके लौटाई जाएगी। लालच में आकर पुरकाजी और आसपास के करीब 1,000 लोगों ने लगभग 40 करोड़ रुपये निवेश कर दिए। बाद में आरोपियों ने अपने साथियों—सरफराज, शादाब और सतीश शर्मा को भी इस योजना में शामिल कर लिया। जब पर्याप्त रकम इकट्ठी हो गई, तो सभी आरोपी पैसे लेकर फरार हो गए। मामले की जांच संजय कुमार वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने की। जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया और 8 सितंबर 2025 को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनकी संपत्तियों का रिकॉर्ड जुटाकर अदालत में कुर्की की मांग की। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद आरोपियों की कुल 4.55 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया। इसमें हरिद्वार के ज्वालापुर क्षेत्र में स्थित चार प्लॉट, एक कार, सरफराज के घर से बरामद 17.90 लाख रुपये के ब्यूटी उत्पाद और कंपनी के गोदाम से मिले 3.71 लाख रुपये नकद शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई पीड़ित निवेशकों को न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। थाना पुरकाजी को कुर्की की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुंगेर में सीएम नीतीश के कार्यक्रम के बाद लोगों ने सब्जियां लूटीं

पटना,(ईएमएस)। नीतीश कुमार की 'समृद्धि यात्रा' के दौरान बिहार के मुंगेर में एक अनोखा नजारा देखने को मिला। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम समाप्त होते ही मंच के पास सब्जियों से की गई सजावट पर लोग टूट पड़े और आलू, प्याज, नीबू, बैंगन सहित अन्य सब्जियां लूटकर ले गए। सब्जी लूटने वाली घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल सीएम नीतीश कुमार के कार्यक्रम में कृषि विभाग द्वारा सब्जियों से 'समृद्धि यात्रा' लिखकर आकर्षक सजावट की गई थी। लेकिन जैसे ही मुख्यमंत्री वहां से रवाना हुए, भीड़ ने उस सजावट में लगी सब्जी को उखाड़कर झोलों में भरना शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद अधिकारी लोगों को रोकने की कोशिश करते रहे, लेकिन भीड़ पर इसका कोई असर नहीं हुआ।इससे पहले सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व सरकारों पर निशाना साधते हुए विकास कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने महिलाओं से बीच में उठकर न जाने की अपील भी की। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ उनकी नजदीकी भी चर्चा में रही। बहरहाल कार्यक्रम का वीडियो भले सोशल मीडिया पर नहीं छाया लेकिन आलू-प्याज और सब्जी लूटने वाला वीडियो खूब तेजी से वायरल हो रहा है।

एलपीजी सिलेंडर फटने से पांच लोग गंभीर रूप से घायल

दरभंगा, (ईएमएस)। दरभंगा जिले के पटोर थाना क्षेत्र के उस्मा मठ गांव के एक बाजार में एलपीजी सिलेंडर फटने से पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना बुधवार शाम की है जब एक महिला पकौड़े तल रही थी, तभी अचानक एलपीजी सिलेंडर फट गया। घायलों को तुरंत दरभंगा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (डीएमसीएच) ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। दरअसल उस्मा मठ गांव में हर बुधवार को साप्ताहिक बाजार (हाट) लगता है, जहाँ बड़ी संख्या में खरीदार और विक्रेता आते हैं। कल भी बाजार (हाट) था तभी ये हादसा हो गया।

बिहार में चार आईपीएस अधिकारी समेत छह पुलिस अधिकारियों का तबादला

पटना, (ईएमएस)। बिहार में छह पुलिस अधिकारियों का तबादला किया गया, जिनमें चार आईपीएस अधिकारी शामिल हैं। 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी अजय कुमार पांडे, जो सतर्कता जांच ब्यूरो में डीआईजी के पद पर कार्यरत थे, का तबादला उसी पद पर निषेध और नशीले पदार्थ विरोधी कार्य बल (मद्यनिषेध एवं नशामुक्ति कार्यबल) में कर दिया गया है। 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी राजेश कुमार को नौगछिया का एसपी बनाया गया है। कुमार पहले निषेध और राज्य नशीले पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो के एसपी के पद पर तैनात थे। वहीं 2018 बैच की अधिकारी प्रेरणा कुमार, जो नौगछिया की एसपी के रूप में कार्यरत थीं, अब लखीसराय की एसपी बनाई गई हैं। जबकि लखीसराय के एसपी अवधेश दीक्षित, जो 2019 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं, का तबादला राज्य मुख्यालय में एसपी (कार्मिक-1) के पद पर कर दिया गया है। इसके साथ ही बिहार पुलिस सेवा के दो अधिकारियों का भी तबादला किया गया, जिनमें रामकृष्ण शामिल हैं, जिन्हें बाढ़ में एसडीपीओ-1 के पद पर स्थानांतरित किया गया है। वह पहले कटिहार में साइबर अपराध विंग में कार्यरत थे। आनंद कुमार सिंह, जो बाढ़ में एसडीपीओ-1 के रूप में कार्यरत थे, उन्हें डीएसपी के रूप में पटना उच्च न्यायालय की सुरक्षा का प्रभार सौंपा गया है।

अब बिहार में शिकायतों पर 72 घंटे में होगी कार्रवाई, सरकार ने जारी किया सख्त निर्देश

पटना, (ईएमएस)। अक्सर देखा जाता है कि लोगों की शिकायतें महीनों तक लंबित रहती हैं, जिससे उनमें असंतोष बढ़ता है और प्रशासन के प्रति विश्वास कम होता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए बिहार सरकार ने आम जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान को लेकर एक नई और सख्त व्यवस्था लागू की है, जिसे प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस नई व्यवस्था के तहत अब किसी भी शिकायत पर संबंधित विभाग को 72 घंटे के भीतर कार्रवाई शुरू करना अनिवार्य होगा। इस पहल के तहत मुख्य सचिव कार्यालय में एक विशेष पोर्टल तैयार किया गया है, जो शिकायतों की निगरानी का केंद्रीय माध्यम बनेगा। इस पोर्टल के जरिए हर शिकायत की पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जाएगी। इसमें यह जानकारी उपलब्ध होगी कि शिकायत कब दर्ज हुई, उस पर क्या कार्रवाई की गई और कितना काम अभी बाकी है। बताया गया है कि सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि लोगों की समस्याएं लंबे समय तक लंबित न रहें और उन्हें समय पर राहत मिल सके। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होगी। साथ ही, शिकायतकर्ता को भी अपने मामले की स्थिति की लगातार जानकारी मिलती रहेगी। मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने इस व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए सभी विभागों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि हर सोमवार और शुक्रवार को आम जनता की शिकायतें सुनने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। इन दिनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी, ताकि लोग सीधे अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकें। इससे आम लोगों को उच्च स्तर पर अपनी बात पहुंचाने का मौका मिलेगा और समस्याओं के समाधान में तेजी आएगी।

मुख्य सचिव कार्यालय ने भी सभी विभागों को निर्देश दिया है कि वे शिकायतों की नियमित समीक्षा करें।

हर विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्राप्त शिकायतों पर तय समय सीमा के भीतर कार्रवाई हो रही है या नहीं। इसके अलावा जिलों को भी निर्देश दिया गया है कि वे गंभीरता से शिकायतों का निपटारा करें और इसकी नियमित रिपोर्ट मुख्यालय को भेजें। इससे पूरे राज्य में एक समान व्यवस्था लागू करने में मदद मिलेगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश कम होगी।

* शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया भी होगी आसान

राज्य सरकार ने शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को भी आसान बनाने पर जोर दिया है। अब लोग सीधे मुख्य सचिव कार्यालय में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा वे व्यक्तिगत रूप से मिलकर भी अपनी समस्याएं रख सकते हैं। यह सुविधा उन लोगों के लिए खास तौर पर लाभकारी होगी, जो डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं। नई व्यवस्था की एक अहम विशेषता यह है कि अब विभागों को यह जानकारी देना अनिवार्य होगा कि संबंधित शिकायत पहले भी दर्ज हुई थी या नहीं। यदि शिकायत पहले आई थी, तो उस पर अब तक क्या कार्रवाई की गई, इसका पूरा विवरण देना होगा। इससे बार-बार एक ही समस्या को नजरअंदाज करने की प्रवृत्ति पर रोक लगेगी और लंबित मामलों के समाधान में तेजी आएगी। बहरहाल नई व्यवस्था लागू होने से ऐसी समस्याओं में कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

तालाब में डूबने से दो स्कूली छात्रों की मौत

गोपालगंज, (ईएमएस)। बिहार के गोपालगंज में तालाब में डूबने से दो छात्रों की मौत हो गयी। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों शवों को तालाब से निकालकर पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर उनके परिजनों को सौंप दिया। यह घटना मांझागढ़ थाना क्षेत्र के देवापुर जाफर टोला गांव के समीप की है। मृतक छात्रों की पहचान नगर थाना क्षेत्र के सरेया वार्ड नंबर 5 के नागेंद्र शर्मा के 11 वर्षीय पुत्र करण कुमार और मांझागढ़ थाना क्षेत्र के देवापुर जाफर टोला गांव के सुखदेव शर्मा के 12 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार के रूप में की गई है। बताया गया है कि बुधवार की दोपहर दोनों बच्चे स्कूल से लौटने के दौरान तालाब में नहाने चले गए, नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से दोनों छात्रों की डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों शवों को तालाब से निकालकर गोपालगंज सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर उनके परिजनों को सौंप दिया। फ़िलहाल आगे की जाँच पुलिस कर रही है।

नीतीश की समृद्धि यात्रा के मंच पर नजर आए विजय सिन्हा

लखीसराय. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा चुनाव के बाद नए सीएम पर चर्चा तेज हो गई है। राज्यसभा जाने से पहले नीतीश बिहार में समृद्धि यात्रा निकाल रहे हैं। उनका कार्यक्रम गुरुवार को लखीसराय जिले में हुआ। मंच पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के साथ गुरुवार को दूसरे उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा भी नजर आए। इस दौरान मंच पर जो कुछ हुआ, वह चर्चा का विषय बन गया। सीएम नीतीश कुमार अपना भाषण खत्म कर जब मंच पर बैठे नेताओं के पास गए तो पहले उन्होंने सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखा। फिर उनके दूसरी तरफ खड़े विजय सिन्हा को पास बुलाया। तब सीएम ने सम्राट को इधर से उधर किया और सिन्हा के कंधे पर हाथ रख जनता से उनका अभिवादन कराया। दरअसल, इस महीने समृद्धि यात्रा के तहत नीतीश कुमार ने कोसी, सीमांचल और पूर्वी बिहार के कई जिलों का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ अक्सर एक डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ही नजर आए। इससे पहले के कार्यक्रमों में नीतीश मंच से सम्राट के कंधे पर हाथ रख जनता से अभिवादन करवाते रहे हैं।

हालांकि, विजय सिन्हा पूर्व के कार्यक्रमों में नीतीश की यात्रा में नजर नहीं आए। वे पटना में ही विभागीय कार्यों में व्यस्त थे। हाल के दिनों में गुरुवार को पहला मौका रहा, जब विजय सिन्हा भी नीतीश की यात्रा में साथ रहे। सिन्हा लखीसराय से भाजपा के विधायक हैं। उनके गृह क्षेत्र में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम हुआ, तो उनका मंच पर होना लाजमी है। नीतीश ने मंच पर सिन्हा को तवज्जो दी तो इस पर भी सियासी गलियारों में चर्चा होने लग गई। नीतीश के राज्यसभा सांसद बनने के बाद अप्रैल में बिहार को नया मुख्यमंत्री मिलेगा। अब तक की चर्चाओं और अटकलबाजी के अनुसार अगला सीएम भारतीय जनता पार्टी से होगा। हालांकि, अभी तक नए सीएम का नाम तय नहीं किया गया है। बिहार एनडीए के नेताओं का कहना है कि शीर्ष नेतृत्व मिलकर इस पर फैसला लेगा। भाजपा में सीएम पद की रेस में सम्राट चौधरी का नाम टॉप पर चल रहा है। उनके बाद विजय सिन्हा, नित्यानंद राय (केंद्रीय मंत्री) समेत अन्य कई नामों की अटकलें हैं। हालांकि, भाजपा एकदम नए चेहरे को सीएम की कुर्सी पर बैठाकर अक्सर चौंकाती रही है। बिहार में भी ऐसा कमाल हो तो कोई अचरज वाली बात नहीं होगी।

गोली लगने से वृद्ध की मौत, थाना प्रभारी पदमुक्त और लाइन हाजिर

मुजफ्फरपुर, (ईएमएस)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के गायघाट थाना क्षेत्र के एशिया गांव में ग्रामीणों और पुलिस के बीच हुई झड़प में गोली लगने से 60 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान 60 वर्षीय जगतबीर राय के रूप में हुई है। गोली उनके सीने में लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि राय की मौत पुलिस की गोलीबारी में हुई, जबकि प्रशासन का कहना है कि गोलीबारी का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने कहा कि पुलिस की एक टीम एशिया गांव में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) के तहत दर्ज एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने गई थी। यह मामला 2023 में इसी गांव में हुई एक घटना से जुड़ा था, जिसमें चोरी के शक में कथित तौर पर एक नाबालिग लड़की को अपने कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया गया था। बाद में पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। मिश्रा के अनुसार, जब पुलिस गांव पहुंची, तो आरोपी ने किसी और के घर में शरण ले ली और ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। इस झड़प के दौरान दूसरी तरफ से भी गोलीबारी हुई। मिश्रा ने कहा, इस घटना में हमारे तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। ग्रामीण आरोप लगा रहे हैं कि जगतबीर राय की मौत पुलिस की गोलीबारी में हुई, लेकिन इसकी पुष्टि अभी बाकी है, क्योंकि दोनों तरफ से गोलियां चलाई गई थीं।

* गायघाट के थाना प्रभारी तत्काल प्रभाव से पदमुक्त और लाइन हाजिर

एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने कड़ा रुख अपनाया है। अनुशासन और कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से, गायघाट के थाना प्रभारी राजा सिंह को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर लाइन हाजिर कर दिया गया है। बताया गया है कि तिरहुत प्रक्षेत्र के पुलिस उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) चंदन कुशवाहा के अनुमोदन के बाद, प्रशासनिक दृष्टिकोण से राजा सिंह को वापस पुलिस केंद्र (लाइन) भेजने का निर्णय लिया गया।

"दरोगा की गिरफ्तारी के बाद पिता की उठेगी अर्थी":बेटा

"जबतक दरोगा की गिरफ्तारी नहीं होगी, मैं अपने पिता का अंतिम संस्कार नहीं करूंगा।" यह कहना है मृतक जगवीर राय (55) के बेटे अविनाश कुमार का। मुजफ्फरपुर के जगवीर राय की मंगलवार देर रात पुलिस और ग्रामीणों के बीच हुई हिंसक झड़प में मौत हो गई थी। अविनाश का आरोप है कि झड़प के दौरान दरोगा राजा सिंह ने ही उनके पिता के सीने में गोली मारी। परिजनों ने साफ कहा है कि गिरफ्तारी से पहले अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। हालांकि दरोगा राजा सिंह को लाइन हाजिर किया गया है। इधर गुरुवार सुबह पूर्णिया सांसद पप्पू यादव पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उनके पहुंचते ही मृतक की बेटी उनसे लिपटकर रोने लगीं। ये सब देख कर सांसद भी भावुक हो गए। पप्पू यादव ने आरोपी थानाध्यक्ष की गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा, "मैं इस लड़ाई में परिवार के साथ हूं। सोमवार को इस मुद्दे को लोकसभा में उठाऊंगा, हाईकोर्ट में याचिका दायर करूंगा। जरूरत पड़ी तो मुजफ्फरपुर से पटना तक आंदोलन करेंगे।"

परिजनों का अंतिम संस्कार से इनकार

मामले की पड़ताल के लिए भास्कर की टीम मृतक के गांव पहुंची। परिवार में मातम पसरा है। 95 साल के पिता का रो-रोकर बुरा हाल था। कुछ बोल पाने की स्थिति में नहीं हैं। बार-बार अपने बेटे को याद कर भावुक हो जा रहे हैं। मृतक के बेटे अविनाश कुमार ने बताया, 'पुलिस छापेमारी के दौरान उनके पिता ने टीम को रोकने की कोशिश की, जिस पर थानाध्यक्ष ने सीधे उनके सीने में गोली मार दी। एक और गोली चलाई गई, जो भैंस को छूते हुए निकल गई। गोली लगने के बाद मौके पर ही पिता की मौत हो गई। जब तक आरोपी थानाध्यक्ष और छापेमारी टीम में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक परिवार अंतिम संस्कार नहीं करेगा।' अंतिम संस्कार नहीं होने के कारण पटीदार के करीब 15 परिवारों में 24 घंटे से चूल्हा नहीं जला है। मृतक जगतवीर राय के बड़े बेटे अजय ने बताया कि देर रात पुलिस मेरे घर के पिछले दरवाजे से घुसी। इसके बाद घर में खोजबीन की, जब कुछ नहीं मिला तो थानेदार ने मेरी ओर इशारा करते हुए पुलिसकर्मियों से कहा कि इसे साथ ले चलो। अजय ने कहा कि पुलिसकर्मियों ने मेरी पिटाई शुरू कर दी, मुझ पर कोई भी किसी तरह का केस दर्ज नहीं है। पुलिस अगर किसी आरोपी की तलाश के लिए आई थी, तो पुलिसकर्मियों को आरोपी के घर जाना चाहिए था, मेरे घर में घुसने का कोई मतलब नहीं था। मैंने थानेदार से कहा कि मेरे नाम से कोई वारंट है तो मुझे कागज दिखाइए, तो थानेदार ने कहा कि नहीं वारंट वगैरह कुछ नहीं है, तुम्हें मेरे साथ चलना होगा। इसके बाद पुलिस मुझे ले जाने लगी, तो मेरी बेटी ने शोर मचाना शुरू किया, कहा कि पापा को पकड़कर ले जा रहे हैं। इसके बाद आसपास के लोग उठे और चोर-चोर कहकर शोर मचाने लगे। मृतक के बेटे अजय ने बताया कि शोर मचाए जाने के बाद पुलिसकर्मी घर से थोड़ी दूर हट गए। फिर हम लोगों की ओर मुड़कर मेरी बेटी और मुझे निशाना बनाते हुए फायरिंग की। पुलिस की गोली से हम दोनों ने खुद को बचाया और घर के अंदर चले गए। अजय ने कहा कि इतने में मेरे पिता टॉयलेट करने निकले और उन्होंने फायरिंग की आवाज सुनकर थानेदार और अन्य पुलिसकर्मियों से पूछा कि आखिर आप लोग फायरिंग क्यों कर रहे हैं, इसके बाद पुलिसकर्मियों ने मेरे पिता को भागने के लिए कहा। इसके बाद मेरे पिता के सीने में गोली मार दी और फरार हो गए।

आत्मरक्षा में हुई फायरिंग

मुजफ्फरपुर हिंसा मामले में पुलिस का कहना है कि टीम पॉक्सो एक्ट के एक आरोपी को पकड़ने के लिए छापेमारी करने गई थी। आरोपी के नहीं मिलने पर जब पुलिस अन्य संदिग्ध को हिरासत में लेने लगी, तभी ग्रामीणों ने हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, हालात बेकाबू होने पर आत्मरक्षा में फायरिंग की गई। इसी दौरान गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत हुई। हालांकि, मृतक को किसकी गोली लगी, इसकी जांच अभी जारी है। इधर गायघाट थाना में पदस्थापित नए थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। मुजफ्फरपुर SSP कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि उग्र भीड़ ने पुलिस के 2 वाहनों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। हमले में गायघाट थानेदार और दो अन्य जवान घायल हुए हैं। घटना के दौरान बचाव में पुलिस की ओर से हवाई फायरिंग की गई है। ग्रामीणों की तरफ से भी फायरिंग की गई, जिसमें 60 साल के बुजुर्ग को गोली लगी। उनकी मौत हो गई।

एलपीजी के अवैध भंडारण और कालाबाज़ारी, अब तक 419 सिलेंडर ज़ब्त, 14 एफआईआर, 21गिरफ्तार

पटना, (ईएमएस)। एलपीजी के अवैध भंडारण और कालाबाजारी पर पूरे बिहार में की गई सख्त कार्रवाई के तहत, पुलिस ने पिछले कुछ दिनों में 419 सिलेंडर जब्त किए हैं, 14 एफआईआर दर्ज की हैं और कई जिलों में अबतक कुल 21 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पटना में चार भोजनालयों को घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का अवैध रूप से इस्तेमाल करने के आरोप में कल सील कर दिया गया और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, सभी जिलों में पुलिस द्वारा जाँच, छापेमारी और संबंधित क़ानूनों को लागू करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है और पुलिस मुख्यालय स्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। साथ ही, कैफ़े और रेस्तरां का भी निरीक्षण किया जा रहा है और जिन भोजनालयों में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का अवैध रूप से इस्तेमाल होता पाया जा रहा है, उन्हें सील किया जा रहा है। बुधवार को, कंकड़बाग, पटना सिटी और बाढ़ जैसे इलाकों में चार रेस्तरां सील किए गए, और घरेलू सिलेंडरों के अवैध इस्तेमाल के लिए पाँच एफआईआर दर्ज की गईं, पटना के जिलाधिकारी थियागराजन एसएम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस इस बात की जानकारी पत्रकारों को दी। डीएम ने आगे कहा कि गैस डीलरों और वितरकों का भी नियमित निरीक्षण किया जा रहा है, और कालाबाजारी या लापरवाही में शामिल पाए जाने पर आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) के तहत तत्काल गिरफ़्तारी और मुक़दमा चलाया जाएगा। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, सबसे बड़ी जब्ती अररिया जिले के फारबिसगंज पुलिस थाना क्षेत्र में की गई, जहाँ 261 सिलेंडर बरामद किए गए और दो लोगों को गिरफ़्तार किया गया। जबकि सहरसा जिले में, पुलिस ने 112 सिलेंडर जब्त करने और एक आरोपी की पहचान करने के बाद एफआईआर दर्ज की। इसके अलावा, शिवहर, मधेपुरा, बेगुसराय, सारण, मुज़फ़्फ़रपुर, मोतिहारी, सीवान और कटिहार सहित कई अन्य जिलों में भी सिलेंडर जब्त किए गए हैं और गिरफ़्तारियाँ हुई हैं। जाँच अभी भी जारी है, और एलपीजी के अवैध भंडारण तथा कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए अन्य जिलों में भी छापेमारी लगातार जारी है।

महिला-बच्चे की हत्या में 4 आरोपी बरी

शेखपुरा. सिविल कोर्ट ने एक चर्चित दोहरे हत्याकांड मामले में पति सहित चार आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। यह मामला एक विवाहिता और उसके चार माह के बच्चे की निर्मम हत्या कर शव को गंगा नदी में बहा देने से संबंधित था। गुरुवार को एडीजे द्वितीय रविंद्र कुमार की अदालत ने यह फैसला सुनाया। रिहा होने वालों में पति आशीष कुमार के साथ सुनील चौधरी, दिलीप कुमार और मनीष कुमार शामिल हैं। हालांकि, इस मामले के अन्य आरोपी नवल यादव, अरुणी कुमार, रंजू देवी, सुजीत कुमार और अर्चना कुमारी के खिलाफ न्यायिक विचारण अभी भी लंबित है।

संक्षिप्त खबरें

नागपुर में स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था देह व्यापार, पुलिस ने मारा छापा

दो महिलाओं को छुड़ाया गया, संचालिका गिरफ्तार

नागपुर,(ईएमएस)। नागपुर के एक रिहायशी इलाके में स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे देह व्यापार का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। बेलतरोड़ी पुलिस ने '7सी वेलनेस स्पा' पर छापा मारकर दो महिलाओं को मुक्त कराया और एक महिला संचालक को गिरफ्तार किया। पुलिस को पहले से सूचना मिली थी कि मनीषनगर क्षेत्र में स्थित इस स्पा सेंटर में अवैध गतिविधियां संचालित हो रही हैं। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के मार्गदर्शन में टीम ने नकली ग्राहक भेजकर जाल बिछाया। जांच के दौरान यह पुष्टि हुई कि यहां देह व्यापार कराया जा रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी महिला बाहरी राज्यों, खासकर ओडिशा की महिलाओं को पैसों का लालच देकर इस काम में धकेलती थी। छापेमारी के दौरान नकद राशि और मोबाइल सहित करीब 15 हजार रुपये का सामान जब्त किया गया। दोनों पीड़ित महिलाओं को सुरक्षित स्थान पर रखकर उनके पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू की गई है।

कन्नूर नगर निगम के पूर्व महापौर को मैदान में उतार सकती हैं कांग्रेस

आधिकारिक ऐलान बाकी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा पूर्व केपीसीसी अध्यक्ष के. सुधाकरन सहित मौजूदा सांसदों को विधानसभा चुनाव में टिकट देने से इंकार के बाद, कन्नूर नगर निगम के पूर्व महापौर टी.ओ. मोहनन को केरल विधानसभा चुनाव 2026 में कन्नूर निर्वाचन क्षेत्र से यूडीएफ उम्मीदवार के रूप में उतरे जाने की संभावना है। इस बारे में श्री मोहनन ने कहा कि उन्हें अभी तक अपनी उम्मीदवारी के संबंध में कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है। हालांकि, उन्होंने विश्वास जाहिर किया कि यूडीएफ के बैनर तले कन्नूर से जो भी चुनाव लड़ेगा, उस निर्णायक जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव पूर्व चरण में उम्मीदवारों के चयन को लेकर अक्सर भ्रम और विवाद देखने को मिलते हैं, लेकिन नामांकन अंतिम रूप दिए जाने के बाद ये मुद्दे शांत होते हैं। एआईसीसी के फैसले के बावजूद चुनाव लड़ने पर सुधाकरन के जोर देने पर मोहनन ने कहा कि वे आधिकारिक घोषणा के बाद जवाब दूंगा। दिल्ली रवाना होने से कुछ दिन पहले मेरी मुलाकात सुधाकरन से हुई थी। उन्होंने बहुत समर्थन दिया और पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। कोई समस्या नहीं होने वाली है। यूडीएफ की "संगठनात्मक शक्ति" पर बता करते हुए मोहनन ने कहा कि गठबंधन की एक अनूठी प्रणाली है, जिसमें उम्मीदवार व्यक्तिगत संबंधों की परवाह किए बिना गठबंधन से ताकत हासिल करते हैं। उन्होंने एलडीएफ सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसके एक दशक के शासन ने जनता को कठिनाइयों में डाल दिया है। उनके अनुसार, सीपीआई (एम) कुछ व्यक्तियों और उनके परिवारों की सेवा करने वाली पार्टी बन गई है, जिसकी नीतियां कॉरपोरेट और धनी लोगों के पक्ष में हैं।

बिना टोल चुकाए निकलना अब पड़ेगा मंहगा, दोगुना भरना होगा जुर्माना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अगर आप हाईवे पर सफर करते हैं और कभी-कभी टोल देना भूल जाते हैं, तब अब सावधान हो जाए। मोदी सरकार ने नए नियम लागू कर दिए हैं, इसके तहत बिना टोल चुकाए निकलना अब काफी महंगा साबित हो सकता है। नए नियमों के अनुसार, अगर कोई वाहन चालक टोल टैक्स नहीं देता है, तब वाहन चालक को अब टोल की रकम का दोगुना जुर्माना भरना होगा, यानी अगर आपका टोल 100 था, तब अब आपको 200 तक का भुगतान करना होगा। यह कदम टोल चोरी को रोकने और सिस्टम को ज्यादा पारदर्शी बनाने के लिए उठाया गया है। सबसे खास बात यह है कि अब मोदी सरकार टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर सीधे आपके मोबाइल पर नोटिस भेजेगी। ये ई-नोटिस संदेश, ईमेल और मैसेजिंग ऐप के जरिए भेजे जाएंगे, यानी अब आप यह बहाना नहीं बना सकते कि आपको जानकारी नहीं मिली।

अगर कोई व्यक्ति नोटिस मिलने के बाद भी 15 दिनों के अंदर जुर्माना नहीं भरता है, तब उसके लिए परेशानी और बढ़ सकती है। केंद्र सरकार ने इसतरह के मामलों में वाहन पोटर्ल की सेवाएं बंद कर सकती है। इसका मतलब है कि आप अपने वाहन से जुड़े जरूरी काम जैसे आरसी अपडेट, ट्रांसफर या अन्य ऑनलाइन सुविधाएं नहीं कर पाएंगे। इन नियमों का मकसद टोल कलेक्शन सिस्टम को मजबूत बनाना और नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। खासकर फास्टटैग सिस्टम लागू होने के बाद भी कुछ लोग जानबूझकर टोल से बचने की कोशिश करते हैं, जिसे अब रोकने की तैयारी की गई है।

गाजियाबाद पुलिस ने शातिर बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया

गाजियाबाद (ईएमएस)। गाजियाबाद पुलिस ने शातिर बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। यह घटना थाना वेव सिटी पुलिस की टीम द्वारा हुई। बदमाश के पैर में पुलिस की गोली लगी, जिसके बाद बदमाश को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती किया गया। उसकी गिरफ्तारी के समय उसके कब्जे से चोरी की बाइक, अवैध तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 4 मार्च, 2026 को डीएमई रोड के पास हाईटेक कॉलेज के पास लूट की घटना हुई थी। बदमाशों ने तमंचे के बल पर नेक्सन कार और एक मोबाइल फोन लूट लिया था। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु की थी। 7 मार्च को दो आरोपियों राज और दर्शन को गिरफ्तार किया था। वहीं, मामले के अन्य दो वांछित आरोपी लव और योगेंद्र फरार थे। खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस को लव का पता और तस्वीर मिली। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने चेकिंग अभियान शुरू किया। डासना की तरफ जाने वाली सड़क पर पुलिस ने बाइक सवार संदिग्ध को रोका, लेकिन बाइक सवार ने भागने का प्रयास किया। बाइक फिसलकर गिर गई और बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाकर बदमाश को पैर में घायल कर दिया। पुलिस की पूछताछ में लव ने नेक्सन कार और डासना क्षेत्र में की गई अन्य चोरी की घटनाओं को स्वीकार किया। उसके खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं। वर्तमान पुलिस ने कहा कि इस गिरफ्तारी से इलाके में अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और मजबूत होगी। कुल मिलाकर, गाजियाबाद पुलिस की सतर्कता और खुफिया तंत्र के कारण लव की गिरफ्तारी संभव हो सकी।

पीएम मोदी की रैली से पहले कथित हमले की आयोग ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट, शहर पुलिस ने अधूरी रिपोर्ट दी

कोलकाता,(ईएमएस)। चुनाव आयोग (ईसी) ने कोलकाता पुलिस से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली से पहले बीते सप्ताह राजधानी कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्री शशि पांजा के आवास पर हुए कथित हमले के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। मामले से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शहर पुलिस द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक रिपोर्ट अपूर्ण मिली हैं, जिसमें घटना से जुड़े महत्वपूर्ण विवरणों का अभाव था। पूर्व रिपोर्ट में घटनाक्रम और महत्वपूर्ण जानकारियों का पूरा विवरण नहीं था। अब एक व्यापक रिपोर्ट मांगी गई है। उन्होंने बताया कि आयोग ने उत्तरी कोलकाता के गिरीश पार्क क्षेत्र में हुई घटना के समयक्रम, पुलिस की भूमिका और घटना से पहले उपलब्ध खुफिया जानकारियों पर पूरा स्पष्टीकरण मांगा है। राज्य में तैनात केंद्रीय बलों के उपयोग पर भी सवाल उठ रहे हैं। आयोग के अधिकारी ने कहा, इसकी जांच की जा रही है कि केंद्रीय बलों की मौजूदगी के बावजूद वे सक्रिय रूप से शामिल क्यों नहीं हुए और स्थानीय पुलिस ने स्थिति को कैसे संभाला। भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच हुई झड़प और पांजा के आवास पर हुए हमले के सिलसिले में पुलिस ने अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना के संबंध में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। यह घटनाक्रम 23 और 29 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग द्वारा बढ़ाई गई सतर्कता के बीच सामने आया है।

यूट्यूबर एल्विश को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत यूपी पुलिस की दर्ज एफआईआर को रद्द

2023 में रेव पार्टी में सांप के जहर के इस्तेमाल के आरोपों के बाद मामला दर्ज किया था

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव को राहत देते हुए 2023 के चर्चित स्नेक वेनम मामले में यूपी पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। दरअसल, नवंबर 2023 में यूपी के नोएडा में कथित रेव पार्टी में सांप के जहर के इस्तेमाल के आरोपों के बाद एल्विश के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बाद में 17 मार्च 2024 को उन्हें गिरफ्तार किया था उन पर आरोप था कि पार्टियों में सांपों और उनके जहर का इस्तेमाल मनोरंजन और नशे के लिए किया जा रहा था, जो वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत गंभीर अपराध है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की युगलपीठ ने कहा कि जिस कथित साइकोट्रॉपिक पदार्थ की बात कही गई, वह कानून की तय सूची में शामिल ही नहीं है। साथ ही कोर्ट ने यह भी नोट किया कि एल्विश के पास से कोई बरामदगी नहीं हुई थी और चार्जशीट में केवल यह आरोप था कि उन्होंने एक सहयोगी के जरिए ऑर्डर दिया था। इन तथ्यों को देखते हुए कोर्ट ने माना कि एनडीपीएस एक्ट का इस्तेमाल इस मामले में कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। दूसरे अहम पहलू पर कोर्ट ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून के तहत अभियोजन केवल अधिकृत अधिकारी की शिकायत के आधार पर ही शुरू किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि मौजूदा एफआईआर इस प्रक्रिया का पालन नहीं करती, इसलिए यह विधिसम्मत नहीं मानी जा सकती। साथ ही कोर्ट ने यह भी दर्ज किया कि भारतीय दंड संहिता के तहत लगाए गए आरोप स्वतंत्र रूप से स्थापित नहीं होते, क्योंकि वे एक पहले की शिकायत का हिस्सा थे जिसे पहले ही बंद किया जा चुका है। इन सभी कानूनी आधारों पर सुप्रीम कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि एफआईआर न्यायिक जांच की कसौटी पर खरी नहीं उतरती और इसे रद्द किया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि उसने मामले के तथ्यों या आरोपों की मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

बता दें पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट इस मुद्दे को लेकर सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था कि अगर लोकप्रिय लोग आवाजहीन जीवों जैसे सांपों का इस तरह इस्तेमाल करते हैं, तो इससे समाज में गलत संदेश जा सकता है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या किसी को चिड़ियाघर जाकर जानवरों के साथ खेलने की अनुमति दी जा सकती है और क्या यह कानून का उल्लंघन नहीं होगा। एल्विश यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी थी कि वह एक वीडियो शूट के लिए गायक फाजिलपुरिया के निमंत्रण पर पार्टी में गए थे।

उन्होंने यह भी कहा कि न तो किसी रेव पार्टी के ठोस सबूत हैं और न ही किसी मादक पदार्थ के इस्तेमाल के प्रमाण। साथ ही लैब रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया कि बरामद किए गए नौ सांप विषैले नहीं थे और एल्विश घटनास्थल पर मौजूद भी नहीं थे। वहीं, दूसरी ओर राज्य पक्ष का कहना था कि पुलिस ने मौके से नौ सांप, जिनमें पांच कोबरा शामिल थे, बरामद किए थे और सांप के जहर के इस्तेमाल के संकेत भी मिले थे। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी पूछा था कि आखिर सांप का जहर कैसे निकाला जाता है और पार्टियों में इसका इस्तेमाल किस तरह होता है।

दुनिया ईरान-अमेरिका जंग में उलझी, इधर भारत ने कर दिया कमाल

पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट के दो प्रोडक्शन बेंचों का सफल परीक्षण

पड़ोसी पाकिस्तान की जान हल्क में

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक ओर मिडिल ईस्ट में ईरान की इजराइल और अमेरिका के साथ बेहद खतरनाक जंग जारी है। मिसाइलें, ड्रोन और एयर स्ट्राइक हर दिन हालात और ज्यादा गंभीर बना रहे हैं। लेकिन इसी बीच भारत ने चुपचाप एक ऐसा कदम उठाया हैं, जिसने पूरी दुनिया को दो टूक संदेश दिया कि भारत अब सिर्फ देख नहीं रहा बल्कि पूरी तैयारी में है। भारत ने पहली बार पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट के दो प्रोडक्शन बेंचों का सफल परीक्षण किया है। इस ऐतिहासिक परीक्षण को राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में अंजाम दिया गया। वहीं पोखरण जहां भारत ने अपने परमाणु परीक्षणों से दुनिया को चौंका दिया था और अब उसी धरती से फिर भारत की ताकत की गूंज सुनाई दे रही है। इस टेस्ट में कुल 24 पिनाका एनहांस रॉकेट लांच किए गए। इस परिक्षण के बाद पड़ोसी आंतकी मुल्क पाकिस्तान की हल्क में जान आ गई है।

इनका उद्देश्य था इनकी सटीकता, निरंतरता और मारक क्षमता को परखना और रिपोर्ट्स के मुताबिक इन रॉकेट्स ने हर पैरामीटर पर शानदार प्रदर्शन किया। अब सवाल उठता है कि यह पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट आखिर है क्या? दरअसल पिनाका एक मल्टीबैरल रॉकेट लांच सिस्टम है, जो कि पूरी तरह भारत में विकसित किया गया है। यह सिस्टम कुछ ही सेकंड में दर्जनों रॉकेट दाग सकता है और दुश्मन के बड़े इलाके को तबाह कर सकता है। लेकिन इस नए वर्जन यानी कि एक्सटेंडेड रेंज की खास बात यह है कि इसकी मारक क्षमता पहले से कहीं ज्यादा बढ़ा दी गई है। जहां पहले इसकी रेंज करीब 40 कि.मी.थी, वहीं अब 70 से 90 कि.मी. तक सटीक वार कर सकता है।

यानी अब भारतीय सेना दुश्मन को दूर से और ज्यादा सटीक तरीके से निशाना बना सकती है। और सबसे बड़ी बात यह टेस्ट सिर्फ एक प्रोटोटाइप का नहीं था बल्कि दो अलग-अलग प्रोडक्शन बेंचों का था। इसका मतलब होता है कि अब यह टेक्नोलॉजी सिर्फ लैब तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार है।

इस पूरे परीक्षण को निजी डिफेंस कंपनी सोलार ग्रुप ने अंजाम दिया। यह दिखाता है कि भारत में प्राइवेट सेक्टर भी अब डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। अब जरा इस खबर को ग्लोबल परिपेक से समझिए। एक तरफ ईरान और इजराइल के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिका भी संघर्ष में सीधे शामिल है। पूरी दुनिया में युद्ध जैसे हालात बनते जा रहे हैं। इसके बाद भारत का यह परीक्षण सिर्फ एक सैन्य उपलब्धि नहीं बल्कि एक रणनीतिक संदेश है। संदेश यह है कि भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। संदेश यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर नहीं है और संदेश यह है कि भारत अब टेक्नोलॉजी और ताकत दोनों में तेजी से आगे बढ़ चुका है।

जाने किन तरीकों से बुझाई जाती हैं तेल और गैस प्लांट्स में लगी आग

नई दिल्ली, (ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच तेल और गैस प्लांट्स पर हमलों से लगी आग एक गंभीर वैश्विक चिंता बन गई है। तेल के कुएं या रिफाइनरी में आग सामान्य आग से कहीं ज्यादा खतरनाक होती है, क्योंकि इसमें लगातार तेल और गैस का रिसाव होता रहता है। इस कारण ऐसी आग को बुझाना बेहद जटिल और समय लेने वाला काम होता है। तेल के कुएं में आग लगने पर वहां गैस, कच्चा तेल और हवा का मिश्रण लगातार बाहर निकलता रहता है, जिससे आग को ईंधन मिलता रहता है। इसका तापमान 1000 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जो आसपास की जमीन को भी अत्यधिक गर्म कर देता है। इस वजह से आग बुझने के बाद भी फिर भड़कने का खतरा बना रहता है। इतिहास में 1991 के कुवैत युद्ध के दौरान 600 से अधिक तेल कुओं में लगी आग को बुझाने में करीब 9 महीने लग गए थे।

तेल की आग बुझाने के लिए विशेषज्ञ कई तकनीकों का इस्तेमाल करते हैं। पहला और सबसे आम तरीका है पानी का उपयोग। इसमें समुद्र या नदी के पानी को उच्च दबाव से आग के आधार पर डाला जाता है। पानी आग को ठंडा करता है और ऑक्सीजन की मात्रा कम कर देता है, जिससे आग बुझने लगती है। कुवैत में अधिकांश आग इसी तरीके से बुझाई गई थी। दूसरा तरीका गैस टरबाइन मिस्ट है। इसमें एक शक्तिशाली टरबाइन इंजन के जरिए पानी की बारीक धुंध बनाई जाती है, जो आग के स्रोत तक पहुंचकर नियंत्रित करती है। तीसरा तरीका काफी नाटकीय होता है—विस्फोट का उपयोग। इसमें कुएं के पास नियंत्रित विस्फोट किया जाता है, जिससे शॉक वेव उत्पन्न होती है और आग को जलाने वाले तत्व (ऑक्सीजन और ईंधन) अलग हो जाते हैं, परिणामस्वरूप आग बुझ जाती है। चौथा तरीका फोम या ड्राई केमिकल का उपयोग है। इसमें विशेष प्रकार के फोम या पाउडर को आग पर डाला जाता है, जो एक परत बनाकर ऑक्सीजन की आपूर्ति रोक देता है। पांचवां तरीका रिलीफ वेल ड्रिलिंग है। इसमें पास में एक नया कुआं खोदकर दबाव को कम किया जाता है, जिससे तेल का प्रवाह नियंत्रित हो जाता है और आग बुझाने में मदद मिलती है। छठा तरीका कैपिंग है, जिसमें क्षतिग्रस्त पाइप या कुएं के मुंह को काटकर उस पर नया वाल्व लगाया जाता है, ताकि तेल का रिसाव पूरी तरह बंद किया जा सके। इनमें से पानी और विस्फोट वाले तरीके तेजी से असर दिखाते हैं, जबकि रिलीफ वेल और कैपिंग अधिक स्थायी समाधान माने जाते हैं।

दारा सिंह की रिहाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा सरकार से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के तहत वर्ष 1999 में ऑस्ट्रेलियाई मिशनरी ग्राहम स्टीवर्ट स्टेन्स और उनके दो नाबालिग बेटों की हत्या के दोषी दारा सिंह की रिहाई को लेकर सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत ने मामले में तत्काल कोई अंतिम निर्णय न देकर ओडिशा सरकार से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई की तारीख 13 मई निर्धारित की है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की द्वि-न्यायाधीशीय पीठ ने स्पष्ट किया कि जब तक राज्य की सजा समीक्षा प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक अदालत आगे की सुनवाई नहीं करेगी। इस दौरान अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह सभी आवश्यक रिपोर्टों और तथ्यों की समीक्षा कर अपना निर्णय तय समय सीमा के भीतर प्रस्तुत करे। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ए.के. सिंह ने दलील दी कि दारा सिंह, जिनका वास्तविक नाम रबींद्र कुमार पाल है, पिछले 26 वर्ष 6 माह से अधिक समय से जेल में हैं। उन्होंने कहा कि यह अवधि आजीवन कारावास की सामान्य व्याख्या से भी अधिक है, इसलिए उन्हें रिहाई के लिए विचार किया जाना चाहिए। वकील ने यह भी बताया कि जेल रिकॉर्ड के अनुसार दोषी का व्यवहार संतोषजनक रहा है। वह योग, धार्मिक गतिविधियों और अनुशासन में सक्रिय रहा है तथा उसके खिलाफ किसी भी प्रकार की हिंसात्मक या अनुशासनहीन गतिविधि दर्ज नहीं है। दूसरी ओर, ओडिशा सरकार की तरफ से एडवोकेट जनरल पीतांबर आचार्य ने अदालत को जानकारी दी कि दारा सिंह की रिहाई से संबंधित सभी पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। यह प्रक्रिया ओडिशा कैदी माफी नीति-2022 के तहत चल रही है, जिसमें जिला प्रशासन और जेल अधिकारियों की रिपोर्टों की समीक्षा शामिल है। अंततः सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सजा समीक्षा बोर्ड सभी तथ्यों का विस्तृत परीक्षण करे और 13 मई तक अपना निर्णय प्रस्तुत करे। इसी के साथ अदालत ने मामले की सुनवाई उस तारीख तक स्थगित कर दी, जिससे यह स्पष्ट है कि अंतिम निर्णय राज्य की रिपोर्ट के आधार पर ही लिया जाएगा।

देशभर में नवरात्रि उत्सव- देवी मंदिरों में भीड़, महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा मनाया जा रहा

हिमाचल के शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं की भीड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर में नवरात्रि का उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के कटरा में बारिश के बीच भक्त दर्शन करने पहुंच रहे है। वहीं उत्तरप्रदेश में भी बड़े मंदिरों में भीड़ दिख रही है। उधर महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा की रोनक है। नागपुर में सीएम देवेंद्र फडणवीस भी हिंदू नव वर्ष के कार्यक्रम में शामिल हुए। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को नवरात्रि और नव वर्ष पर 9 अलग-अलग तरह से पोस्ट कर बधाई दी। हिमाचल प्रदेश में पांच प्रमुख शक्तिपीठों सहित माता के दूसरे मंदिरों में पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ सहित अन्य राज्यों के सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन को पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु मां के जयकारों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मंदिरों में सुबह से ही भंडारा, हवन और कन्या पूजन हो रहा है। देवभूमि हिमाचल में आज भक्तिमय माहौल हो गया है। नवरात्रि के लिए प्रदेश के सभी मंदिरों को रंग-बिरंगे फूलों और लाइटों से सजाया गया है। विशेषकर ऊना स्थित चिंतपूर्णी मंदिर इस बार विदेशी फूलों से महक रहा है। दिल्ली के श्रद्धालु ने करीब 50 लाख रुपए के रंग-बिरंगे फूलों से मंदिर को सजाया है। चिंतपूर्णी के अलावा कांगड़ा के ज्वालाजी, बृजेश्वरी देवी, चामुंडा देवी और बिलासपुर के नैनादेवी में भी विशेष तैयारियां की गई हैं। पंजाब के अमृतसर से नैनादेवी पहुंचे भक्तों ने बताया कि मंदिर में दर्शन के लिए बहुत अच्छे इंतजाम किए गए है। सभी श्रद्धालुओं के आसानी से दर्शन हो रहे हैं और मंदिर में बहुत अच्छी सजावटी की गई है। दर्शन में कोई परेशानी नहीं हो रही। शिमला के कालीबाड़ी और तारादेवी मंदिर सहित शहर के प्रमुख मंदिरों के कपाट सुबह 6 बजे से भक्तों के लिए खोले जाएंगे। मंदिरों में अतिरिक्त पुलिस बल और सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। तारादेवी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए हर आधे घंटे बाद शिमला के आईएसबीटी से अतिरिक्त बसें चलाई जा रही है। सभी मंदिरों में दान के लिए डिजिटल व्यवस्था, जैसे क्यूआर कोड, उपलब्ध कराए गए हैं।

अपने दम पर चुनाव लड़ने के विजय के फैसले पर, बंट गई राजनैतिक जानकारों की राय

चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेता से नेता बने थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने बड़ा दांव खेलकर आगामी विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ने का फैसला किया है। विजय और उनकी पार्टी ने साफ किया है कि वे किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनने वाले है। इस फैसले के पीछे विजय की "जनता की राजनीति" वाली छवि को मजबूत करने की रणनीति मानी जा रही है। विजय ने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी पार्टी सिर्फ "लोगों की टीम" है, न कि किसी राजनीतिक गठबंधन का हिस्सा। इस बीच एक बड़ा सस्पेंस तब पैदा हुआ जब टीवीके महासचिव आधव अर्जुन ने दावा किया कि एक "गुमनाम पार्टी" ने विजय को 50 से 90 सीटों का ऑफर दिया था, यहांतक कि मुख्यमंत्री पद की पेशकश भी की गई। हालांकि, उन्होंने उस पार्टी का नाम नहीं बताया। अर्जुन के बयान में "दिल्ली के आगे झुकने" वाली टिप्पणी से संकेत मिलता है कि यह इशारा केंद्र की राजनीति, खासकर बीजेपी की ओर हो सकता है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं है। विजय का यह ऑफर ठुकराना उनकी राजनीतिक रणनीति को दिखाता है, वे पद या समझौते से ज्यादा जनसमर्थन पर भरोसा दिखाना चाहते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या अपने दम पर चुनाव लड़ना उनके लिए फायदेमंद साबित होगा? तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से दो बड़े दलों—द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) और एआईएडीएमके के बीच केंद्रित रही है। वर्तमान में राज्य के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की डीएमके सत्ता में है, और विजय की राजनीति सीधे तौर पर उनके खिलाफ मानी जा रही है। हालांकि विजय की रैलियों में भारी भीड़ जुट रही है, जैसे करूर रैली, जो उनके जनाधार का संकेत देती है, लेकिन विजय को इस भीड़ को वोटों में बदलना एक बड़ी चुनौती होगी। बिना गठबंधन के चुनाव लड़ने का मतलब है कि टीवीके को हर सीट पर मजबूत संगठन, उम्मीदवार और संसाधन खड़े करना होगा, जो एक नई पार्टी के लिए कठिन काम है।

इसके अलावा, विजय व्यक्तिगत और कानूनी चुनौतियों से भी घिरे हुए हैं। 2025 में करूर रैली में भगदड़ की घटना में 41 लोगों की मौत के मामले में जांच चल रही है। साथ ही आयकर मामलों और उनके निजी जीवन—पत्नी संगीता के साथ तलाक विवाद ने भी उनकी छवि पर असर डाला है। चुनाव से ठीक पहले कोर्ट में पेशी भी राजनीतिक माहौल को प्रभावित कर सकती है। 2026 विधानसभा चुनाव में उनका मुकाबला मुख्य रूप से द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के नेतृत्व वाले गठबंधन और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम से होगा। स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके मजबूत स्थिति में है, जबकि एआईएडीएमके आंतरिक चुनौतियों से जूझ रही है।

विजय के सामने दो मॉडल हैं। पहला, चिरंजीवी मॉडल जहां नई पार्टी को अच्छा वोट शेयर मिलता है, लेकिन वह सीटों में तब्दील नहीं हो पाता। 2009 में उनकी पार्टी को 16 प्रतिशत वोट मिले, पर सीटें बहुत कम आईं, और अंततः उन्हें समझौता करना पड़ा। यह रास्ता विजय को सीमित राजनीतिक प्रभाव तक ही रोक सकता है। दूसरा, पवन कल्याण मॉडल जहां गठबंधन की राजनीति के जरिए सत्ता में भागीदारी हासिल की जाती है। पवन कल्याण ने तेलुगु देशम पार्टी के साथ मिलकर सत्ता में जगह बनाई और डिप्टी सीएम बने। विजय के लिए चुनौती यह है कि वे अपने दम पर वोट को सीटों में बदलें या गठबंधन का रास्ता अपनाएं। उनका निर्णय ही तय करेगा कि वे तमिलनाडु में सत्ता के नए केंद्र बनेंगे या सिर्फ एक और लोकप्रिय लेकिन असफल राजनीतिक प्रयोग। तमिलनाडु की राजनीति में सिनेमा का प्रभाव ऐतिहासिक रूप से गहरा रहा है। एम. जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता जैसे दिग्गजों ने फिल्मी लोकप्रियता को सीधे सत्ता में बदला। इसी परंपरा में अब विजय की एंट्री ने 2026 के चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के नेतृत्व में एम. के. स्टालिन मजबूत स्थिति में हैं, जबकि अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम आंतरिक खींचतान से जूझ रही है, भले ही ई. पलानीस्वामी और ओ. पन्नीरसेल्वम जैसे नेता सक्रिय हों। इसके बाद विजय की पार्टी के कारण त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति बन रही है।

संपादकीय

ईरानी नेताओं की शहादत अब करो या मरो ?

रमजान के पवित्र महीने में जिस तरह से अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया इस हमले में सेकड़ो बच्चियों की मौत हो गई, ईरान के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित प्रथम पंक्ति के सैकड़ों नेताओं को मारकर जिस तरह से ईरान में तख्ता पलट कराने का जो प्रयास था वह पूरी तरह से विफल हो गया है। ईरान में मोसाद की उपस्थिति ने ईरान के नेताओं को मौत के घाट जरूर उतारा है, लेकिन इसकी प्रतिक्रिया अब दूसरे रूप में देखने को मिल रही है। ईरान में लोग एकजुट होकर इसका विरोध कर रहे हैं। पहली बार यह समझ आ रहा है, ईरान ने अपनी क्रीमी लेयर की जो सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था तैयार की थी इतनी बड़ी संख्या में महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौत हो जाने के बाद भी ईरान कहीं से भी कमजोर नहीं पड़ा है। उल्टे उसके ड्रोन और मिसाइलों ने जिस तरह से अमेरिका और इजरायल के सुरक्षा तंत्र को नुकसान पहुंचाया है इसकी कल्पना अमेरिका और इजरायल ने कभी नहीं की थी। ड्रोन और ईरान के मिसाइल इतने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकते हैं या इतनी बड़ी संख्या में ईरान के पास सैन्य हथियार तकनीकी के साथ उपलब्ध हो सकते हैं इसकी जरा भी जानकारी अमेरिका और इजरायल को होती तो वह ईरान के साथ इस तरह का पंगा नहीं लेते। ईरान ने प्रतिक्रिया स्वरूप पश्चिम एशिया के जिन देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे उन्हें नष्ट करने में सफलता हासिल की है। जहां-जहां अमेरिकी सैनिक और दूतावास से उनको नष्ट किया है जिसके कारण अमेरिका को अपने सभी दूतावास बंद करने पड़े। अमेरिकी नौसेना भी कोई कमाल नहीं दिखा सकी उल्टे उनके बड़े-बड़े जहाज पीछे हटने को विवश हुए। अब एक और सबसे बड़ी गलती अमेरिका और इजरायल ने की है। उसने ईरान के गैस एवं पेट्रोल के ठिकानों पर हमला किया है, जिसका जवाब अब ईरान ने देना शुरू कर दिया है। जिसके कारण यह युद्ध अब एक ऐसी दशा में बदल रहा है जिसकी आग में सारी दुनिया के देशों को झुलसना पड़ सकता है। अमेरिका के मित्र देश और नाटो संगठन ने इस युद्ध में उतरने से साफ इनकार कर दिया है। रूस, चीन और उत्तर कोरिया खुलकर ईरान के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। ईरान अभी तक इस युद्ध में नैतिकता के साथ लड़ाई लड़ रहा था लेकिन अब इस लड़ाई में ईरान भी अपनी नैतिकता छोड़कर अब युद्ध जीतने की लड़ाई लड़ेगा, जिसके कारण यह युद्ध किस रूप में और कहां तक जाएगा इसको लेकर अब तरह-तरह की आशंकाएं सामने आने लगी हैं। दुनिया के सभी देश अपने-अपने क्षेत्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए इस युद्ध से दूर रहते हुए अपनी कूटनीतिक संबंधों को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर सारी दुनिया के देशों को अपने विरोध में खड़ा कर लिया है। जिस तरह से अमेरिका अपना साम्राज्यवाद सारी दुनिया में स्थापित करने का प्रयास कर रहा था उसकी सारी दुनिया के देश विरोध कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप बेहतर राजनेता साबित नहीं हो रहे हैं। उनकी इमेज सारी दुनिया में एक गुंडे के रूप में बन गई है, जिसका खामियाजा अब अमेरिका को भुगतना पड़ेगा। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इस युद्ध में अमेरिका को जहां आर्थिक रूप से भारी नुकसान हुआ है वहीं सारी दुनिया के देशों से जो संबंध खराब हुए हैं, अमेरिका की विश्वसनीयता खत्म हुई है, उसके दूरगामी परिणाम जल्द ही अमेरिका को भोगने पड सकते हैं। अमेरिका में तो यह चर्चा चल पड़ी है जिस तरह से एपस्टीन फाइल में उनका नाम आ रहा है। जिस तरीके से वह निर्णय ले रहे हैं इतना बड़ा युद्ध उन्होंने बिना कांग्रेस की अनुमति से छेड़ दिया। इसका खामियाजा सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप को ही भुगतना पड़ेगा। इस युद्ध में अमेरिका-इजरायल और ईरान तीनों ही बेलगाम हो चुके हैं। इस युद्ध के परिणाम क्या होंगे इसको लेकर कुछ भी कहना आज की तारीख में बहुत मुश्किल है। ऊर्जा संकट में सारी दुनिया को बड़े संकट में डाल दिया है वहीं आर्थिक मंदी की आशंका से पूरी दुनिया भयाक्रांत है।

गौरैया का संरक्षण आवश्यक

संजय गोस्वामी

विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च 26 पर विशेष

हर साल 20 मार्च,विश्व गौरैया दिवस हर साल 20 मार्च को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य शहरीकरण और प्रदूषण के कारण विलुप्त हो रही गौरैया और अन्य छोटे पक्षियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस पहली बार 2010 में नेचर फॉरएवर सोसाइटी (भारत) और फ्रांस की इको-सिस एक्शन फाउंडेशन के सहयोग से मनाया गया था।

गोरैया एक छोटी चिड़िया है। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है। नर गोरैया का पहचान उसके गले के पास काले धब्बे से होता है। १४ से १६ से.मी. लंबी यह चिड़िया मनुष्य के बनाए हुए घरों के आसपास रहना पसंद करती है। यह लगभग हर तरह की जलवायु पसंद करती है पर पहाड़ी स्थानों में यह कम दिखाई देती है। शहरों, कस्बों गाँवों और खेतों के आसपास यह बहुतायत से पाई जाती है। नर गौरैया के सिर का ऊपरी भाग, नीचे का भाग और गालों पर पर भूरे रंग का होता है। गला चोंच और आँखों पर काला रंग होता है और पैर भूरे होते है। मादा के सिर और गले पर भूरा रंग नहीं होता है। नर गौरैया को चिड़ा और मादा चिड़ी या चिड़िया भी कहते हैं।गौरैया को सामाजिक प्राणी कहा जाता है। वे कॉलनी में रहते हैं जिन्हें आमतौर पर पर झुंड के रूप में वर्णित किया जाता हैं। आमतौर पर गौरैया जमीन पर सीधे चलने की बजाय उछलते हुए चलती हैं। गौरैया जब दुखी होते हैं तो अपने तनाव को कम करने के लिए अपनी पूंछ को बार-बार झटकते हैं। अधिकांश गौरैया सुस्त होते हैं, वो शायद ही कभी अपने जन्मस्थान से 2 किलोमीटर से दूर उड़ते हैं। गौरैया के बहुत कम अंडो में माता-पिता दोनों का डीएनए होता हैं, ज्यादातर में केवल उनके मां का ही डीएनए होता हैं। नर और मादा गौरैया को उनके रंग के आधार पर पहचाना जा सकता हैं, नर गौरैया की पीठ तंबाकू रंग की और गर्दन पर काली पट्टी होती हैं जबकि मादाओं की पीठ और पट्टियाँ दोनो भूरे रंग की होती हैं। गौरैया एक बहुत छोटी पक्षी हैं। औसतन इसकी लंबाई 16 सेमी और वजन 24 से 40 ग्राम होता हैं। गौरैया का घोंसला बनाने की ज़िम्मेदारी नर गौरैयों की होती हैं और घोंसला बनाते समय वे मादा गौरैयों को आकर्षित करने की कोशिश करती हैं। गौरैया की आँखो के रेटिना में प्रति वर्ग मिलीमीटर 4 लाख फोटोरिससेप्टर होते हैं। हर वर्ष 20 मार्च को गौरैया दिवस मनाया जाता हैं ताकि लोंगो में इस नन्हे से पक्षी के प्रति जागरूकता बढ सके। मादा गौरैया एक बार में 3 से 5 बच्चों को जन्म देती हैं, 12 से 15 दिनो के बाद अंडे में से एक गौरैया का जन्म होता है। गौरैया पक्षी पहाड़ी इलाकों में बहुत कम देखने को मिलती हैं। जन्म के 15 दिन बाद ही गौरैया का बच्चा इतना समर्थ हो जाता हैं कि वह घोंसला छोड़ देता हैं। गौरैया ची-ची की मधुर आवाज करती हैं। भोजन की निरंतर आपूर्ति के कारण गौरैया आसानी से मानव बस्तियों में जीवन के अनुकूल हो जाती हैं। ये जीव खाना खाना सीखते हैं जो उन्हें लोगो द्वारा प्रदान किया जाता हैं। इनका गोल पंखो के साथ एक मोटा शरीर होता हैं। इसका शरीर भूरे, काले और सफेद पंखो से ढका होता हैं। गौरैया जंगल में लगभग 4–5 साल तक रहती हैं। यह चिड़िया (गौरैया) यूरोप और एशिया महाद्वीप में पाई जाती हैं। वैज्ञानिको के मुताबिक गौरैयों की लगभग 43 प्रजातियाँ मौजूद हैं। पिछले कुछ सालों में इसकी संख्या में 60 से 80 फीसदी की कमी आई हैं।

गौरैया का कलरव एवं ऊर्जा का खत्म होना बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

(विश्व गौरैया दिवस, 20 मार्च 2026 पर विशेषः)

एक समय था जब सुबह की शुरुआत घर-आंगन में चहकती गौरैया की मधुर ध्वनि से होती थी। यह नन्हीं चिड़िया केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि हमारे जीवन, संस्कृति और संवेदनाओं का अभिन्न हिस्सा थी। बच्चों के बचपन की साथी, घरों की रौनक और प्रकृति की जीवंतता का प्रतीक-वही गौरैया आज हमारे आसपास से लगभग लुप्त होती जा रही है। यह केवल एक पक्षी के कम होने की कहानी नहीं, बल्कि मानव और प्रकृति के बीच बिगड़ते संतुलन का संकेत है। विश्व गौरैया दिवस हर वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है, ताकि इस छोटी-सी चिड़िया के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक किया जा सके। वर्ष 2026 की थीम व्यापक रूप से "मानव और प्रकृति का सह-अस्तित्व" की भावना को आगे बढ़ाने वाली मानी जा रही है, जो यह संदेश देती है कि यदि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर नहीं चलेंगे, तो न केवल गौरैया, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र संकट में पड़ जाएगा। गौरैया का जीवन मनुष्य के बेहद करीब रहा है। उसने हमारे घरों की छतों, खिड़कियों, रोशनदानों और पेड़ों पर अपने घोंसले बनाए। वह हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनी रही। लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ ने उसे धीरे-धीरे उसके आश्रयों से बेदखल कर दिया। आज कंक्रीट के जंगलों में न तो उसके लिए घोंसले बनाने की जगह बची है और न ही उसके भोजन के स्रोत।

गौरैया की घटती संख्या के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है बदलती जीवनशैली। पहले घरों में खुले स्थान होते थे, मिट्टी के आंगन होते थे, छतों पर अनाज सुखाया जाता था और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था स्वाभाविक रूप से होती थी। आज सब कुछ बंद कमरों और चमचमाती इमारतों में सिमट गया है। इससे गौरैया का प्राकृतिक निवास समाप्त हो गया है। इसके साथ ही कीटनाशकों और रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक उपयोग भी एक बड़ा कारण है। गौरैया के बच्चे प्रारंभिक दिनों में कीट-पतंगों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन आधुनिक खेती और बागवानी में रसायनों के बढ़ते उपयोग ने इन कीटों को ही समाप्त कर दिया है। परिणामस्वरूप गौरैया के बच्चों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता और उनका जीवन खतरे में पड़ जाता है। मोबाइल टावरों से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगों को भी गौरैया के लिए हानिकारक माना जाता है। ये तरंगें उनके नेविगेशन और प्रजनन क्षमता को प्रभावित करती हैं। यद्यपि इस पर वैज्ञानिक शोध अभी जारी हैं, लेकिन यह निश्चित है कि बढ़ता तकनीकी प्रदूषण पर्यावरण के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। जलवायु परिवर्तन भी गौरैया के अस्तित्व पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। असमय वर्षा, अत्यधिक तापमान और मौसम के अनियमित बदलाव उनके जीवन चक्र को बाधित कर रहे हैं। इससे उनके प्रजनन और जीवन की स्थिरता प्रभावित होती है।

गौरैया का संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का भी परिणाम है। हम धीरे-धीरे प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकताएं बदल गई हैं और हमने अपने आसपास के जीवों के प्रति संवेदनशीलता खो दी है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि जब मनुष्य प्रकृति से कटता है, तो उसका अपना अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। गौरैया का संरक्षण केवल एक पक्षी को बचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण, हमारी संस्कृति और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। इसके लिए हमें छोटे-छोटे लेकिन प्रभावी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले हमें अपने घरों और आसपास ऐसे स्थान बनाने होंगे, जहां गौरैया आसानी से घोंसला बना सके। आज बाजार में कृत्रिम घोंसले उपलब्ध हैं, जिन्हें घरों की बालकनी, दीवारों या पेड़ों पर लगाया जा सकता है। इसके साथ ही हमें नियमित रूप से दाना और पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यह एक छोटी-सी पहल है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। हमें अपने बगीचों और आसपास के क्षेत्रों में देशी पौधों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि कीट-पतंगों की संख्या बढ़े और गौरैया को प्राकृतिक भोजन मिल सके। जैविक खेती और रसायनों के कम उपयोग को अपनाकर भी हम इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

बच्चों में भी प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता विकसित करना आवश्यक है। उन्हें यह समझाना होगा कि पक्षी केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे जीवन के साथी हैं। यदि बचपन से ही यह भावना विकसित होगी, तो भविष्य में एक जागरूक और जिम्मेदार समाज का निर्माण संभव होगा। सरकार और सामाजिक संस्थाओं को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पक्षियों के संरक्षण के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी, शोध को बढ़ावा देना होगा और जन-जागरूकता अभियानों को व्यापक बनाना होगा। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक मंचों पर इस विषय को प्रमुखता से उठाना होगा। गौरैया हमें यह सिखाती है कि जीवन में सरलता, सामंजस्य और संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। वह बिना किसी शोर-शराबे के अपने अस्तित्व को बनाए रखने की कोशिश करती है। लेकिन जब उसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाए, तो यह हमारे लिए चेतावनी है कि हमने कहीं न कहीं प्रकृति के साथ अन्याय किया है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी सोच को बदलें। हम यह समझें कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। यह सभी जीवों की साझी धरोहर है। यदि हम इसे केवल अपने स्वार्थ के लिए उपयोग करेंगे, तो एक दिन ऐसा आएगा जब हमारे पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा।

विश्व गौरैया दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और यह सोचें कि हम प्रकृति के प्रति कितने जिम्मेदार हैं। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संकल्प का दिन होना चाहिए-एक ऐसा संकल्प, जिसमें हर व्यक्ति यह निश्चय करे कि वह अपने स्तर पर प्रकृति और जीवों की रक्षा के लिए प्रयास करेगा। यदि हर घर एक छोटा-सा आश्रय बन जाए, हर आंगन में दाना-पानी की व्यवस्था हो जाए और हर मन में संवेदनशीलता जाग जाए, तो गौरैया फिर से लौट सकती है। उसकी चहचहाहट फिर से हमारे जीवन में खुशियां भर सकती है। अंततः, गौरैया को बचाना हमारे अपने अस्तित्व को बचाना है। यह एक छोटा-सा कदम है, लेकिन इसके पीछे छिपा संदेश बहुत बड़ा है-प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर ही मानव जीवन सुरक्षित और सुखद हो सकता है। अब समय आ गया है कि हम जागें, समझें और अपने कर्तव्य का निर्वहन करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी गौरैया की मधुर चहचहाहट को सुन सकें और प्रकृति की इस अनमोल धरोहर को सहेज सकें।

रमजान की रात में गूंजती मौत की चीखें काबुल का अस्पताल बना कब्रिस्तान और इंसानियत हुई शर्मसार

कांतिलाल मांडोत

काबुल की उस रात को शायद ही कोई भूल पाएगा जब आसमान से बरसती आग ने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया। रमजान का पवित्र महीना चल रहा था जब लोग इबादत और सब्र के साथ अपने दिन गुजार रहे थे। उसी समय अचानक लड़ाकू विमानों की गूंज ने पूरे शहर को दहशत में डाल दिया। कुछ ही पलों में जोरदार धमाकों ने एक बड़े नशा मुक्ति अस्पताल को मलबे में बदल दिया। जहां जिंदगी को बचाने की कोशिशें होती थीं वहीं अब मौत का सन्नाटा पसरा हुआ था। यह घटना केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि मानवता के खिलाफ एक गहरी चोट बनकर सामने आई है।

बताया जा रहा है कि इस हमले में सैकड़ों बेगुनाह लोगों की जान चली गई और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। अस्पताल में उस समय हजारों मरीज मौजूद थे जो अपने जीवन को सुधारने की उम्मीद लेकर वहां आए थे। लेकिन किसे पता था कि वही जगह उनकी आखिरी मंजिल बन जाएगी। घायल लोगों की चीखें मलबे में दबे लोगों की मदद की पुकार और चारों तरफ फैली तबाही ने इस घटना को और भी भयावह बना दिया। यह दृश्य किसी युद्ध क्षेत्र से कम नहीं था।

तालिबान सरकार ने इस हमले को नरसंहार करार दिया है और कहा है कि यह सीधा हमला अफगानिस्तान की संप्रभुता पर है। उनके अनुसार यह हमला किसी भी मानवीय सिद्धांत के खिलाफ है और इसका जवाब दिया जाएगा। तालिबान के प्रवक्ता ने साफ शब्दों में कहा कि अब बातचीत और कूटनीति का समय खत्म हो चुका है। यह बयान इस बात की ओर इशारा करता है कि आने वाले समय में क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है। जब संवाद के रास्ते बंद हो जाते हैं तब संघर्ष और भी गहरा हो जाता है।

दूसरी ओर पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनका निशाना केवल आतंकवादी ठिकाने थे। उनका दावा है कि उन्होंने उन स्थानों पर हमला किया जहां से उनके खिलाफ गतिविधियां संचालित हो रही थीं। लेकिन सवाल यह उठता है कि यदि ऐसा था तो फिर एक अस्पताल कैसे निशाने पर आ गया। क्या यह खुफिया जानकारी की विफलता थी या फिर एक गंभीर लापरवाही। इन सवालों का जवाब अभी तक साफ नहीं है।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा पीड़ा उन परिवारों को झेलनी पड़ रही है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोग अपने घर के कमाने वाले सदस्य को खो चुके हैं तो कई बच्चों के सिर से माता पिता का साया उठ गया है। मलबे में बिखरी दवाइयां टूटे हुए बिस्तर और जले हुए कपड़े इस बात के गवाह हैं कि यहां कभी जिंदगी बचाने की कोशिशें होती थीं। अब वही जगह मौत की कहानी सुना रही है।

भारत ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की है और इसे कायरतापूर्ण बताया है। भारत का कहना है कि निहत्थे नागरिकों पर हमला किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी इस मामले में कार्रवाई की मांग की गई है। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस घटना पर चिंता जताते हुए जांच की बात कही है। यह स्पष्ट है कि यह घटना केवल दो देशों के बीच का मामला नहीं रही बल्कि अब वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों में भी कुछ नियम और मर्यादाएं होती थीं। अस्पतालों को हमेशा सुरक्षित स्थान माना जाता था।

वहां घायल सैनिकों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता था और उन्हें किसी भी हमले से बचाया जाता था। लेकिन आज के समय में यह मर्यादाएं टूटती नजर आ रही हैं। जब अस्पताल जैसे स्थान भी सुरक्षित नहीं रह जाते तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर युद्ध और आतंक के बीच की रेखा कहां रह गई है।

इस घटना ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या हम तकनीकी और सैन्य ताकत के घमंड में मानवता को भूलते जा रहे हैं। जब निर्दोष लोगों की जान जाती है तब कोई भी जीत असली जीत नहीं होती। यह केवल हार होती है इंसानियत की और नैतिक मूल्यों की। दुनिया को यह समझना होगा कि हिंसा का जवाब हिंसा नहीं हो सकता।

तालिबान द्वारा बदले की बात कहना भी चिंता का विषय है। यदि बदले की भावना हावी होती है तो यह संघर्ष और भी भयानक रूप ले सकता है। इसका असर केवल अफगानिस्तान और पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता पर पड़ेगा। इसलिए जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय आगे आए और इस मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान खोजने में मदद करे।

इस हमले ने उन सभी लोगों के दिलों को झकझोर दिया है जो मानवता में विश्वास रखते हैं। एक अस्पताल का कब्रिस्तान में बदल जाना केवल एक घटना नहीं बल्कि एक चेतावनी है। यह चेतावनी है कि यदि हम समय रहते नहीं संभले तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

अंत में यही कहा जा सकता है कि युद्ध कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता। यह केवल विनाश और पीड़ा लाता है। काबुल की यह त्रासदी हमें यह याद दिलाती है कि शांति ही एकमात्र रास्ता है जो मानवता को बचा सकता है। जरूरत है समझदारी की संवेदनशीलता की और उन मूल्यों को फिर से जीवित करने की जो हमें इंसान बनाते हैं।

सोचनीयः अब क्यों नहीं आतीं घरों में गौरैया

ऋतुपर्ण दवे

भला किसने गौरैया को अपने आंगन, घर, खिड़की पर चहचहाते नहीं देखा होगा? अभी इसका जवाब हाँ है, लेकिन जिस तरह के हालात बन रहे हैं उसमें आने वाली पीढ़ी के लिए इसका जवाब न भी हो सकता है। साथ ही हममें से लगभग पुराने दौर के सभी लोगों ने 1974 में निर्मित एक प्रसिद्ध एनिमेटेड लघु फिल्म जो एक अनेक और एकता का हिस्सा है, जिसे विजया मुले और भीमसेन खुराना ने निर्देशित किया था देखी होगी। यह दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाली एकता का संदेश देने वाली एक लोकप्रिय क्लासिक फिल्म रही। बाद में कई वर्षों तक लोगों ने यह गीत भी सुना "एक चिड़िया, अनेक चिड़िया, दाना चुगने आईं चिड़िया" जिसे पंडित विनय चंद्र मौद्गल्य द्वारा लिखा गया। समझें कि गौरैया हमारे लिए कितनी खास थी और आज भी। लेकिन, आज उसके जीवन पर ही संकट आन पड़ा है।

याद कीजिए आज से 15-20 साल पहले हर घर की खिड़की के कांच पर चोंच मारती या दीवारों की दरारों के बीच शोर मचाती और कुछ नहीं तो रोशनदान में तिनके-तिनके जोड़कर घोंसले बनाती गौरैया जिसे आमभाषा में हम चिड़िया कहते हैं घासफूंस इकट्ठा कर घोसले बनाती दिख जाती थी। कुछ ही हफ्तों में उन घोसलों से मधुर सी चीं-चीं की आवाज कर अबोध बच्चे झांकते थे जैसे ही चिड़िया आती और अपने चोंच में इकट्ठा दाना बांट-बांट कर उन्हें खिलाती, कितना आनन्द की सुखद अनुभूति होती थी! आज यह सब लगभग न के बराबर हैं। गांव, शहर और घरों से गौरैया नदारत सी है। थोड़ी बहुत कहीं दिख जाती है तो दूर जंगलों में या सफर के दौरान बियावानो में। आखिर गौरैया ने हमसे क्यों मुंह मोड़ा? कभी जानने, समझने की हमने ईमानदार कोशिश की? शायद नहीं।

शुरू में तो इस पर ध्यान ही नहीं दिया कि इन्हें भी हिफाजत, स्वस्थ्य अनुकूल पारिस्थितिक तंत्र की जरूरत है। इन्हें भी रोजमर्रा की बदलती जैव विविधता प्रभावित करती है। इनके भी स्वास्थ्य की देखभाल और परेशानियों को समझने की जरूरत है। थोड़ा पहले जाना होगा जब भारत में नया-नया मोबाइल दस्तक दे रहा था। जैसे ही गाँव-गाँव, मोहल्ले-मोहल्ले टॉवर लगने लगे तो एक सच एकाएक सामने आने लगा कि टॉवरों के आसपास गौरैया सुबह-सुबह क्यों मरी मिलती हैं? शुरू में तो लोगों को कुछ समझ नहीं आया। लेकिन बाद में पता चला कि मोबाइल से निकलने वाला रेडिएशन इनके स्वास्थ्य और मस्तिष्क की तरंगों को बुरी तरह प्रभावित करता है जिससे मौत हो जाती है। आखिर नन्हीं सी जान जिसका कुल वजन 15 ग्राम से 32-35 ग्राम ही होता है कैसे इन तरंगों को झेल पाएंगी? बस धीरे-धीरे

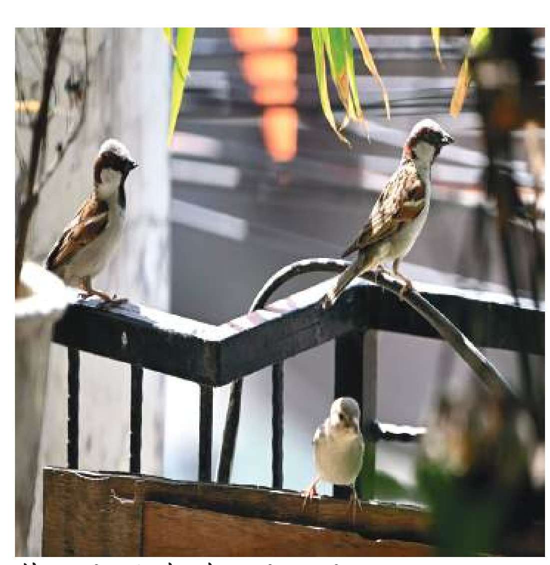

गौरैया घटने लगीं और और हम बेफिक्र रहे।

विलुप्ति की ओर पहुंचने वाली गौरैया के संरक्षण के उद्देश्य से हर साल 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाने की शुरुआत 2010 में नेचर फॉरएवर सोसायटी संस्था यानी एनएफएस ने की। कृत्रिम घोंसलों छतों पर दाना-पानी रखने की शुरुआत को प्रोत्साहन दिया ताकि गौरैया वापस छतों पर आने लगें। लेकिन यह सच्चाई है कि 60 से 80 प्रतिशत आबादी घट ही गई। ऐसे में इस दिन को मनाकर गौरैया की चहचहाट को वापस लाने की पुरजोर कोशिश की सार्थक पहल की जा रही है। नेचर यानी एनएफएस (भारत) और इको-सिस एक्शन फाउण्डेशन (फ्रांस) के सहयोग से 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाने लगा। इसकी शुरुआत नासिक के रहने वाले मोहम्मद दिलावर ने की। तभी से हर साल नए थीम के साथ इसे मनाने की परिपाटी शुरू हुई। मो. दिलावर के इस काम की हर कहीं प्रशंसा हुई। टाइम मैगजीन ने 2008 में ही इन्हें हीरोज ऑफ इन्वायरमेण्ट के तौर पर लिखा। 20 मार्च 2011 को पर्यावरण और गौरैया संरक्षण के कार्य में मदद करने वालों को सम्मानित करने के लिए एनएफएस द्वारा गुजरात के अहमदाबाद में गौरैया पुरुस्कार की शुरुआत भी हुई। उद्देश्य ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करना था जो गौरैया और पर्यावरण में अपना सहयोग दे रहे हैं।

यकीनन गौरैया धरती पर एक वो छोटी सी जान है जो सब जगह पाई जाती है। इनकी संख्या में कमीं आना बताता है कि हमने पर्यावरण को किस तरह से बिगाड़ा जिससे असर इस छोटे से प्राणी तक पर आन पड़ा। वास्तव में रेडिएशन और प्रदूषण को लेकर चिंता के बजाए हम तकनीक अपग्रेड पर केन्द्रित हो गए। कभी झुंड में भोजन की तलाश में उडने वाली ये छोटा सा पंछी अब बहुत कम दिखता है। पेट भरने के लिए छोटे-छोटे दाने और कीड़े-मकोड़े पर निर्भर चिड़िया अपने जीवनकाल में अधिकमत 3 बार अण्डे देकर बड़ी हिफाजत देखरेख करती है।

इनको बचाने और संरक्षण के लिए छतों पर इनकी पसंद के दाने जैसे काकून, बाजरा, मक्का, गेहूं, चावल और पानी रखना चाहिए। कृत्रिम घोंसले टांगकर आकर्षित करना चाहिए। बड़ी संख्या में पेड़-पौधे लगें तो भी आएंगी। हरे-भरे पेड़-पौधों में रेडिएशन कहते हैं कम होता है। फिल्म रोबोट 2.0 हमारी आँखें खोलती है। इनकी संख्या घटने के अन्यान्य कारणों में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, पुराने घरों का टूटना, हरे-भरे क्षेत्रों में कंक्रीट के जंगल, सड़कों और कांच के टावरों से गौरैया के घोंसले बनाने और भोजन प्राप्त करने के अवसर कम होते जा रहे हैं। इसके अलावा भोजन स्रोतों में कमीं सीसा रहित पेट्रोल से निकले जहरीले यौगिक उन कीटों की संख्या घटा रहे हैं जो गौरैया का भोजन हुआ करता था। आधुनिक खेती में रासायनिक कीटनाशकों के कारण कीड़ों की आबादी घट गई। अनेकों शोध ने साबित किया कि मोबाइल टावर और विकिरण, वाई-फाई और टावरों से निकलने वाले रेडिएशन गौरैया के प्रजनन, स्वास्थ्य प्रभावित करती है। विद्युत चुंबकीय तरंगें भी नेविगेशन और भोजन खोजने की क्षमता प्रभावित करती है। इससे भी इनकी आबादी घटी है।

एक बात और समझ आई कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और असंतुलित तापमान भी इनके जीवन को कठिन कर रही है। वायु प्रदूषण से सांस में बाधा तो कानफोड़ू ध्वनि प्रदूषण से साथी खोजने में जटिलता होती है। भारत में गौरैया महज पक्षी नहीं वो हमारे साझा इतिहास और संस्कृति का प्रतीक भी हैं। हिंदी में गोरैया , तमिल में कुरुवी और उर्दू में चिर्या जैसे विभिन्न नामों से जाने जानी वाली गौरैया पीढ़ियों से दैनिक जीवन का हिस्सा रही। गांवों में अपने मधुर गीतों से वातावरण को ऊर्जा और खुशी भरने वाले कई पलों को इनकी चहचहाट ने यादगार बनाया है। इन चुनौतियों के बीच, गौरैयों के संरक्षण और उन्हें बढ़ाना, बचाना हमारे जीवन का हिस्सा होना चाहिए। कम से कम एक कृत्रिम घोसला, दाना-पानी का तो इंतजाम कर ही सकते हैं। इसमें सभी को तन्मयता से जुटना पड़ेगा वरना एक थी चिड़िया, अनेक थी चिड़िया, विकास के हत्थे चढ़ गई चिड़िया कहना पड़ेगा।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, दोइज, शुक्रवार, रेवती नक्षत्रे, व्रज योगे, वालव करणे, मीन की चंद्रमा, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम लाभकारी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चंचल, दार्शनिक, सुन्दर, सुशील, माता-पिता का भक्त, कम्प्यूटर इंजीनियर, शिक्षक-प्रोफेसर, प्रिंसपाल, बैंक कर्मचारी, लिपिक, क्लर्क, अकाउंटेन्ट, लेखापाल, खिलाड़ी होगा।

मेष राशि :- कुटुम्ब की समस्या में समय बीते तथा धन व्यर्थ व्यय होगा, सामाजिक लाभ मिले।

वृष राशि :- मानसिक बेचैनी, क्लेश व अशांति के योग बनेंगे तथ कार्य व्यवसाय से लाभ होगा।

मिथुन राशि :- वृथा भ्रमण से धन हानि, आरोप क्लेश से बचे तथा मानसिक स्थिति संदिग्ध रहेगी।

कर्क राशि :- परिश्रम से कुछ सफलता मिले, अर्थ व्यवस्था की अनुकूलता होगी, ध्यान देते रहे।

सिंह राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक होंगे, कार्यगति में सुधार बनेगा, समय का ध्यान रखकर कार्य करे।

कन्या राशि :- सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि होगी, धन का लाभ अवश्य ही होगा, ध्यान दें।

तुला राशि :- अधिकारी वर्ग से विशेष समर्थन फलप्रद रहेगा तथा व्यय भार बढ़ जायेगा।

वृश्चिक राशि :- धन लाभ, कार्य कुशलता से संतोष पराक्रम एवं समृद्धि के योग अवश्य बनेंगे।

धनु राशि :-व्यवसायिक गति उत्तम, मित्रों से सहयोग मिलेगा, रुके कार्य बन जायेंगे, प्रसन्नता होगी।

मकर राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक हो, दैनिक कार्यगति में सफलता अवश्य ही मिल जायेगी।

कुंभ राशि :- कार्य व्यवसाय में अधिक धन का व्यय होगा, व्यय संभलकर करेंगे।

मीन राशि :- समृद्धि के साधन जुटाए, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, कार्य व्यवसाय का ध्यान रखे।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों से ऑफर मिलने पर जाने ये सभी नियम

बहुराष्ट्रीय कंपनियों की नौकरी काफी अच्छी मानी जाती है। अच्छी सैलरी के साथ कई तरह की सुख-सुविधाएं भी मिलती हैं हालांकि उससे बेहतर ऑफर मिल जाने पर लोग वहां की नौकरी भी छोड़ देते हैं। किसी कंपनी से रिजाइन करने के बाद एंप्लॉई को नोटिस पीरियड सर्व करना होता है। नोटिस पीरियड नियम कंपनी और देश के श्रम कानूनों पर निर्भर करते हैं। ये नियम कर्मचारी और नियोक्ता, दोनों के लिए लागू हो सकते हैं। इन नियमों के बारे में करार में स्पष्ट रूप से लिखा जाता है। आमतौर पर हर कंपनी अपने नियम खुद सेट करती है पर कुछ नियम लगभग हर रजिस्टर्ड कंपनी पर लागू होते हैं. जानिए नोटिस पीरियड के कुछ ऐसे सामान्य नियम, जो सभी कंपनियों पर लागू हैं.

अवधिः

नोटिस पीरियड की अवधि आमतौर पर 15 दिन, 1 महीने, 2 महीने या 3 महीने तक हो सकती है। यह आपके पद, अनुभव और कंपनी की पॉलिसी पर निर्भर करता है.

उदाहरणः जूनियर लेवल के लिए 30 दिन, सीनियर लेवल के लिए 60 दिन.

लिखित सूचनाः

नौकरी छोड़ने की सूचना आमतौर पर लिखित रूप में (ईमेल या रिजाइनेशन लेटर) के जरिये देनी होती है। इसमें नोटिस पीरियड शुरू होने की तारीख और लास्ट वर्किंग डे की जानकारी जरूर होनी चाहिए। इससे बाद में किसी भी परेशानी से बचा जा सकता है।

काम करनाः

नोटिस पीरियड के दौरान सामान्य रूप से काम करना पड़ता है, जब तक कि कंपनी आपको पहले रिलीव न कर दे। वहीं कुछ मामलों में, कंपनी एक विकल्प दे सकती है, जहां आपको काम नहीं करना पड़ता पर आप तकनीकी रूप से अभी भी कर्मचारी रहते हैं.

सैलरीः

नोटिस पीरियड के दौरान भी पूरी सैलरी मिलती है। अगर आप नोटिस पीरियड पूरा नहीं करते हैं तो कंपनी आपसे उस अवधि की सैलरी वापस मांग सकती है। इसे आमतौर पर नोटिस पीरियड बाईआउट कहा जाता है.

कानूनी बाध्यताः

भारत जैसे देशों में, श्रम कानून नोटिस पीरियड को नियंत्रित करते हैं। अगर अनुबंध में लिखा है तो उसे मानना जरूरी होता है। यह बात कर्मचारी और नियोक्ता, दोनों पर लागू होती है। इसमें सामान्य रुप से नोटिस पीरियड एक माह का होता है।

लेखन में भी है रोजगार

अगर आपको किताबें पढ़ना और अपने मन की बात को डायरी में लिखना पसंद है तो आप लेखन में भी अच्छा करियर बना सकते हैं, और खूब सारे पैसे भी कमा सकते हैं। लेख्नन में करियर बनाना चाहते हैं तो बस इन तीन बातों को अपने दिमाग में रख लें।

क्रिएटिव बने

लेखन के लिए क्रिएटिव दिमाग का होना बहुत जरूरी है। जिसे किसी भी राइटिंग कोर्स के जरिए सीखा नहीं जा सकता जिस भाषा में आप लिखना चाहते हैं उसमें पकड़ लाने के लिए आपको अखबार, नॉवल, कहानियों को लगातार पढ़ते रहना होगा तभी आप लिखने में महारत प्राप्त कर पाएंगे। एक बाद याद रखें कोई भी लेखन लिखते वक्त जितनी बढ़िया वर्तनी होगी उतना ही मजबूत आपका लेख होगा.।

सीधे तरीके से लिखे

अक्सर पाठक घुमावदार तरीके से लिखे हुए लेखन को पढ़ने से बचते हैं। उन्हें वहीं पढ़ना पसंद है जिसमें बात साफ और सीधे तरीके से लिखी गई हो। इसलिए प्वाइंट टू प्वाइंट लिखने की आदत डालें, ताकि आप कम वाक्य में ज्यादा से ज्यादा जानकारी दें सकें।

एक लेखक को सफलता तभी मिलती है जब वह ताजा मामलों पर लिखता है। ऐसा ना हो कि देश और दुनिया में कुछ और बात चल रही है और आप अपने पाठकों को कोई और बात परोस रहे हैं। दुनिया में क्या चल रहा है इसके लिए आपको सोशल मीडिया पर अपडेट रहना होगा। ताकि आप वही लिखें जो पाठक पढ़ना चाहतें हैं।

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर (मरीज से)- कमजोरी है फल खाया करो छिलके सहित।

एक घंटे बाद..

मरीज- डॉक्टर साहब मेरा पेट दर्द हो रहा है।

डॉक्टर- क्या खाया था?

मरीज- नारियल छिलके सहित।

□ □ □

डॉक्टर मरीज के पीछे भाग रहा था।

एक आदमी ने पूछा क्या हुआ?

डॉक्टर- 4 बार ऐसा ही हुआ है ये आदमी ब्रेन का ऑपरेशन करवाने आता है और बाल कटवाकर भाग जाता है।

□ □ □

डॉक्टर- ये मर चुका है..

तभी मरीज बोल पड़ा- मैं जिंदा हूं..!

मरीज की पत्नी- तुम चुप रहो जी, हमेशा अपनी चलाते हो, इतना बड़ा डॉक्टर क्या झूठ बोलेगा?

□ □ □

रामू (डॉक्टर से)- डाक्टर साहब, ये फूलों की माला किस लिए है?

डॉक्टर (रामू से)- यह मेरा पहला ऑपरेशन है सफल हुआ तो मेरे लिए नहीं तो, तुम्हारे लिए।

□ □ □

आज का इतिहास 20 मार्च

1351 मुहम्मद तुगलक शाह द्वितीय की मौत.

1602 ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन.

1616 सर वाल्टर रैले को टॉवर ऑफ लंदन से रिया.

1784 हालैंड ने नागपटनम अंग्रेजो के हवाले किया

1815 नेपोलियम बोनापार्ट पेरिस पंहुचा.

1849 बावरिया नरेश लुडविग प्रथम ने गद्दी छोड़ी.

1916 तुर्की के विभाजन के बारे में मित्र राष्ट्रों में सहमति हुई.

1952 दक्षिण अफ़्रीका के सुप्रीम कोर्ट ने नस्ली कानूनों को अवैध करार दिया.

1956 फ्रांस ने ट्यूनिशिया की स्वतंत्रता को मान्यता प्रदान की

1990 नामीबिया दक्षिण अफ्रीका से स्वतंत्र हुआ.

कंक्रीट के जंगलों में बेघर होती गौरैया संरक्षण की गुहार

दिलीप कुमार पाठक

(20 मार्च विश्व गौरैया दिवस)

सुबह की पहली किरण के साथ जब खिड़की की मुंडेर पर चूं-चूं की आवाज गूंजती थी, तो लगता था कि दिन की शुरुआत सकारात्मकता और नई ऊर्जा के साथ हुई है। वह नन्हीं सी जान, फुदकती हुई गौरैया, बरसों से हमारे भारतीय घरों का अटूट हिस्सा रही है। कभी रसोई के पुराने रोशनदान में तिनके फँसाती, तो कभी आंगन में बेखौफ घूमती यह चिड़िया हमारे परिवार की एक सदस्य जैसी थी। वह अनाज के दानों पर अपना हक जताती और बच्चों के साथ लुका-छिपी खेलती थी। लेकिन आज, वक्त के साथ वह चिर-परिचित चहचहाहट कहीं आधुनिकता के शोर में खो गई है। गौरैया अब हमारे आंगन की जीवंत सदस्य नहीं, बल्कि केवल यादों और कहानियों का हिस्सा बनती जा रही है। हर साल 20 मार्च को पूरी दुनिया विश्व गौरैया दिवस मनाकर औपचारिकता तो पूरी करती है, लेकिन क्या हम वाकई इस नन्हीं चिड़िया के वजूद को बचाने के लिए गंभीर हैं?

आज के दौर में हमने विकास की अंधी दौड़ में कंक्रीट के ऊँचे जंगल तो खड़े कर लिए, मगर उन मासूम परिंदों के लिए बने-बनाये कुदरती आशियाने बेरहमी से छीन लिए हैं। पुराने वक्त के घरों में मिट्टी की दीवारें, खपरैल की छतें और लकड़ी के झरोखे होते थे, जहाँ यह छोटी सी गौरैया बड़ी आसानी से अपना सुरक्षित घोंसला बना लिया करती थी। आज के आधुनिक फ्लैट्स, बंद शीशों वाली इमारतों और मॉल की चकाचौंध में इनके लिए कोई जगह नहीं बची है। न तो वहां बैठने के लिए कोई कोना बचा है और न ही तिनका फँसाने की कोई गुंजाइश। हमने अपनी भौतिक सुख-सुविधा के लिए प्रकृति के उन नन्हे इंजीनियरों को बेघर कर दिया, जो सदियों से हमारे पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में मदद करते थे। गौरैया का गायब होना केवल एक पक्षी का जाना नहीं, बल्कि हमारी सहज जीवन संस्कृति का अंत है। सिर्फ रहने की जगह ही नहीं, गौरैया के सामने अब पेट भरने का भी बड़ा संकट खड़ा हो गया है। पहले के समय में घर की महिलाएं आंगन में बैठकर अनाज साफ किया करती थीं, जिससे गिरने वाले छोटे दानों से गौरैया का परिवार अपना पेट आसानी से भर लेता था। अब डिब्बाबंद अनाज और सुपरमार्केट की पॉलिथीन संस्कृति ने उसे दाने-दाने के लिए मोहताज कर दिया है। खेती में मुनाफे के लिए इस्तेमाल होने वाले जहरीले कीटनाशकों ने भी इस पर बड़ा कहर ढाया है। इन रसायनों ने उन छोटे कीटों को खत्म कर दिया है, जो गौरैया के चूजों का मुख्य आहार होते थे। जब नन्हे बच्चों को प्रोटीन युक्त भोजन नहीं मिलता, तो उनकी नस्ल आगे नहीं बढ़ पाती। इसके साथ ही, मोबाइल टावरों से निकलने वाली अदृश्य तरंगों और बढ़ते ध्वनि प्रदूषण ने भी इनकी संख्या को भारी चोट पहुँचाई है।

गौरैया का कम होना हमारे पर्यावरण के बीमार होने का सबसे बड़ा प्राथमिक संकेत है। यह पक्षी पर्यावरण का सूचक है; अगर यह नहीं बची, तो समझ लीजिए कि हमारा वातावरण अब सांस लेने लायक भी नहीं रहा है। यह गौरैया ही थी जो फसलों के हानिकारक कीटों को खाकर किसानों की प्राकृतिक मित्र बनी रहती थी। हमने अपने बच्चों को रोबोटिक खिलौने तो दे दिए, पर उन्हें जीव-जंतुओं से प्रेम करना नहीं सिखाया। गौरैया से हमारा रिश्ता केवल जैविक नहीं, बल्कि भावनात्मक और रूहानी रहा है। कई लोकगीतों और दादी-नानी की कहानियों में गौरैया को घर की बेटी का दर्जा दिया गया है। हमने बचपन में देखा है कि हमारी दादी, माँ गौरैया के लिए स्पेशल तौर पर पकवान बनाकर रख देती थीं, पूरे दिन गौरैया खुद एवं अपने बच्चों, मित्र टोली को लेकर आँगन में फुदकती रहतीं, गौरैया हमारी माँ - दादी की दोस्त होती थी, उस सादगी भरे रिश्ते को हमने आधुनिकता की अंधी दौड़ में कहीं पीछे छोड़ दिया है, जो बेहद चिंताजनक है।

अच्छी बात यह है कि सुधार की उम्मीद अभी भी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है। गौरैया को वापस अपने घरों में बुलाना कोई बहुत मुश्किल या खर्चीला काम नहीं है, बस थोड़ी सी संवेदनशीलता की जरूरत है। हम अपनी बालकनी या छतों पर लकड़ी के छोटे कृत्रिम घोंसले लटका सकते हैं, जो उन्हें कंक्रीट के बीच सुरक्षित आशियाना देंगे। मिट्टी के सकोरों में साफ पानी और थोड़ा सा अनाज रखना उनकी जान बचा सकता है। कोशिश करें कि घरों के आसपास देसी और झाड़ीनुमा पेड़ लगाएं, जहाँ वे छिप सकें। यह प्रयास केवल सरकारों के भरोसे नहीं, बल्कि एक जन-आंदोलन बनना चाहिए। इस 20 मार्च को आइए संकल्प लें कि हम अपने बेजान घरों में प्रकृति की इस चहक के लिए फिर से जगह बनाएंगे। याद रखिए, जिस घर के आंगन में चिड़िया नहीं चहकती, उस घर की रौनक हमेशा अधूरी ही रहती है।

दैनिक पंचांग

20 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

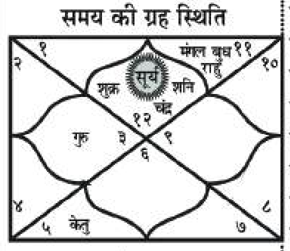

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.49 बजे से
चंद्र	मीन में	मेष	07.23 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.03 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.01 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.15 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.31 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	17.43 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	19.53 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.08 ब.से
		धनु	00.24 बजे से
		मकर	02.29 बजे से
		कुंभ	04.16 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 79 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 02.31 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 02.28 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ब्रह्म 22.15 बजे को समाप्त। **करण** बालव 15.44 बजे तदनन्तर कौलव 02.31 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 00° 15' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872654 **जूलियन दिन** 2461119.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 30 **विशेष** सिंधारा दोज, चंद्रदर्शन, झूलेलाल जयंती।

दिन का चौघड़िया					रात का चौघड़िया				
चर	05.55	से	07.23	बजे तक	रोग	05.38	से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51	बजे तक	काल	07.11	से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15	बजे तक
काल	10.19	से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19	बजे तक
रोग	01.15	से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10	बजे तक	चर	02.51	से	04.23	बजे तक
चर	04.10	से	05.38	बजे तक	रोग	04.23	से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

क्लाउड कंप्यूटिंग में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ी

सूचना तकनीक के इस दौर में क्लाउड कंप्यूटिंग में कुशल पेशेवरों की सबसे ज्यादा जरूरत स्टार्टअप से लेकर बड़े व्यवसायों तक को होती है। यह पेशेवरों क्लाउड कंप्यूटिंग सिस्टम और सेवाओं को डिजाइन करने और अच्छे से प्रबंधित करना आता है। क्लाउड कंप्यूटिंग में कुशल पेशेवरों की सबसे ज्यादा जरूरत स्टार्टअप से लेकर बड़े व्यवसायों तक को होती है। यह पेशेवरों क्लाउड कंप्यूटिंग सिस्टम और सेवाओं को डिजाइन करने और अच्छे से प्रबंधित करना आता है। यही वजह है कि इन पेशेवरों की मांग बढ़ती जा रही है। ऐसे में अगर आप भी क्लाउड कंप्यूटिंग में बेहतर करियर बना सकते हैं। इसमें कौशल बढ़ाने के लिए आप पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न क्लाउड आधारित कोर्स कर सकते हैं। इन कोर्स को करने से आपको जेमिनी, जेनरेटिव एआई को समझने और स्ट्रीमलिट के साथ एप्लीकेशन बनाने का मौका मिलेगा।

क्या है क्लाउड कंप्यूटिंग

डेटा और प्रोग्रामिंग को दूरस्थ रूप से संग्रहीत और एक्सेस करने का एक तरीका है जो आपके कंप्यूटर की हार्ड ड्राइव पर जानकारी होस्ट करने के बजाय इंटरनेट का उपयोग करता है। संक्षेप में, क्लाउड कंप्यूटिंग को डेवलपर्स और गैर-डेवलपर्स दोनों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसका अंतिम लक्ष्य क्लाउड और ऑन-प्रिमाइसेस डेटा को कनेक्ट और साझा करना है। क्लाउड कंप्यूटिंग को मूल रूप से एक डिलीवरी पद्धति के रूप में सोचें। एस प्रकार से यह डेटा स्टोरेज भी है।

इंट्रोडक्शन टू लार्ज लैंग्वेज मॉडल : शुरूआती स्तर पर यह माइक्रो-लर्निंग कोर्स आपको लार्ज लैंग्वेज मॉडल की छोटी-छोटी बारीकियों के बारे में बताएगा। इस कोर्स में एलएलएम के उपयोग और इसके प्रदर्शन को अच्छा बनाने के लिए आपको प्रॉम्प्ट ट्यूनिंग का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। इस कोर्स में ऐसे गूगल टूल्स भी शामिल किए गए हैं। जिनकी मदद से आप खुद का जेनरेटिव एप बना सकेंगे।

प्रॉम्प्ट डिजाइन इन वर्टेक्स एआई : प्रॉम्प्ट डिजाइन इन वर्टेक्स एआई कोर्स में जेनरेटिव एआई आउटपुट कंट्रोल करने, प्रॉम्प्ट तैयार करने और वास्तविक दुनिया के मार्केटिंग परिदृश्यों में जेमिनी मॉडल लागू करने के विभिन्न तरीकों के बारे में सिखाया जाता है।

जेन एआई एप विथ जेमिनी और स्ट्रीमलिट : जेन एआई एप विथ जेमिनी और स्ट्रीमलिट आपको पायथन एसडीके, टेक्स्ट जेनरेशन और जेमिनी एपीआई के साथ कार्यात्मक निर्णय लेने और क्लाउड रन के साथ स्ट्रीमलिट एप्लिकेशन बनाने का तरीका सीखाएगा।

इमेज जेनरेशन : पिछले कुछ सालों में अनुसंधान और उद्योग और दोनों ही क्षेत्रों में डिफ्यूजन मॉडल कॉफी लोकप्रिया हो रहा है। इस कोर्स के जरिए आपको डिफ्यूजन मॉडल के सिद्धांतों को वर्टेक्स एआई के साथ जोड़कर सीखने से कौशल निखरेंगे।

मशीन लर्निंग सॉल्यूशंस ऑन वर्टेक्स : इसमें आपको मशीन लर्निंग के समाधान के बारे में सीखने का अवसर मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

मंदसौर में लहसुन की बंपर आवक, 14 दिनों में 1 लाख क्विंटल से ज्यादा की नीलामी

मंदसौर,(ईएमएस)। मध्य प्रदेश के मंदसौर की कृषि उपज मंडी में इन दिनों लहसुन की बंपर आवक दर्ज की जा रही है। महज 14 दिनों में 1 लाख 10 हजार क्विंटल से अधिक लहसुन की रिकॉर्ड नीलामी हो चुकी है, जो किसानों और व्यापारियों के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।
मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मंडी में प्रतिदिन औसतन 7 से 8 हजार क्विंटल लहसुन आ रही है, जबकि पिपलियामंडी और दलौदा मंडियों में भी भारी आवक बनी हुई है। कुल आवक में करीब 70 प्रतिशत ऊटी और 30 प्रतिशत देसी लहसुन शामिल है। बढ़ती आवक के कारण मंडी परिसर में जाम की स्थिति बन रही है, लेकिन इसके बावजूद किसानों को अच्छे दाम मिल रहे हैं। उच्च गुणवत्ता वाली लहसुन की कीमत 9,200 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई। इससे किसानों में उत्साह देखा जा रहा है।

मिडिल ईस्ट तनाव से तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार

मुंबई (ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिला दिया है। ईरान ने रास लफान इंडस्ट्रीज सिटी कतर पर मिसाइल हमला किया, जबकि इजराइल ने साउथ पेअर गैस फील्ड ईरान को निशाना बनाया। ये क्षेत्र दुनिया के प्रमुख एलएनजी और गैस उत्पादन केंद्र हैं। इन हमलों से स्ट्रेअ आफ होर्मुज में सप्लाई बाधित होने का खतरा बढ़ गया है, जिससे तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर पार कर 111 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है। एशिया में फिजिकल ऑयल की कीमत 130–170 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच चुकी है, जबकि रिफाइंड प्रोडक्ट्स जैसे जेट फ्यूल 220 डॉलर प्रति बैरल से अधिक बिक रहे हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव से भारतीय उद्योगों पर दबाव

मुंबई (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारत की कंपनियों पर साफ दिखाई दे रहा है। पिछले छह महीनों में लगभग 800 भारतीय एसएमइस ने यूएई में करीब 12,000 करोड़ रुपए (1.3 अरब डॉलर)* का निवेश किया, लेकिन यूएस-इरान तनाव के कारण रिटेल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र की अस्थिरता से एमएसएमई कंपनियों के लिए जोखिम बढ़ गया है। आपूर्ति बाधित होने और लॉजिस्टिक खर्च बढ़ने से उत्पादन प्रभावित हुआ है। देश में लगभग 50 फीसदी इकाइयों ने उत्पादन बंद कर दिया। पीपी, एचडीपीई, पीवीसी, पेट रेजिन जैसी पेट्रोकेमिकल्स की कीमतों में 78 फीसदी तक की वृद्धि हुई। उत्पादन क्षमता भी घटकर 100 टन प्रति माह से 20 टन तक सीमित हो गई है। ड्राई फ्रूट की आपूर्ति में बाधा के कारण बादाम, अंजीर, पाइन नट्स और खजूर की कीमतें 20–50 फीसदी बढ़ी हैं। पेट्रोकेमिकल्स से जुड़े कच्चे माल (नैफ्था, स्टाइरीन, पॉलीइथिलीन) की कमी के कारण फार्मा उद्योग पर भी असर पड़ा है। कई दवाओं के एक्टिव कंपोनेंट इन कच्चे माल पर निर्भर हैं, जिससे भारत और चाइना जैसे फार्मा हब भी प्रभावित हो सकते हैं।

बासमती चावल निर्यातक अमीर चंद का आईपीओ 24 मार्च को खुलेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। हरियाणा स्थित बासमती चावल निर्यातक अमीर चंद जगदीश कुमार (एक्सपोर्ट्स) लिमिटेड ने अपने आगामी प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए शेयर मूल्य दायरा 201 से 212 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस मूल्य सीमा के आधार पर कंपनी का कुल मूल्यांकन लगभग 2,200 करोड़ रुपए आंका गया है। आईपीओ पूरी तरह से नए निर्गम पर आधारित है और इसमें कोई ऑफ़र फॉर सेल शामिल नहीं है। कंपनी ने घोषणा की है कि इसका आईपीओ 24 मार्च को खुलेगा और 27 मार्च को बंद होगा। निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 23 मार्च को आयोजित की जाएगी। इस निर्गम से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से कार्यशील पूंजी की जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। अमीर चंद जगदीश कुमार (एक्सपोर्ट्स) लिमिटेड भारत में बासमती चावल का प्रसंस्करण और निर्यात करने वाली प्रमुख कंपनी है। अपने उत्पादों का विपणन कंपनी मुख्य रूप से 'एरोप्लेन' ब्रांड के तहत करती है। यह ब्रांड निर्यात बाजार में काफी पहचान रखता है और इसके उत्पाद कई देशों में उपलब्ध हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने अक्टूबर 2025 में इस आईपीओ को मंजूरी दी थी। कंपनी के शेयर 2 अप्रैल 2026 को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो सकते हैं। निवेशकों के लिए यह अवसर कंपनी के दीर्घकालिक विकास और निर्यात विस्तार में भागीदारी का एक तरीका प्रदान करता है।

एशियाई विकास बैंक पाकिस्तान को 10 अरब डॉलर का वित्तीय समर्थन देगा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। मनीला स्थित एशियाई विकास बैंक (एडीबी) अगले पांच वर्षों में पाकिस्तान को लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर का वित्तीय समर्थन देने की योजना बना रहा है। यह सहायता 2026-30 देश साझेदारी रणनीति (सीपीएस 2026-30) का हिस्सा है, जिसे हाल ही में लॉन्च किया गया। नई सीपीएस का लक्ष्य पाकिस्तान में निजी क्षेत्र-नेतृत्व वाले विकास के माध्यम से टिकाऊ और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देना है। यह तीन प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित होगी- 1. निजी क्षेत्र का सशक्तिकरण– आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा। 2. समावेशन और सशक्तिकरण– गरीब और कमजोर वर्गों के लिए अवसर। 3. लचीलापन और स्थिरता– सामाजिक और आर्थिक प्रणालियों की मजबूती। रणनीति सुशासन, लैंगिक समानता, डिजिटल परिवर्तन और क्षेत्रीय सहयोग जैसे समग्र पहलुओं से मजबूत होगी। एडीबी की पाकिस्तान कंट्री डायरेक्टर ने कहा कि यह योजना संरचनात्मक चुनौतियों को हल करने और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गई है। पाकिस्तान का युवा कार्यबल और प्राकृतिक संसाधन निजी क्षेत्र आधारित वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं, जिससे निर्यात, निवेश और आर्थिक विस्तार में मजबूती आएगी।

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील भारत में शुरू करेगी नई इस्पात परियोजना

अमरावती (ईएमएस)। आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया आंध्र प्रदेश में अपने प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र का काम अगले सप्ताह से शुरू करेगी। यह आर्सेलरमित्तल और निप्पॉन स्टील का संयुक्त उद्यम है। पहले चरण में कंपनी लगभग 70,000 करोड़ रुपए का निवेश कर विशाखापत्तनम के पास 82 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता वाला संयंत्र स्थापित करेगी। आंध्र प्रदेश सरकार ने इस परियोजना के लिए लगभग 2,200 एकड़ भूमि आवंटित की है और त्वरित मंजूरी एवं अवसंरचना सहायता प्रदान की है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अनुसार यह परियोजना राज्य और उद्योग के बीच मजबूत समन्वय को दर्शाती है। इससे भारत के पूर्वी और दक्षिणी बाजारों तक बेहतर सेवा देने में मदद मिलेगी। इस संयंत्र से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा, रोजगार सृजन और भारत की इस्पात आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

भारत के एविएशन सेक्टर पर दबाव इंडिगो और स्पाइसजेट के शेयर लुढ़के

नई दिल्ली (ईएमएस)। साल 2026 की शुरुआत से इंडिगो (इंटरग्लोब एविएशन) का शेयर 15.2 फीसदी गिरा, जबकि स्पाइसजेट 55.14 फीसदी टूट गया। इसी दौरान सेंसेक्स में 10.7 फीसदी की गिरावट आई। विशेषज्ञों का कहना है कि अभी गिरावट रुकने के संकेत नहीं हैं। पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण कई उड़ानें रद्द या मार्ग बदलनी पड़ीं। इससे उड़ानों का समय और खर्च बढ़ा। साथ ही, एटीएफ की कीमतें 85 फीसदी तक बढ़ चुकी हैं, जो एयरलाइंस के कुल खर्च का 30–35 फीसदी हिस्सा हैं। कंपनियों ने अतिरिक्त ईंधन शुल्क लगाया, लेकिन लागत पूरी तरह कवर नहीं हो रही। डीजीसीए ने एयरलाइंस को 60 फीसदी सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क देने का आदेश दिया।

शेयर बाजार में हाहाकार , सेंसेक्स 2496 अंक टूटा, निफ्टी में भी 775 अंकों की गिरावट

एक ही दिन में निवेशकों के 12 लाख करोड़ डूबे

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट रही। इससे लगातार तीन करोबारी सत्र मे जो लाभ हुआ था उससे कई गुना अधिक नुकसाना हो गया । बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और इजरायल के ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र और इसकी प्रतिक्रिया में ईरान के कतर के सबसे बड़े गैस प्लांट पर हमले के बाद से ही निवेशकों में घबराहट का माहौल है। इन सभी गैस क्षेत्रों को होने वाले नुकसान से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आना तय है। इसके अलावा घरेलू बाजार में एचडीएफसी बैंक के शेयरों में आई गिरावट ने भी बाजार पर दबावा पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 2496.89 अंक टूटकर 74,207.24 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई
का निफ्टी-50 भी 775.65 फिसलकर 23,002 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार आज हर क्षेत्र में बिकवाली हावी रही। इससे बाजार की कमजोरी का अंदाज होता है। आज वाहन, संपत्ति और वित्तीय शेयर सबसे ज्यादा गिरे। व्यापक बाजार में भी भारी गिरावट आई, जहां मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक करीब 3-3 फीसदी गिरे। ।" क्रूड (कच्चे) तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से भी बाजार पर दबाव आया है। क्रूड की कीमतें 119 डॉलर के करीब पहुंच गई, जिससे नकारात्मक माहौल और गहरा गया। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार गिरा है। रुपये की कमजोरी और महंगाई व आर्थिक वृद्धि को लेकर बढ़ती चिंताओं ने भी बाजार धारणा कमजोर हुई है। "सेंसेक्स की सभी कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। सबसे ज्यादा गिरावट बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, बनज फिनसर्व, ट्रेंट लिमिटेड और एक्सिस बैंक में आई। वहीं, सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के ब्रोडर इंडेक्स में भारी गिरावट देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 3.19 फीसदीद और स्मॉलकैप 100 2.94 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

बाजार में गिरावट के ये रहे कारण

मध्य पूव बढ़ते तनाव से तेल की कीमतों में लगभग 3 फीसदी की बढ़त हुई जिससे बाजार नीचे टूटने लगा। गैस क्षेत्र पर हमले से निवेशकों में डर का माहौर है। अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान भी तेल और गैस संयंतों पर हमले कर रहा है।
ब्रेंट क्रूड के फ्यूचर्स 3.69 डॉलर या 3.44 फीसदी बढ़कर 111.07 डॉलर हो गए। जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 2.29 डॉलर या 2.38 फीसदी बढ़कर 98.61 डॉलर पर पहुंच गया। युद्ध को लेकर अनिश्चितता बढ़ने से भी निवेशक बाजार से दूर हुए है। रिफाइनरियों पर हमले के बाद ब्रेंट क्रूड अब 111 डॉलर पर पहुंच गया है। बाजार में पिछले तीन कारोबारी सत्र में बढ़त के बाद आज मुनाफा वसूली भी देखने को मिली।

पिछले तीन ट्रेडिंग

एशिया के बाजार गुरुवार की शुरुआती ट्रेडिंग में गिरावट के साथ खुले। यह वॉल स्ट्रीट में रातभर आई गिरावट को दर्शाते हैं। जापान का निक्केई 225 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी क्रमशः 2.74 फीसदी और 2.50 फीसदी नीचे कारोबार कर रहे थे। निवेशकों की नजरें बैंक ऑफ जापान के ब्याज दर निर्णय पर भी टिकी हुई है।
वहीं अमेरिकी बाजार की बात करें तो एसएंडपी 500 और डाउ जोन्स 1.36 फीसदी और 1.63 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। नैस्डैक कंपोजिट 1.46 फीसदी नीचे बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार को दो दिवसीय नीति बैठक के अंत में अपनी प्रमुख नीति दर को 3.5–3.75फीसद पर स्थिर रखा। इज़राइल और ईरान के बीच हुए हमलों से एनर्जी व्यवस्था प्रभावित हुई है। इसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उछाल आया है। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट रही। लगातार तीन कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद बाजार ने कमजोर शुरुआत की और शुरुआती घंटों में ही बड़ी गिरावट दर्ज की। सेंसेक्स 1500 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ करीब 74,750 के स्तर पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 1687 अंकों या लगभग 2.20 फीसदी की गिरावट के साथ 75,017 के आसपास कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 भी दबाव में नजर आया। निफ्टी 2 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 23,180 के स्तर पर खुला और सुबह शुरुआत के बाद यह 507 अंकों की गिरावट के साथ 23,270 के आसपास कारोबर कर रहा था।

ईरान युद्ध का असरः खाद संकट से भारतीय कृषि पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईरान से जुड़े मौजूदा तनाव का असर अब वैश्विक खाद बाजार पर साफ दिखने लगा है, जिसका सीधा प्रभाव भारतीय कृषि पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार होर्मुज में शिपमेंट बाधित होने से सल्फर, यूरिया और फॉस्फेट जैसे प्रमुख रसायनों की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे खाद की कीमतों में तेजी आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वैश्विक खाद व्यापार का 20 से 30 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में यदि स्थिति लंबी खिंचती है, तो सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। भारत के लिए चिंता इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि मार्च-अप्रैल के बीच खाद आयात का अहम समय होता है, जबकि मई से मक्का की बुवाई शुरू होती है, जो सबसे अधिक खाद पर निर्भर फसल है। विशेषज्ञों का कहना है

कि प्राकृतिक गैस की आपूर्ति घटने से नाइट्रोजन आधारित खादों के उत्पादन पर भी असर पड़ा है। वहीं खाड़ी देशों सऊदी अरब, कतर, ओमान और बहरीन से होने वाले निर्यात में गिरावट से बाजार पर अतिरिक्त दबाव बना है। यदि यह संकट एक महीने से अधिक चलता है, तो भारत में खाद के उपयोग में कमी आ सकती है, जिससे फसल उत्पादन और पैदावार प्रभावित होने का खतरा है। इसके साथ ही अल नीनो जैसी मौसमी परिस्थितियां स्थिति को और गंभीर बना सकती हैं। हालांकि भारत रूस जैसे वैकल्पिक स्रोतों से आयात बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, लेकिन लंबे समय तक सप्लाई गैप को भर पाना मुश्किल होगा। ऐसे में खाद की बढ़ती कीमतें किसानों की लागत बढ़ाएंगी और मुनाफा घटा सकती हैं। विशेषज्ञों ने जैविक विकल्पों पर जोर देते हुए कहा है कि नाइट्रोजन फिक्सिंग माइक्रोब्स और बायो-स्टिमुलेंट्स के जरिए खाद पर निर्भरता कुछ हद तक कम की जा सकती है। फिलहाल वैश्विक हालात को देखते हुए भारतीय कृषि क्षेत्र के सामने नई चुनौतियां खड़ी होती नजर आ रही हैं।

प्रूडेंशियल भारत में आईसीआईसीआई लाइफ से निकलेगा बाहर

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्रिटेन की प्रूडेंशियल पीएलसी की पूरी स्वामित्व वाली सहायक कंपनी प्रूडेंशियल कॉरपोरेशन होल्डिंग्स भारत में अपने जीवन बीमा संयुक्त उपक्रम आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस से बाहर निकलने पर विचार कर रही है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस में प्रूडेंशियल की हिस्सेदारी 21.93 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक की 50.95 फीसदी है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 85,393 करोड़ रुपए है। सूत्रों के अनुसार प्रूडेंशियल भारती एएक्सए लाइफ इंश्योरेंस में हिस्सेदारी खरीदने के विकल्प पर भी बातचीत कर रहा है। इसके लावा कुछ अन्य विदेशी बीमाकर्ता भी भारती एक्सा लाइफ में निवेश की संभावना तलाश रहे हैं। प्रूडेंशियल ने 2000 के दशक की शुरुआत में भारतीय बीमा बाजार में शुरुआती निवेश किया था और पिछले 25 वर्षों से इस क्षेत्र को बारीकी से समझता है।
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल जीवन बीमा निजी क्षेत्र में तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है, एसबीआई लाइफ और एचडीएफसी लाइफ के बाद। नए व्यवसाय प्रीमियम में वित्त वर्ष 25 में इसकी बाजार हिस्सेदारी 5.7 फीसदी थी, जो वित्त वर्ष 24 की 4.8 फीसदी से बढ़ी है। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में कंपनी ने 19,228.63 करोड़ का प्रीमियम एकत्र किया, जो पिछले साल की समान अवधि से 2.42 फीसदी अधिक है।

भारत में एलपीजी आपूर्ति संकट, मुंद्रा और कांडला में टैंकरों की निगरानी

आयात घटा और स्टॉक कम, अप्रैल में बढ़ सकती है परेशानी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में एलपीजी की आपूर्ति संकट के बीच दो बड़े टैंकरों शिवालिक और नंदा देवी की हरकतें सुर्खियों में हैं। शिवालिक ने सोमवार को मुंद्रा बंदरगाह, गुजरात पर लंगर डाला, जबकि नंदा देवी मंगलवार को कांडला बंदरगाह, गुजरात पहुंची। दोनों में लगभग 92-92 हजार टन प्रोपेन और ब्यूटेन है। यह मिलकर भी केवल देश की एक दिन की एलपीजी मांग पूरी कर सकती है। शिपिंग के आंकडों और उद्योग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि एलपीजी की आवक में तेज गिरावट चिंता बढ़ा रही है। कच्चे तेल या तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के उलट ज्यादातर एलपीजी के लिए दुनिया भर में लंबी अवधि के करार किए जाते हैं। इसलिए हाजिर बाजार के लिए बहुत कम एलपीजी बचती है। आंकड़े बता रहे हैं कि मार्च के पहले 15 दिनों में केवल 5.61 लाख बैरल रोजाना एलपीजी आई, जो फरवरी के पहले 15 दिनों के मुकाबले 36 फीसदी कम है। मार्च में जो गैस आई है, वह भी 28 फरवरी के पहले लादी गई थी, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला नहीं किया था। केप्लर और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार मार्च और अप्रैल में भारत भेजने के लिए रोजाना केवल 2.19 लाख बैरल एलपीजी लादी जा रही है, जो फरवरी के लदान से 75 फीसदी कम है। इससे देश में बमुश्किल तीन दिन की मांग पूरी हो पाएगी। इसमें भी आधी से ज्यादा एलपीजी अमेरिका से चार टैंकरों में आ रही है, जो 40-50 दिन सफर कर अप्रैल में ही यहां पहुंच पाएगी। पश्चिम एशिया से गैस आने में 7 से 14 दिन ही लगते हैं। अमेरिका से इस महीने 1.22 लाख बैरल रोजाना गैस ही लादी गई है और फिलहाल इकलौती वही गैस भारत आ रही है। मार्च की बाकी खेप में 6 टैंकर हैं, जो फारस की खाड़ी में फंसे हैं और जिनकी वजह से एलपीजी की आपूर्ति घटी है। नौवहन मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि भारत ने इन टैंकरों को महफूज रास्ता दिलाने के लिए ईरान के साथ राजनयिक प्रयास तेज कर दिए हैं।

केंद्र सरकार ने राज्यों को पीएनजी नेटवर्क विस्तार के लिए प्रोत्साहित किया

10 फीसदी अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी का प्रस्ताव

केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि यदि वे अपने क्षेत्र में पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) नेटवर्क का विस्तार करेंगे, तो उन्हें 10 फीसदी अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी आवंटित की जाएगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने इस योजना की जानकारी दी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। भारत अपनी घरेलू एलपीजी खपत का लगभग 60 फीसदी आयात करता है, जिसमें से करीब 90 फीसदी आपूर्ति पश्चिम एशिया से होती है।
सरकार ने कहा कि जो राज्य शहरी गैस वितरण समितियों की स्थापना करेंगे, लंबित और नई अनुमतियों को समय पर निपटाएंगे, उन्हें 1-2 फीसदी अतिरिक्त गैस का लाभ मिलेगा। राज्यों को निर्देश हैं कि वे लंबित आवेदनों के लिए डीम्ड अनुमतियां जारी करें, नई अनुमतियों को 24 घंटे में मंजूरी दें, सड़क नेटवर्क बिछाएं, शुल्क माफ करें और समन्वय के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करें। इन कदमों से शहरी गैस वितरण नेटवर्क का विस्तार तेज होगा। सरकार का उद्देश्य घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए पीएनजी कनेक्शन बढ़ाना और एलपीजी पर विदेशी निर्भरता कम करना है। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और देश में गैस वितरण सुधारने में मदद करेगा। इसी बीच भारत ईरान के साथ समन्वय कर होर्मुज स्ट्रेट में फंसे टैंकरों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि एलएनजी का 1 टैंकर, एलपीजी के 6 टैंकर और कच्चे तेल के 4 पोत फंसे हुए हैं। युद्ध के बाद कुछ टैंकर रूस से कच्चा तेल लेकर भारत की ओर मोड़ दिए गए हैं।

मार्च में लौटी बिजली की चमक, पावर सेक्टर में फिर बढ़ी रफ्तार

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के पावर सेक्टर में मार्च के साथ ही नई ऊर्जा लौटती दिख रही है। फरवरी में जहां बिजली की मांग कमजोर रही, वहीं मार्च में तापमान बढ़ते ही खपत तेजी से बढ़ने लगी है। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की रिपोर्ट के अनुसार, 1 से 17 मार्च के बीच बिजली की मांग में 3.4 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है और पूरे महीने में यह करीब 154 अरब यूनिट तक पहुंच सकती है। फरवरी 2026 में बिजली की मांग सिर्फ 1.5 प्रतिशत बढ़कर 133 अरब यूनिट रही, जो उम्मीद से कम थी। इसकी बड़ी वजह असामान्य बारिश रही, जिसने बिजली की खपत को प्रभावित किया। हालांकि, उस दौरान पीक डिमांड 244 गीगावॉट रही और कहीं भी बिजली की कमी नहीं देखी गई। देश में बिजली उत्पादन फरवरी में 1.3 प्रतिशत बढ़कर 143 अरब यूनिट रहा। पावर प्लांट्स के पास लगभग 59 मिलियन टन कोयला मौजूद है, जो करीब 19 दिनों की जरूरत के लिए पर्याप्त है। इससे साफ है कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए सिस्टम फिलहाल मजबूत स्थिति में है। फरवरी में जहां बिजली की कीमतें गिरकर 3.58 रुपये प्रति यूनिट पर थीं, वहीं मार्च में यह बढ़कर 4.55 रुपये प्रति यूनिट तक पहुंच गई हैं।
यह संकेत है कि बाजार में मांग तेजी से लौट रही है और शॉर्ट टर्म बिजली बाजार में गतिविधि बढ़ी है।

शेयर बाजार में निवेशकों के लिए खरीदारी का मौका, कुछ स्टॉक्स में तेजी के संकेत

975, 1205 और 500 रुपए के टारगेट वाले 3 शेयर

नई दिल्ली (ईएमएस)। शेयर बाजार में हालिया उतार-चढ़ाव के बीच विश्लेषक कुछ चुनिंदा स्टॉक्स में निवेश का अवसर देख रहे हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार कुछ स्टॉक्स में अब तेजी के स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहे हैं और निवेशक इन्हें अपने पोर्टफोलियो में शामिल कर सकते हैं। विशेषज्ञ के अनुसार प्रीमियर एनर्जीज अब तेजी की ओर बढ़ता दिख रहा है। स्टॉक ने 720–750 रुपए के स्तर पर मजबूत सहारा लिया और वहां से अच्छी रिकवरी की है। चार्ट पर ऊपर की ओर रुख स्पष्ट दिखाई दे रहा है और खरीदारी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।
विश्लेषक का सुझाव है कि इसे लगभग 870 रुपए के स्तर पर खरीदा जा सकता है। जोखिम प्रबंधन के लिए स्टॉप लॉस 815 रुपए पर रखना उचित रहेगा, जबकि टारगेट प्राइस 975 रुपए निर्धारित किया गया है। एथर इंडस्ट्रीज में भी तेजी की संभावनाएँ मजबूत हैं। स्टॉक ने नीचे जाती ट्रेंड लाइन को तोड़ते हुए ऊपर की ओर ब्रेकआउट किया, जो रुझान बदलने का संकेत है। इसके साथ ही वॉल्यूम में बढ़ोतरी देखने को मिली है, जो खरीदारी की ताकत को दर्शाती है। एक्सपर्ट के मुताबिक, इसे 1075 रुपए के

आसपास खरीदा जा सकता है। स्टॉप लॉस 1000 पर रखें और टारगेट 1205 रुपए रखा गया है। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन ने 340–350 रुपए के स्तर से उछलकर ऊपर की ओर बढ़त बनाई है और धीरे-धीरे मजबूती हासिल कर रहा है। हाल ही में 420 रुपए के आसपास ब्रेकआउट हुआ, जिससे नए खरीदार बाजार में आए हैं। विश्लेषक की सलाह है कि इसे 433 रुपए के स्तर पर खरीदा जा सकता है। स्टॉप लॉस 408 रुपए पर सेट करें और टारगेट प्राइस 500 रुपए रखा गया है।
विशेषज्ञों का कहना है कि इन स्टॉक्स में तकनीकी मजबूती के संकेत हैं, लेकिन निवेशक स्टॉप लॉस का पालन करते हुए ही निवेश करें। बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच इस तरह के अवसर निवेशकों के लिए लाभकारी साबित हो सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

उत्तर कोरिया में 99.99 फ़ीसदी मतदान किम जोंग को 99.93 फ़ीसदी मत

उत्तरकोरिया (ईएमएस)। डेमोक्रेटि क पीपल्स रिपब्लिक ऑफ़ कोरिया के चुनाव संपन्न हुए हैं। 15 मार्च को संसदीय चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। इस चुनाव में 99.99 फ़ीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया है। इसमें से 99.93 फ़ीसदी मत किम जोंग उन की पार्टी वर्कर्स पार्टी ने क्लीन स्वीप करते हुए यह चुनाव जीता है। 22 मार्च को किम जोंग उन को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति घोषित किया जा सकता है। यह पद उनके दादा और संस्थापक किम इल सुंग के लिए आरक्षित रहा है। इस पद के पास पूर्ण अधिकार सत्ता के होते हैं।

इस चुनाव में किम जोंग उन की बहन का कद भी बढा है। दुनिया की लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह पहला चुनाव है। जिसमें 99.99 फ़ीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। किम जोंग को 99.93 फ़ीसदी वोट हासिल हुए हैं।

ईरान ने किया सैमरेफ रिफाइनरी पर हमला, इसके पहले कतर और कुवैत में हुए हमले

दुबई (ईएमएस)। सऊदी अरब के लाल सागर तट पर स्थित यानबू बंदरगाह में सऊदी अरामको और एक्सॉनमोबिल की संयुक्त उद्यम सैमरेफ रिफाइनरी पर गुरुवार को हवाई हमला हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, हमले का असर कम रहा और इससे रिफाइनरी को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। यह हमला ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर के कई ऊर्जा ठिकानों को खाली कराने की चेतावनी जारी करने के बाद किया गया है। सैमरेफ भी इनमें शामिल थी। यह हमला अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरानी ऊर्जा सुविधाओं पर हमलों की जवाबी कार्रवाई मानी जा रही है। यानबू बंदरगाह फिलहाल खाड़ी देशों से कच्चे तेल का एकमात्र प्रमुख निर्यात मार्ग है, क्योंकि पिछले महीने युद्ध शुरू होने के बाद ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद किया है। यह संकरा रास्ता दुनियाभर के पांचवें हिस्से की तेल आपूर्ति के लिए इस्तेमाल होता है। इससे पहले फुजैराह (यूएई) बंदरगाह भी हमलों के कारण प्रभावित है, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा गया है। इराक और ईरान सहित कई खाड़ी देश मिलकर वैश्विक तेल का 31 प्रतिशत और गैस का 8-17 प्रतिशत उत्पादन करते हैं। कतर के रास लफ्फान एलएनजी संयंत्र पर ईरानी मिसाइल हमले से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ। बता दें, सैमरेफ रिफाइनरी पर हमले से तेल बाजार में अस्थिरता और बढ़ेगी। सऊदी अरब और क्षेत्रीय देश ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं, लेकिन ईरान के जवाबी हमलों से स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अगर हमले जारी रहे तो वैश्विक तेल कीमतों में और भी उछाल आ सकता है। वहीं आपोरती बुरी तरह से प्रभावित होगी।

फ्रांसिस राष्ट्रपति के बयान से दुखी हुए ईरानी विदेश मंत्री, उन्होंने इजरायल-यूएस की निंदा नहीं की

तेहरान (ईएमएस)। ईरान में सैन्य संघर्ष को 20 दिन हो गए हैं। 19वें दिन इजरायल ने पार्स गैस फील्ड को निशाना बनाया, इसके जवाब में ईरान ने कतर के गैस प्लांट पर हमला कर दिया। इस हमले की कई देशों ने इसकी निंदा की। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हमले पर फिक्र जाहिर कर ऐसा न करने की अपील भी की। उनके आग्रह में कुछ ऐसा था जो ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची को अच्छा नहीं लगा। उन्होंने मैक्रों के रवैये को दुखद करार दिया। अराघची ने लिखा, मैक्रों ने ईरान पर इजरायल-यूएस के हमले की निंदा में एक शब्द भी नहीं बोला। उन्होंने इजरायल की तब भी निंदा नहीं की थी, जब उसने तेहरान में ईंधन के गोदाम पर हमला किया था, इससे लाखों लोग जहरीले पदार्थों के संपर्क में आए थे। अभी भी जो उन्होंने चिंता जाहिर की है उसमें गैस ठिकाने का जिक्र तक नहीं है, जिसके बाद हमने (ईरान) जवाबी कार्रवाई की। ये वाकई दुखद है! मैक्रों ने कहा था, ईरान और कतर में गैस उत्पादन सुविधाओं पर हुए हमलों के बाद, मैंने कतर के अमीर और राष्ट्रपति ट्रंप से बात की। उन्होंने बुनियादी ढांचों को निशाना बनाने का गलत ठहराते हुए कहा, बुनियादी ढांचे—विशेष रूप से ऊर्जा और जल आपूर्ति सुविधाओं—को निशाना बनाने वाले हमलों पर बिना किसी देरी के रुकना चाहिए है। आम लोगों और उनकी बुनियादी जरूरतों के साथ-साथ ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा को भी सैन्य तनाव से सुरक्षित रखा जाना चाहिए। दरअसल, 18 मार्च को इजरायल ने ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमला किया था। इसके जवाब में ईरान ने कतर के सबसे बड़े गैस प्लांट रास लफान पर हमला किया था, जिसे दुनिया के कई देश गलत मान रहे हैं।

अमेरिकी पूर्व अधिकारी का दावा, ट्रंप ने इजराइल के दबाव में आकर ईरान से जंग शुरु की

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक केंद्र के निदेशक जो केंट ने बड़ा और विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजराइल-ईरान के बीच मौजूदा टकराव को शुरू करने में इजराइल की बड़ी भूमिका है। केंट ने कि इजराइल के दबाव में यह कदम उठाया गया, जबकि पहले से ही पता था कि ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा और इससे हालात बिगड़ सकते है। केंट ने ईरान के परमाणु खतरे को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि ईरान उस समय परमाणु हथियार बनाने के करीब नहीं था। उनके अनुसार, 2004 से ईरान में एक धार्मिक आदेश (फतवा) लागू है, जो परमाणु हथियार बनाने के खिलाफ है, और ऐसा कोई खुफिया सबूत नहीं था कि जिसमें ये पता चले की वादा तोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान द्वारा तत्काल हमले की कोई ठोस योजना नहीं थी। यानी जिस आधार पर युद्ध की शुरुआत हुई, वह पूरी तरह मजबूत नहीं था। एक सवाल में पूछा गया कि ईरान के सर्वोच्च नेता खेमेनाई की मौत हो जाती है तब क्या असर होगा, इसपर केंट ने कहा कि इससे ईरान की सत्ता खत्म नहीं होगी। उनके मुताबिक, ईरानी शासन इतना मजबूत है कि किसी एक व्यक्ति की मौत से वह नहीं टूटेगा। दूसरी ओर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने केंट के बयानों पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि केंट सुरक्षा मामलों में कमजोर थे और उनका पद छोड़ना "अच्छी बात" है।

अलविदा डोरेमोन के जादूगर: दिग्गज निर्देशक शिबायामा त्सुतोमु का निधन

टोक्यो। दुनियाभर के बच्चों और बड़ों के पसंदीदा एनिमेटेड किरदार डोरेमोन को अपनी कल्पना से सजाने वाले मशहूर निर्देशक शिबायामा त्सुतोमु अब हमारे बीच नहीं रहे। 87 वर्ष की आयु में 6 मार्च 2026 को फेफड़ों के कैंसर की वजह से उनका निधन हो गया। उनके द्वारा सह-स्थापित स्टूडियो अजिया-डो एनिमेशन वर्क्स ने 17 मार्च को इस दुखद खबर की पुष्टि की। परिवार की निजता का सम्मान करते हुए उनका अंतिम संस्कार पहले ही निजी तौर पर संपन्न किया जा चुका है। जापान में नेशनल एनिमेशन के पिता कहे जाने वाले शिबायामा का करियर 1963 में टोई एनिमेशन से शुरू हुआ था। उन्होंने 1979 में डोरेमोन की टीवी सीरीज का निर्देशन संभाला और अगले 20 वर्षों तक इस शो को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया। उन्होंने इस फ्रेंचाइजी की 22 शानदार फिल्मों का निर्देशन भी किया, जो आज भी करोड़ों लोगों के बचपन का अहम हिस्सा हैं। डोरेमोन के अलावा उन्होंने 'लुपिन' और 'चिबी मारुको-चान' जैसे कई यादगार प्रोजेक्ट्स पर काम किया। उनके जाने से एनिमेशन जगत में एक युग का अंत हो गया है। शिबायामा भले ही चले गए हों, लेकिन गैजेट्स वाली उनकी जादुई कहानियाँ हमेशा प्रशंसकों के दिलों में जीवित रहेंगी।

पृथ्वी से दूर अंतरिक्ष में छुट्टियां मनाने का सपना हो सकता है सच

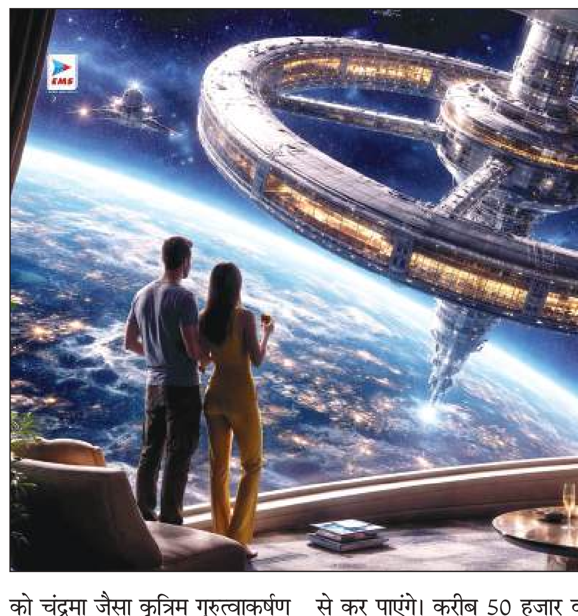

कैलिफोर्निया (ईएमएस)। भविष्य में लोग पृथ्वी से दूर अंतरिक्ष में भी छुट्टियां मनाते दिखाई दे सकते हैं और यह क्षेत्र पर्यटन उद्योग का नया आयाम बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों में निजी अंतरिक्ष कंपनियों की पहल से करीब 100 पर्यटक अंतरिक्ष की यात्रा कर चुके हैं और यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसी बढ़ती रुचि को देखते हुए अंतरिक्ष में होटल बनाने की योजनाओं पर भी तेजी से काम हो रहा है।

माना जा रहा है कि आने वाले समय में लोग पृथ्वी से सैकड़ों किलोमीटर ऊपर जीरो-ग्रैविटी वाले कमरों में ठहरकर अनोखा अनुभव ले सकेंगे। दुनिया के पहले स्पेस होटल के रूप में चर्चित वोयागेर स्टेशन को कैलिफोर्निया की कंपनी एबोव स्पेस विकसित कर रही है। यह स्पेस स्टेशन एक विशाल घूमते हुए पहिये के आकार का होगा। इसके घूमने से बनने वाली सेंट्रीफ्यूगल फोर्स के कारण इसके भीतर रहने वाले लोगों को चंद्रमा जैसा कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण महसूस होगा। इससे वहां मौजूद लोग सामान्य तरीके से चल-फिर सकेंगे और रोजमर्रा की गतिविधियां जैसे खाना-पीना या अन्य काम आसानी से कर पाएंगे। करीब 50 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस स्पेस होटल में लगभग 400 मेहमानों और क्रू मेंबर्स के ठहरने की व्यवस्था होगी। यहां अमीर पर्यटक निजी विला भी खरीद सकेंगे। इसके अलावा जिम, बार, सिनेमा हॉल और रेस्टोरेंट जैसी आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी, जहां पर्यटकों को पृथ्वी जैसा भोजन परोसा जाएगा। इस परियोजना को 2027-28 तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है और इसके निर्माण पर अरबों डॉलर खर्च होने का अनुमान है।

इसी दिशा में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा भी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को निजी कंपनियों के लिए खोलने की योजना पर काम कर रही है, ताकि वहां कमर्शियल होटल और लैब स्थापित किए जा सकें। इस दिशा में एक्सियोम स्पेस का पहला मॉड्यूल अंतिम चरण में बताया जा रहा है, जिसका इंटीरियर प्रसिद्ध फ्रांसीसी डिजाइनर फिलिप्प स्ट्राक ने तैयार किया है। इसमें हाई-स्पीड वाई-फाई जैसी सुविधाएं भी होंगी, जिससे पर्यटक अंतरिक्ष से ही सोशल मीडिया पर लाइव हो सकेंगे। हालांकि अंतरिक्ष में होटल चलाना आसान नहीं होगा। भोजन, पानी, कचरा प्रबंधन और सुरक्षा जैसी कई तकनीकी चुनौतियों से निपटना होगा। वैज्ञानिक ऐसे विशेष मटेरियल पर काम कर रहे हैं जो छोटे अंतरिक्षीय कणों से होने वाले नुकसान को खुद ही ठीक कर सकें। फिलहाल अंतरिक्ष पर्यटन बेहद महंगा माना जाता है। एक टिकट की कीमत 20 से 50 मिलियन डॉलर यानी करीब 165 से 415 करोड़ रुपये तक हो सकती है। इसके अलावा यात्रियों को लगभग 15 से 20 सप्ताह की विशेष ट्रेनिंग भी लेनी होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में तकनीक के विकास के साथ यह यात्रा अपेक्षाकृत सस्ती हो सकती है, लेकिन फिलहाल यह अनुभव केवल बेहद संपन्न पर्यटकों के लिए ही संभव है। बता दें कि ब्रह्मांड के अनंत सन्नाटे में आने वाले वर्षों में इंसानी मौजूदगी और हलचल बढ़ सकती है। अब तक अंतरिक्ष को मुख्य रूप से वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के अध्ययन का क्षेत्र माना जाता रहा है, लेकिन तेजी से विकसित हो रही स्पेस टूरिज्म इंडस्ट्री इसे दुनिया के सबसे महंगे और रोमांचक पर्यटन स्थलों में बदलने की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

अगर ईरान ने हमले नहीं रोके तो सऊदी अरब और उसके साझेदार करेंगे जवाबी कार्रवाई

सऊदी के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल ने ईरान को दी चेतावनी, कहा- अब सब्र टूट रहा है

रियाद,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी जंग अब एक नए मोड़ पर पहुंच रही है। ईरान के लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों से खाड़ी देशों की चिंता बढ़ गई है और अब सऊदी अरब का सब्र टूटता दिख रहा है। सऊदी के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अब उनके देश और उसके सहयोगियों की सहनशक्ति खत्म हो रही है। प्रिंस फैसल ने साफ कहा कि ईरान को तुरंत अपनी रणनीति पर विचार करना चाहिए। उन्होंने इशारों में यह भी जता दिया कि अगर हमले नहीं रुके, तो सऊदी अरब और उसके साझेदार जवाबी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रिंस फैसल ने कहा कि हम यह साफ कर देना चाहते हैं कि हमारे पास बहुत बड़ी क्षमता और ताकत है। अगर हम चाहें, तो उसका इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि कब और किन हालात में सऊदी जवाब देगा, लेकिन उनके बयान से साफ है कि अब स्थिति संवेदनशील हो चुकी है। प्रिंस फैसल ने ईरान पर आरोप लगाया कि यह हमले अचानक नहीं किए जा रहे हैं, बल्कि पूरी प्लानिंग के साथ किए गए हैं।

बता दें ईरान ने बुधवार को खाड़ी देशों के कई अहम ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया था। कतर के रास लाफन गैस प्लांट पर हमला हुआ, जो दुनिया के सबसे बड़े एलएनजी केंद्रों में से एक है। इस हमले की कतर ने कड़ी निंदा की और इसे खुली आक्रामकता बताया। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात के हबशन गैस प्लांट को भी निशाना बनाया, जहां हमले के बाद ऑपरेशन अस्थायी रूप से रोकने पड़े। यूएई के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक उनकी एयर डिफेंस ने 13 बैलिस्टिक मिसाइल और 27 ड्रोन को मार गिराया।

रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब भी इस हमले से अछूता नहीं रहा। सऊदी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनकी एयर डिफेंस ने रियाद की ओर आ रही चार मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया, जबकि दो मिसाइलें देश के पूर्वी हिस्से की ओर दागी गई थीं। ईरान ने इन हमलों के पीछे अपनी सफाई देते हुए कहा कि यह कार्रवाई इजराइल द्वारा उसके साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले के जवाब में की गई है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने चेतावनी दी थी कि अगर उस पर हमला हुआ, तो खाड़ी देशों के तेल और गैस ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा। हालांकि सऊदी अरब और उसके सहयोगी इस दलील को खारिज कर रहे हैं। उनका कहना है कि ईरान जानबूझकर पूरे क्षेत्र को युद्ध में झोंकने की कोशिश कर रहा है। प्रिंस फैसल ने यह भी कहा कि भले ही एक दिन यह जंग खत्म हो जाए, लेकिन ईरान के साथ भरोसा बहाल करना बेहद मुश्किल होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान की हरकतों ने भरोसे को पूरी तरह तोड़ दिया है। अगर वह तुरंत नहीं रुका, तो भविष्य में संबंध सामान्य होना नामुमकिन हो जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान पिछले एक दशक से ऐसी रणनीति बना रहा था, जिसमें पड़ोसी देशों को निशाना बनाकर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने की कोशिश शामिल है। इस पूरे घटनाक्रम ने साफ कर दिया है कि अब खाड़ी क्षेत्र सिर्फ दर्शक नहीं रह गया है, बल्कि सीधे इस संघर्ष की चपेट में आ चुका है। अगर ईरान के हमले नहीं रुकते, तो आने वाले दिनों में यह टकराव और बड़ा रूप ले सकता है।

काबुल में 400 बेगुनाहों के कत्लेआम के बाद कांप रहा पाकिस्तान, इंसानियत की दे रहा दुहाई

काबुल,(ईएमएस)। हाल ही में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमला कर करीब 400 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इससे तिलमिलाए काबुल ने कहा कि कुछ भी हो जाए खून के आंसू रुलाकर रहेंगे। अब पाकिस्तान को लग रहा है कि कहीं कोई बड़ा न हो जाए। इसलिए वो न केवल गिड़गिड़ा रहा है बल्कि इंसानियत की दुहाई भी दे रहा है। सऊदी अरब, तुर्की और कतर जैसे इस्लामिक देशों के भारी कूटनीतिक दबाव और अफगानिस्तान की जवाबी कार्रवाई के डर से पाकिस्तान ने अब ईद के नाम पर सीजफायर का दांव खेला है। बीते 26 फरवरी से शुरू हुए ऑपरेशन गजब-लिल-हक के तहत तबाही मचाने वाली पाकिस्तानी सेना ने एलान किया है कि बुधवार आधी रात से सोमवार तक उसकी तोपें खामोश रहेंगी। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह बना हुआ है कि क्या काबुल के अस्पतालों में मारे गए 400 से ज्यादा बेगुनाहों के जख्म इस पांच दिनी युद्धविराम से भर पाएंगे?

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने इस पांच दिवसीय संघर्ष विराम को इस्लामिक परंपराओं के तहत एक सद्भावना संदेश करार दिया है। लेकिन जानकर इसे पाकिस्तान की मजबूरी मान रहे हैं। कुछ ही दिन पहले पाकिस्तान ने काबुल के ओमिद नशा मुक्ति केंद्र पर भीषण एयरस्ट्राइक की थी, जिसमें 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। पाकिस्तान का दावा था कि इस केंद्र का इस्तेमाल सुसाइड बॉम्बर्स की ट्रेनिंग के लिए हो रहा था, जबकि अफगानिस्तान ने इसे मानवता के खिलाफ कभी न माफ किया जाने वाला अपराध बताया है। काबुल के कब्रिस्तानों में दफन उन दर्जनों लावारिस लाशों की चीखें आज भी पाकिस्तान के दावों पर सवाल उठा रही हैं।

दूसरी ओर, तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने भी एक प्रकार की भाईचारे वाली कूटनीति दिखाते हुए इस सीजफायर को स्वीकार कर लिया है, लेकिन साथ ही पाकिस्तान को दो टूक चेतावनी भी दी है। मुजाहिद ने साफ कहा है कि अगर पाकिस्तान ने दोबारा ऐसी हिमाकत की, तो अफगान फौज इसका मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। पाकिस्तान ने भी शर्त रखी है कि यदि अफगानिस्तान की ओर से एक भी ड्रोन हमला हुआ, तो यह युद्धविराम तत्काल खत्म मान लिया जाएगा। फिलहाल काबुल की सड़कों पर पाकिस्तान के खिलाफ भारी आक्रोश है और सामूहिक जनाजों के बाद उपजा यह गुस्सा बता रहा है कि सीमा पर तनाव कम होना इतना आसान नहीं है।

पाकिस्तान की संभावित एंट्री, सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौते ने बढ़ाई दुनिया की धड़कनें

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब एक ऐसे खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां एक भी गलत कदम पूरे क्षेत्र को महाविनाश की आग में झोंक सकता है। ईरान द्वारा सऊदी अरब, कतर और यूएई के प्रमुख तेल-गैस ठिकानों को खाली करने की चेतावनी के बाद तनाव चरम पर है। इजरायल द्वारा ईरान के सबसे बड़े गैस फील्ड पर किए गए हमले के जवाब में अब खाड़ी देशों के ऊर्जा केंद्रों पर भी खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। इस बीच, सबसे बड़ी चिंता सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए उस गुप्त रक्षा समझौते को लेकर है, जो इस युद्ध की दिशा पूरी तरह बदल सकता है। कूटनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि यदि सऊदी अरब के तेल प्रतिष्ठानों पर सीधे हमले होते हैं, तो वह पाकिस्तान के साथ अपने द्विपक्षीय रक्षा समझौते को सक्रिय कर सकता है। इस समझौते की संरचना काफी हद तक नाटो के आर्टिकल-5 जैसी बताई जा रही है, जिसके तहत सऊदी पर हमला पाकिस्तान पर हमला माना जाएगा। सऊदी अरब के रणनीतिक विश्लेषकों ने संकेत दिए हैं कि आवश्यकता पड़ने पर रियाद पाकिस्तान से सैन्य मदद और यहां तक कि परमाणु सुरक्षा (न्यूक्लियर अंब्रेला) की मांग भी कर सकता है। पिछले एक साल में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बार-बार किए गए सऊदी दौरों ने इन संभावनाओं को और बल दिया है। हालांकि, पाकिस्तान के लिए इस जंग में कूदना इतना आसान नहीं है। एक ओर वह सऊदी अरब का पुराना सहयोगी है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ उसकी लंबी सीमा और गैस पाइपलाइन जैसे हित जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान फिलहाल अपनी पश्चिमी सीमा पर अफगानिस्तान के साथ भी संघर्ष में उलझा हुआ है। इसके बावजूद, सऊदी की सुरक्षा के नाम पर पाकिस्तान की संभावित एंट्री इस क्षेत्रीय टकराव को तीसरे विश्व युद्ध की शक्ल दे सकती है। ईरान ने भी इस स्थिति पर कड़ी नजर रखी हुई है और सऊदी अरब से यह आश्वासन चाहा है कि उसकी जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ हमलों के लिए नहीं होगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी ईरानी नेतृत्व के साथ बातचीत में इस रक्षा समझौते का जिक्र कर अपनी जटिल स्थिति स्पष्ट की है। यदि यह संघर्ष आगे बढ़ता है और पाकिस्तान खुलकर सऊदी के पक्ष में आता है, तो केवल मिडिल ईस्ट ही नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया की सुरक्षा का गणित भी पूरी तरह बिगड़ जाएगा। वैश्विक शक्तियां अब इस चेन रिएक्शन को रोकने की कोशिश में जुटी हैं, क्योंकि ऊर्जा केंद्रों पर हमला पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को तबाह कर सकता है।

पश्चिम एशिया में भीषण युद्ध, ट्रंप प्रशासन हजारों अमेरिकी सैनिकों को तैनात करने की तैयारी में

वाशिंगटन,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में पिछले 19 दिनों से जारी संघर्ष अब एक बेहद विनाशकारी और निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाए जाने के बाद, ईरान ने भी पलटवार करते हुए इजरायल सहित खाड़ी देशों पर मिसाइलों और ड्रोनों की बौछार कर दी है। बुधवार को ईरान द्वारा सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात के तेल एवं गैस ठिकानों पर किए गए हमलों ने इस युद्ध के दायरे को पूरे क्षेत्र में फैला दिया है। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय हलकों से बड़ी खबर सामने आ रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्य पूर्व में सैन्य अभियान को मजबूती देने के लिए हजारों अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती पर विचार कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, ट्रंप प्रशासन का यह कदम ईरान के खिलाफ जारी जंग में अगले बड़े दांव की तैयारी का हिस्सा है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती से राष्ट्रपति को सैन्य विकल्पों में लचीलापन मिलेगा। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से तेल टैंकरों की आवाजाही को सुरक्षित करना है। यह एक ऐसा मिशन होगा जिसमें नौसेना और वायुसेना की मुख्य भूमिका होगी। हालांकि, रणनीतिक चर्चाओं में यह बात भी सामने आई है कि अमेरिका ईरान के तटों पर अपने सैनिकों को सीधे तैनात कर सकता है ताकि तेल आपूर्ति को बाधित होने से बचाया जा सके। सबसे चौंकाने वाला विकल्प ईरान के खर्ग द्वीप पर जमीनी सेना भेजने को लेकर है। खर्ग द्वीप ईरान के कुल तेल निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संभालता है, जो उसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हालांकि, सैन्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसा कोई भी ऑपरेशन बेहद जोखिम भरा हो सकता है, क्योंकि ईरान के पास इस द्वीप की रक्षा के लिए मिसाइल और ड्रोन क्षमताएं मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी प्रशासन ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार वाले क्षेत्रों को अपने नियंत्रण में लेने के लिए भी सैन्य तैनाती की संभावनाओं पर मंथन कर रहा है। हालांकि, सैनिकों की इस बड़े पैमाने पर तैनाती से राष्ट्रपति ट्रंप के लिए राजनीतिक चुनौतियां भी खड़ी हो सकती हैं। अपने चुनावी अभियान के दौरान उन्होंने वादा किया था कि वे अमेरिका को मध्य पूर्व के नए संघर्षों में नहीं धकेलेंगे। अमेरिकी जनता के बीच भी इस युद्ध को लेकर समर्थन काफी सीमित है। हाल ही में एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने इस युद्ध नीति से नाराजगी जताते हुए इस्तीफा भी दे दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, ईरान के साथ अब तक किसी सीधे जमीनी टकराव के बिना ही 13 अमेरिकी सैनिक अपनी जान गंवा चुके हैं और लगभग 200 घायल हुए हैं।

ईरान ने अपना प्रोग्राम दोबारा शुरू ही नहीं किया, तो फिर जंग की जरूरत क्यों पड़ी?

अमेरिका का बड़ा कुबूलनामा, इंटेलिजेंस चीफ गबार्ड ने खोल दी ट्रंप के दावे की पोल

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका की इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड के बयान ने वॉशिंगटन की सियासत में हलचल मचा दी है। उनके खुलासे के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिसमें ईरान के न्यूक्लियर खतरे को जंग की बड़ी वजह बताया गया था। गबार्ड ने सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी के सामने अपने लिखित बयान में कहा कि 2025 में अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद ईरान ने अपने परमाणु संवर्धन कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने की कोई कोशिश नहीं की है। गबार्ड ने बताया कि ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के बाद ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम पूरी तरह तबाह हो गया था और तब से उसे फिर से खड़ा करने की कोई गतिविधि सामने नहीं आई।

यह बयान सीधे तौर पर ट्रंप प्रशासन के उस तर्क को कमजोर करता है, जिसमें बार-बार कहा गया कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम अमेरिका के लिए बड़ा खतरा है। ट्रंप और उनके अधिकारी लगातार यह कहते रहे हैं कि ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई जरूरी थी, लेकिन गबार्ड के बयान के बाद बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि अगर ईरान ने अपना प्रोग्राम दोबारा शुरू ही नहीं किया, तो फिर जंग की जरूरत क्यों पड़ी? इस पूरे मामले में एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि गबार्ड ने अपने सार्वजनिक बयान में इस हिस्से को नहीं पढ़ा। जब उनसे पूछा गया कि ऐसा क्यों किया गया, तो उन्होंने कहा कि समय की कमी की वजह से वह इसे पढ़ नहीं सकीं। हालांकि, उन्होंने अपने आकलन से इनकार नहीं किया। इस पर डेमोक्रेटिक सीनेटर मार्क वार्नर ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि गबार्ड ने जानबूझकर उस हिस्से को छोड़ा, जो ट्रंप के दावों के खिलाफ था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान लंबे समय से यह कहता रहा है कि वह परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा है। कई अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ भी मानते हैं कि अगर ईरान ऐसा करना चाहता भी है, तो वह निकट भविष्य में बड़ा खतरा नहीं है। जंग शुरू होने से पहले ओमान के विदेश मंत्री, जो अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में मध्यस्थ थे, उन्होंने भी कहा था कि बातचीत में प्रगति हो रही थी और युद्ध की कोई तत्काल जरूरत नहीं थी। गबार्ड की यह गवाही ऐसे समय सामने आई, जब ईरान युद्ध अपने तीसरे हफ्ते में पहुंच चुका है और इसका कोई स्पष्ट अंत नजर नहीं आ रहा है। व्हाइट हाउस ने हमले के लिए अलग-अलग वजहें बताईं, जबकि ईरान की जवाबी कार्रवाई ने वैश्विक व्यापार पर असर डाला है, खासकर समुद्री रास्तों पर।

इस बीच गबार्ड के करीबी सलाहकार जो केंट के इस्तीफे ने भी विवाद को और बढ़ा दिया है।

कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे, ईशान करेंगे कप्तानी

अभिषेक को मिली उपकप्तान की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल के 19 सत्र के शुरुआती मैचों में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की कप्तानी में खेलेगी। नियमित कप्तान पैट कमिंस के पूरी तरह से फिट नहीं होने से ईशान को कप्तानी सौंपी गयी है। वहीं युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा उप-कप्तानी करेंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद के अनुसार जैसे ही कमिंस वापसी करेंगे। वह टीम की कप्तानी संभाल लेंगे। अभी यह पता नहीं चला है कि कमिंस कितने मैच नहीं खेलेंगे पर माना जा रहा है कि वह 23 मार्च को टीम से जुड़ेगे। वह फ्रेंचाइजी के साथ रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजरने के दौरान सत्र के पहले तीन मैचों से बाहर रहेंगे।

टीम अपना शुरुआती मुकाबला 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ करेगी। वहीं वह 2 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स जबकि 5 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलेगी।

कमिंस दिसंबर से ही खेल से दूर हैं। पीठ की पुरानी चोट के कारण वह एशेज से भी बाहर रहे थे। उन्होंने हाल में टी20 विश्व कप भी नहीं खेला था। उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल अनुबंध के तहत खेलने की अनुमति दे दी है। हालांकि उन्हें वापसी करने में कुछ समय लग सकता है।

कमिंस ने सनराइजर्स की कप्तानी करते हुए 30 मैच खेले हैं, जिनमें से 15 में टीम जीती है जबकि 14 में हारी है। वहीं एक मैच का परिणम नहीं निकला। साल 2024 में, उनकी कप्तानी में टीम फाइनल तक पहुंची थी पर वहां उसे कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

ईशान को कप्तानी इसलिए दी गयी है क्योंकि उन्हें इसका अनुभव है पहले भी वह कई अवसरों पर कप्तानी करते दिखे हैं। घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने कप्तान की भूमिका निभाई है। एसआरएच प्रबंधन हमेशा से इस बात को लेकर स्पष्ट था कि कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान ही टीम की कप्तानी करेंगे।

विराट अभी भी आरसीबी के आधार है :डिविलियर्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के आधार हैं। डिविलियर्स आरसीबी से खेलने के दौरान विराट के काफी अच्छे दोस्त रहे हैं। डिविलियर्स का कहना है कि विराट आरसीबी की नींव हैं। उन्होंने कहा कि वह विराट के प्रदर्शन ही नहीं उनके होने से भी टीम प्रेरित होती है। उनके आने से टीम में एक प्रकार की सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। इसलिए वह टीम के लिए सबसे महत्वूर्ण सदस्य हैं। उनके रहने से युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है। आरसीबी 19 सत्र में अपने अभियान की शुरुआत 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से करेगी। गत सत्र की विजेता होने के कारण इस बार टीम अपना खिताब बनाये रखना चाहेगी। डिविलियर्स ने कहा, विराट अभी भी आरसीबी की जान है। न केवल अपने प्रदर्शन और पिछले कुछ सालों में बल्ले से दिखाई गई निरंतरता के कारण बल्कि टीम में अपनी मौजूदगी से भी वह छाये हुए हैं। वह अपने आक्रामक अंदाज से टीम को जुनूनी बनाते रहे है। वह युवा खिलाड़ियों को ट्रॉफी जीतने के लिए तैयार करते हैं। वह टीम के लिए आगे बढ़कर योगदान देते हैं जिससे भी युवाओं का उत्साह बढ़ता है।

गंभीर ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील कर एआई और डीप फेक से सुरक्षा देने की मांग की

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर एआई और डीप फेक के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है। गंभीर का कहना है कि एआई के जरिये उनकी आवाज और चेहरे के गलत इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने अदालत से इसको लेकर सुरक्षा की मांग की गई है। गंभीर की याचिका में कहा गया है कि इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब, और फेसबुक पर उनको लेकर नकली डिजिटल कंटेंट तेजी से बढ़ा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग तकनीक का इस्तेमाल कर उन्हें ऐसे बयान देते हुए गलत तरीके से दिखाया गया जो उन्होंने कभी दिए ही नहीं थे। इसमें एक बार तो उनके इस्तीफ की घोषणा भी दिखायी गयी थी जबकि उन्होंने दिया ही नहीं। इसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया। वहीं एक नकली क्लिप में उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के विश्व कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, इसे 17 लाख से ज्यादा बार देखा गया। सोशल मीडिया के अलावा, बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बिना किसी इजाजत के उनके नाम और तस्वीर वाले पोस्टर की मदद से सामान बेच रहे हैं। गंभीर ने कहा, मेरी पहचान, मेरा नाम, मेरा चेहरा, मेरी आवाज को गुमनाम अकाउंट्स ने गलत जानकारी फैलाने और पैसा कमाने के लिए हथियार बनाया है।

यह मुकदमा 16 डिफेंडेंट के खिलाफ दायर किया गया है। इसमें कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स जैसे जैनकी फ्रेम्स, भूपेंद्र पेंटोला, लीजेंड्स रेवोल्यूशन, आदि शामिल हैं। इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में ऐमेजॉन और फ्लपिकार्ट का नाम है। वहीं टेक कंपनियों में मेटा प्लेटफॉर्म, एक्स, गूगल, यूट्यूब, आदि के नाम शामिल हैं।

गंभीर ने 2.5 करोड़ हर्जाना, सभी अकाउंट्स को हटाने, परमानेंट रोक लगाने और सभी उल्लंघन करने वाले कंटेंट को हटाने की मांग की है। उन्होंने भविष्य में अपना नाम, चेहरा और आवाज का इस्तेमाल नहीं किए जाने की मांग की भी की है। इस मामले में उन्होंने कोर्ट से आरोपियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

मुख्य चयनकर्त्ता अगरकर ने बीसीसीआई से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की

2027 तक पद पर बने रहना चाहते हैं

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर साल 2027 तक अपने पद पर बने रहना चाहते हैं। अगरकर ने इसी को लेकर बोर्ड से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगरकर ने टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद ही बीसीसीआई से मुख्य चयनकर्ता के रूप में अपना कार्यकाल बढ़ाने की मांग की थी। अगरकर 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक इस पद पर बने रहना चाहते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अगरकर के अनुरोध पर विचार कर रहा है। वहीं मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर की जगह लेने के लिए एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर का नाम भी उछला है हालांकि इसपर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है।अगरकर जून 2023 में चयन समिति के प्रमुख बने थे। इसके बाद उनका कार्यकाल जून 2026 तक बढ़ा दिया गया है। मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर का कार्यकाल काफी अच्छा रहा है। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता है। इसके अलावा साल 2023 और 2025 का एशिया कप भी भारतीय टीम ने जीता था। टेस्ट में हालांकि भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के फाइनल में जगह नहीं बना पायी। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में टीम को करारी हार मिली।अगरकर के मुख्य चयनकर्ता रहते भारतीय टीम ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है, इससे भी उनका कार्यकाल आगे बढ़ाने जाने की संभावना बढ़ गयी है।

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के लिए पेश की नई जर्सी

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के 19 सत्र से पहले अपनी नई जर्सी लांच की है। इस दौरान कप्तान रियान पराग, आक्रामक सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और स्पिनर रवि बिश्नोई भी उपस्थित थे। आईपीएल में इस नई जर्सी से टीम नये उत्साह से उतरेगी। 28 मार्च से शुरू हो रहे इस सत्र के लिए टीम नये कप्तान पराग के साथ जीत के इरादे से उतरेगी। राजस्थान ने सोशल मीडिया पर अपनी जर्सी लॉन्च किसे जाने की घोषणा भी की है। इस नई जर्सी में नीले और गुलाबी रंग को मिलाया गया है। जर्सी की तस्वीरों के साथ ही रॉयल्स ने लिखा, 'नया लुक, वही हल्ला बोल जर्सी, लॉन्च हो गई।'रॉयल्स 30 मार्च को पांच बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। रॉयल्स अपने शुरुआती तीन घरेलू मैच अपने वैकल्पिक मैदान गुवाहाटी में खेलेगी। बीसीसीआई टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों का कार्यक्रम भी जारी करेगी।

वैभव राजस्थान रॉयल्स की नई जर्सी की लॉन्चिंग के समय पराग के साथ नजर आये। उसे अपना पहलो मैच चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलना है। इसके बाद टीम 4 अप्रैल को गुजरात टाइटंस से खेलेगी। इसके बाद राजस्थान रॉयल्स की टीम गुवाहाटी 7 अप्रैल को पांच बार के विजेता मुंबई इंडियंस और 10 अप्रैल को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलेगी। राजस्थान रॉयल्स के शुरुआती चार में से तीन मैच घरेलू मैदान पर हैं। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स शुरुआती बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। पिछले सत्र में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और वह 9वें पायदान पर रही थी।

आईपीएल में इस बार अपने गेंदबाजी कौशल को निखारने पर रहेंगे ध्यान : वैभव अरोड़ा

कोलकाता (ईएमएस)। युवा तेज गेंदबाज वैभव अरोड़ा 28 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलते नजर आयेंगे। वैभव का लक्ष्य इस आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के साथ ही अपने गेंदबाजी कौशल को बेहतर बनाना है। वैभव ने साल 2023 में आईपीएल में पदार्पण के बाद से ही लगातर अपने प्रदर्शन को सुधारा है। इस क्रिकेटर ने कुल 32 मुकाबलों में 36 विकेट लिए हैं। आईपीएल 2024 में केकेआर की खिताबी जीत में भी वैभव की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। तब वैभव ने 10 मुकाबलों में 11 विकेट हासिल किए थे। अब इस बार भी इस गेंदबाज का लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना रहेगा। इसके को देखते हुए वह अभ्यास सत्र में पूरी ताकत लगा रहे हैं। इसके अलावा अपनी गेंदबाजी को बेहतर बनाने के लिए सभी क्षेत्रों पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, मेरी तैयारी काफी अच्छी है। मैंने नेट्स में अपनी गेंदबाजी को पहले से बेहतर बनाया है। साथ ही कहा कि हर तेज गेंदबाज अपने को लगातार बेहतर बनाने और गेंदबाजी में विविधता लाने में लगा रहता जिससे अपनी गेंदबाजी से असर डाला जा सके।अरोड़ा का कहना है कि उन्हें इस दौरे में उन्हें न्यूजीलैंड के दिग्गज गेंदबाज टिम साउदी जो अब टीम के कोच हैं उनसे भी काफी कुछ सीखने को मिलेगा। साउदी इस सत्र में टीम के साथ गेंदबाजी कोच के तौर पर जुड़े हैं। साउदी काफी अनुभवी गेंदबाज हैं जिन्होंने 700 से ज्यादा विकेट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लिए हैं। वह साल 2021 से 2023 के बीच तीन सत्र तक केकेआर की ओर से खेले भी हैं। इसी को देखते हुए वैभव ने कहा, साउदी एक दिग्गज खिलाड़ी हैं और उनके पास बहुत लंबा अनुभव है। साल 2023 में इसी लीग में जब वह खेल रहे थे तब मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा था। अब जब वह हमारे गेंदबाजी कोच बन गए हैं, तो मुझे उनके मार्गदर्शन में कौशल को बेहतर बनाने का एक और अवसर मिला है। जिसको लेकर मैं उत्साहित हुं।

आईपीएल में अभिषेक बना सकते हैं कई रिकॉर्ड

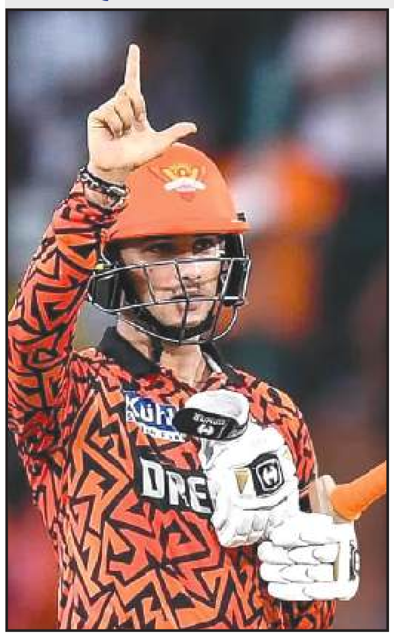

नई दिल्ली (ईएमएस)। युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है और इसी दिन अभिषेक सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से अपने पहले मुकाबले में उतरेंगे। अभिषेक इस बार चार छक्के लगाते ही अपने छक्कों का शतक पूरा कर सकते हैं। उनके नाक अब तक 96 छक्के हैं। चार छक्के और लगाते ही वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। अब तक केवल डेविड वॉर्नर के नाम ही आईपीएल में 100 छक्के हैं। वार्नर ने कुल 143 छक्के लगाये हैं। वहीं हेनरिक क्लासेन 88 छक्के के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। वहीं अभिषेक के पास इस सत्र में अपने 2000 रन पूरे करने का भी अवसर है। अभिषेक ने अब तक 77 आईपीएल मैचों की 73 पारियों में 1816 रन बनाये हैं। ऐसे में वह 184 रन बनाते है वह इस टूर्नामेंट में 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो जाएंगे। अभिषेक ने सनराइजर्स के लिए अब तक 1753 रन बनाए हैं। वह 2,000 रन करते ही सनराइजर्स के लिए ये उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज़ बन जाएंगे। इससे पहले डेविड वॉर्नर ने 4014, शिखर धवन ने 2768) और केन विलियमसन ने 2101 रन बनाये हैं।

अभिषेक ने पिछले दो सत्र में हर बार 400 रन बनाये हैं। आईपीएल 2024 में उन्होंने 204.21 के स्ट्राइक रेट से 484 रन, वहीं, पिछले सत्र में 193.39 के स्ट्राइक रेट से 439 रन बनाए थे। ये भी एक रिकार्ड है क्योंकि अबतक किसी भी अन्य बल्लेबाज ने 190 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 400 से अधिक रन नहीं बनाये हैं। अभिषेक आईपीएल इस बार भी 400 से अधिक रन बनाने में सफल रहे तो ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन सकते हैं। अभिषेक ने पिछले सत्र में पंजाब किंग्स के खिलाफ केवल 55 गेंदों में 141 रन बनाए थे। ये इस लीग में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे अधिक स्कोर है। वहीं टी20 क्रिकेट में ये चौथी बार है जब उन्होंने 135 से अधिक रन बनाये हैं। उनके अलावा उपलब्धिक केवल क्रिस गेल के पास है गेल ने भी इतने ही बार 135 से धिक रन बनाये हैं। अगर वह इस भी भी इतने रन बनाते हैं तो गेल से आगे निकल जाएंगे।

सीएसके ने फोस्टर को क्षेत्ररक्षण कोच बनाया

मुम्बई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के 19 सत्र से पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स फोस्टर को टीम का नया क्षेत्ररक्षण कोच बनाया है। फोस्टर टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग के साथ मिलकर काम करेंगे। उनके जिम्मेदारी टीम के खिलाड़ियों के क्षेत्ररक्षण कौशल को निखारना रहेगा। पिछले सत्र में टीम इस क्षेत्र में कमजोर साबित हुई थी। फोस्टर को कोच के तौर पर लंबा अनुभव है और इसी को देखते हुए सीएसके ने उन्हें जोड़ा है। सीएसके के पास पहले ही कोचिंग स्टाफ में माइकल हसी और एरिक सिमंस जैसे दिग्गज हैं, इसके बाद भी फोस्टर को शामिल करने से साफ है कि टीम अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहती है।

फोस्टर ने साल 2001 से 2009 के बीच इंग्लैंड के लिए 23 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। साल 2018 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग में काफी अनुभव वह सफलता हासिल की है। हाल ही में उनके मार्गदर्शन में जनवरी 2026 में डेजर्ट वाइपर्स ने आईएलटी 20 खिताब जीता था। इसके अलावा वह द हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के सहायक कोच भी रहे हैं।

फोस्टर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड टीम के भी कोच रहे हैं। वह पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ क्षेत्ररक्षण के सहायक कोच रहे हैं। ऋतुराज की कप्तानी में सीएसके अपने आईपीएल 2026 अभियान की शुरुआत 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुवाहाटी में करेगी। इसके बाद टीम 3 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ घरेलू मैच खेलेगी। शुरुआती मुकाबलों में आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी उसे खेलना है। पीछले सत्र में टीम का प्रदर्शन काफी खराब रहा था और टीम अंक तालिका में सबसे नीचे वहीं इस बार टीम ने कई नये खिलाड़ियों के साथ ही कोचिंग स्टाफ में भी बदलावा किया है जिससे उसे जीत की उम्मीद रहेगी।

एफआईएच हॉकी विश्वकप में हो सकती है भारत-पाक हॉकी टीम में टक्कर

लंदन (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने हॉकी विश्वकप के लिए पुरुष और महिला वर्ग के लिए टीमों की घोषणा कर दी है। एफआईएच हॉकी विश्वकप टूर्नामेंट इस साल 15 अगस्त से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्लियम में खेला जाएगा। इसमें भारतीय पुरुष हॉकी टीम की पाकिस्तान से टक्कर हो सकती है क्योंकि विश्वकप के लिए जिस ग्रुप में भारतीय टीम है । उसी में पाकिस्तानप को भी रखा गया है। इसमें भारतीय पुरुष हॉकी टीम को कठिन पूल डी में रखा गया है, इसमें पाकिस्तान के अलावा इंग्लैंड और वेल्स की टीमें भी रहेंगी। वहीं भारतीय महिला टीम भी पूल डी में है, जहां उसे चीन, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों से खेलना है। पुरुष और महिला दोनों भारतीय टीमें अपने सभी ग्रुप मैच नीदरलैड में खेलेंगी। इससे पहले एम्स्टर्डम में आयोजित ड्रॉ इवेंट में कई दिग्गज हॉकी खिलाड़ी रहे। इसमें जर्मनी को पूल बी में रखा गया है, इसमें बेल्जियम, फ्रांस और मलेशिया जैसी टीमें भी हैं।

पुरुष वर्ग

पूल ए : नीदरलैंड, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, जापान
पूल बीः बेल्जियम, जर्मनी, फ्रांस, मलेशिया
पूल सीः ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, आयरलैंड, दक्षिण अफ्रीका
पूल डीः इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान, वेल्स

महिला वर्ग

पूल एः नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, चिली, जापान
पूल बी : अर्जेंटीना, जर्मनी, अमेरिका, स्कॉटलैंड
पूल सीः बेल्जियम, स्पेन, न्यूजीलैंड, आयरलैंड
पूल डीः चीन, इंग्लैंड, भारत, दक्षिण अफ्रीका

बुमराह, भुवनेश्वर सहित तीन गेंदबाजों के पास 200 विकेट का आंकड़ा हासिल करने का अवसर

मुम्बई (ईएमएस)। 28 मार्च से शुरु होने जा रहे आईपीएल 2026 में इस बार जसप्रीत बुमराह, भुवेश्वर कुमार सहित तीन गेंदबाजों के पास 200 विकेट का आंकड़ा हासिल करने का मौका है। मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बुमराह के नाम जहां 183 विकेट हैं। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स के सुनील नरेन के नाम 192 और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार के नाम 198 विकेट हैं। इस प्रकार देखा जाये तो भुवनेश्वर के पास 200 का आंकड़ा हासिल करने का सुनहरा अवसर है। आईपीएल इतिहास में अबतक केवल स्पिनर यजुवेंद्र चहल ही 200 विकेट ले पाये हैं। ऐसे में भुवनेश्वर दो विकट लेते ही यहां तक पहुंचने वाले दूसरे गेंदबाज बन सकते हैं। उनकी स्विंग गेंदबाजी हमेशा से बल्लेबाजों के लिए मुश्किल रही है। नई गेंद के साथ विकेट निकालने की उनकी क्षमता को देखते हुए यह लगभग तय माना जा रहा है कि सीजन के शुरुआती मैचों में ही वह इस मुकाम तक पहुंच जाएंगे। वह ऐसा करने वाले पहले तेज गेंदबाज होंगे। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स के रहस्यमयी स्पिनर नरेन के नाम 192 विकेट हैं और उन्हें यहां तक पहुंचने केवल 8 विकेट चाहिये। अगर वह ऐसा कर पाते हैं तो ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले विदेशी गेंदबाज बन जाएंगे। बुमराह के नाम 183 विकेट हैं और उन्हें इस बार अपने विकेटों का दोहरा शतक पूरा करने 17 विकेट चाहिये। बुमराह ने पिछले 9 सीजन में हर बार 15 या उससे ज्यादा विकेट लेते लिए हैं। पिछले आईपीएल में उन्होंने 12 मैचों में 18 विकेट झटके थे और हाल ही में टी20 विश्वकप में 14 विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि बुमराह इस सत्र में सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप अपने नाम करने के साथ ही अपने 200 विकेट पूरे कर सकते हैं।

खेल के साथ ही पढ़ाई भी जरूरी :सिंधू

गुरुग्राम (ईएमएस)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु ने उभरते हुए खिलाड़ियों से कहा है कि खेल के साथ ही पढ़ाई भी जारी करें क्योंकि केवल खेल पर ही आधारित रहना बेहद जोखिम भरा होता है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार खेल के साथ ही पढ़ाई भी जरुरी है। सिर्फ खेल पर ध्यान देना नुकसानदेह साबित हो सकता है। ध्यान रहे एक ही चोट से खेल करियर समाप्त हो सकता है। इस खिलाड़ी ने कहा कि साल 2016 के ओलंपिक से पहले वह भी अपने बाएं पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर होने के कारण परेशान थीं और उन्हें अपने भविष्य पर संदेह होने लगा था। उन्होंने कहा, मैं इतने साल से खेल रही हूं। कभी न कभी तो आपको रिटायर होना ही पड़ता है। और यही सच है। आप 45, 50 या 60 साल की उम्र तक नहीं खेल सकते।

सिंधु ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद की बात का समर्थन किया जिन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों के माता-पिता से शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही थी। इस खिलाड़ी ने कहा, आपको इस बात को मानना ही होगा कि शिक्षा हमेशा पूरी जिंदगी आपके साथ रहेगी और हमेशा आपके पास रहेगी। उन्होंने कहा, कोई भी सोने की चम्मच लेकर पैदा नहीं होता और आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, चाहे वह पढ़ाई में हो या खेल में। पढ़ाई और खेल दोनों ही अहम हैं। मैंने अपना एमबीए किया है। इसलिए मुझे पता है कि यह आसान नहीं है। आप सुबह ट्रेनिंग के लिए जाते हैं, वापस आते हैं, पढ़ाई करते हैं, फिर शाम के सत्र के लिए जाते हैं। सिंधु ने कहा, सच तो यही है कि खेल एक बहुत छोटी सी चीज है। शिक्षा हमेशा आपके साथ रहेगी। खेल भी जरूरी है, लेकिन इतना भी नहीं कि आप अपनी पढ़ाई पूरी तरह से रोक दें। उन्होंने कहा कि खेल के दौरान लगने वाली चोटों से उबरना मुश्किल हो सकता है इसलिए उन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों से पढ़ाई का एक विकल्प अपने पास रखने की बात कही।

सिंधु ने कहा, हो सकता है मेरी बात थोड़ी कड़वी लगे, शायद अभी उन्हें यह बात समझ नहीं आए, लेकिन जिंदगी के बाद के पड़ाव में उन्हें यह जरूर समझ आएगा कि पढ़ाई भी उतनी ही जरूरी है। खेल कभी-कभी बहुत जोखिम भरा हो सकता है। इसमें कभी भी चोट लग सकती है। उन्होंने कहा, चोट से आपका करियर खत्म हो सकता है, आपकी सर्जरी हो सकती है। और चोटें बताकर नहीं आतीं, बस हो जाती हैं। ऐसे समय में, आपको यह पक्का करना होता है कि आप जिंदगी में हर चीज के लिए तैयार हैं।

पंड्या की कप्तानी में खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी मुंबई : हरभजन

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस इस बार खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी। हरभजन के अनुसार पंड्या का लक्ष्य पिछले 5 सालों से चले आ रहे खिताबी इंतजार को समाप्त करना रहेगा। हरभजन के अनुसार जीत के लिए पंड्या को आगे बढ़कर आक्रामक अंदाज में कप्तानी करनी होगी। इस पूर्व स्पिनर ने कहा है कि मुम्बई को सलामी जोड़ी को लेकर भी अपनी स्थिति साफ करनी चाहिये। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की भूमिका भी तय करनी होगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हार्दिक को अपने स्वाभाविक अंदाज में ही खेलना चाहिये। उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ गेम दिखाना होगा। उन्हें बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अहम भूमिका निभानी होनी।जिस प्रकार उन्होंने टी 20 विश्व कप में गेंदबाजी की थी वैसी ही उन्हें आईपीएल में भी करनी होगी। उन्होंने कहा, जब कोई कप्तान आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करता है और रास्ता दिखाता है, तो बाकी खिलाड़ी भी उसका साथ देते हैं। यह सब भरोसे पर निर्भर करेगा। अगर हार्दिक और उनकी टीम पहले दिन से ही तय कर ले कि उनका लक्ष्य खिताब जीतना है तो मुम्बई टीम को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पायेगा। वहीं रयान रिकल्टन और क्विंटन डी कॉक को अंतिक ग्यारह में रखे जाने के सवाल पर , हरभजन ने कहा कि दोनो को एकसा रखे जाने की संभावना नहीं है। इन दोनों में से कोई एक ही शुरुआत में रखा जाएगा।

जामताड़ा में नगर पालिका आमचुनाव का शपथ ग्रहण संपन्न

मिहिजाम में महाबीर राय बने उपाध्यक्ष, जामताड़ा में उपाध्यक्ष ज्योत्सना देवी निर्विरोध चुनी गईं

जामताड़ा । नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के तहत गुरुवार को जामताड़ा जिले के दोनों शहरी निकायों—मिहिजाम नगर परिषद एवं जामताड़ा नगर पंचायत—में नवनिर्वाचित अध्यक्षों और वार्ड पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह तथा उपाध्यक्ष पद के लिए अप्रत्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। समाहरणालय स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त रवि आनंद (भा.प्र.से.) ने मिहिजाम नगर परिषद की नवनिर्वाचित अध्यक्ष जयश्री देवी एवं 20 वार्ड पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद एसजीएसवाई प्रशिक्षण भवन में जामताड़ा नगर पंचायत की अध्यक्ष आशा गुप्ता एवं 16 वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई गई। उपायुक्त ने सभी जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए नगर विकास कार्यों में समन्वय बनाकर कार्य करने की अपील की। इसके पश्चात दोनों निकायों में उपाध्यक्ष पद के लिए अप्रत्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया पूरी की गई। मिहिजाम नगर परिषद में उपाध्यक्ष पद के लिए चार अभ्यर्थियों ने नामांकन किया, जिनमें सभी के नामांकन वैध पाए गए।

मतदान के बाद महाबीर राय को सर्वाधिक 8 मत प्राप्त हुए और उन्हें उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं जामताड़ा नगर पंचायत में उपाध्यक्ष पद के लिए केवल एक अभ्यर्थी ज्योत्सना देवी ने नामांकन किया, जिसके चलते उन्हें निर्विरोध उपाध्यक्ष घोषित किया गया। निर्वाची पदाधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान करने के बाद दोनों निकायों के अध्यक्षों ने नव-निर्वाचित उपाध्यक्षों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान परियोजना निदेशक आईटीडीए जुगनू मिंज, निर्वाची पदाधिकारी पूनम कच्छप व विजय कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी पंकज कुमार रवि, अंचल अधिकारी अविश्वर मुर्मू, बीडीओ आकांक्षा कुमारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संत थॉमस इंटरनेशनल स्कूल में शानदार रिजल्ट

मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान, हर कक्षा में दिखा दमदार प्रदर्शन

जामताड़ा । संत थॉमस इंटरनेशनल स्कूल, बुधुडीह (जामताड़ा) में वार्षिक परीक्षा परिणाम बड़े उत्साह के साथ घोषित किया गया। इस मौके पर विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय कानामरोशनकिया।मेधावीछात्रोंकोउनकेकक्षाशिक्षकोंद्वारासम्मानितकियागया। नर्सरी कक्षा में अजमल अंसारी, यश राव एवं अश्लीयन खातून ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं एलकेजी में दीप्ति दास, आवेश अंसारी, नेहा पाल और भास्कर पाल ने उत्कृष्ट सफलता हासिल की। यूकेजी के छात्र इस्मत परवीन, मौसमी बऊरी और कंचन कृति ने भी बेहतर प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कक्षा 1 में आशिक अंसारी, सिमरन खातून और लक्ष्मी मरांडी ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया। कक्षा 2 के पिहू कुमारी शर्मा, देव कुमार दत्ता और मुजम्मिल अंसारी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं कक्षा 3 में गुलनाज़ फातमा, अभय राणा और सरजीत मरांडी अपने-अपने वर्ग में अव्वल रहे। विद्यालय की निदेशक पूजा कुमारी ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस वर्ष का परीक्षा परिणाम अत्यंत सराहनीय रहा है। उन्होंने शिक्षकों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। प्रधानाचार्या शबीना खातून ने भी खुशी जताते हुए कहा कि नर्सरी से कक्षा 8 तक के छात्रों का प्रदर्शन इस वर्ष काफी उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण—संजू कुमारी, प्रिया कविराज, लिलमुनि मरांडी, रुबीना खातून, नाज़ खातून, रूबी मरांडी, अभिनव कुमार और रीना कुमारी—की भूमिका भी सराहनीय रही, जिनके मार्गदर्शन में छात्रों ने यह सफलता हासिल की।

जामताड़ा में एचपीवी टीकाकरण की तैयारी तेजः 8518 बच्चियों को मिलेगा सुरक्षा कवच, 1 अप्रैल से अभियान शुरू

जामताड़ाजिले में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम को लेकर एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसको लेकर समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रवि आनंद की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए बताया कि एचपीवी टीका बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने का सुरक्षित और प्रभावी उपाय है। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में जिले की 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी एवं 15 वर्ष से कम आयु वर्ग की करीब 8518 बच्चियों को टीका लगाया जाएगा। यह विशेष अभियान 1 अप्रैल से शुरू होकर पहले तीन महीने तक कैंप मोड में संचालित किया जाएगा। उपायुक्त ने स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज कल्याण विभाग को आपसी समन्वय स्थापित कर अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशिक्षण, कोल्ड चेन प्रबंधन, मॉनिटरिंग, जागरूकता, मोबिलाइजेशन, इंजेक्शन सेफ्टी और लॉजिस्टिक्स जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने विशेष रूप से आईसीडीएस के माध्यम से अधिक से अधिक बच्चियों तक पहुंच सुनिश्चित करने, स्कूलों में पेरेंट-टीचर मीटिंग आयोजित करने तथा टीकाकरण को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने पर जोर दिया। साथ ही प्रखंड स्तर पर टास्क फोर्स की बैठक, कंट्रोल रूम की स्थापना और टीकाकरण के दौरान व बाद में बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. ए.पी.एन. देव, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती कलानाथ, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. निलेश कुमार सहित विभिन्न प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी, डीपीएम एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सनातन संस्कृति पर टिप्पणी से नाराज़गी टीन बाजार चौक पर जोरदार प्रदर्शन

सीएम के बयान पर दुमका में बवाल, भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पुतला दहन

दुमका : झारखंड के मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में दिए गए बयान के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं का आक्रोश देखने को मिला। मुख्यमंत्री के उस कथन, जिसमें उन्होंने कहा कि "भारत में सबसे ज्यादा पूजा होती है, लेकिन टैलेंट चीन जैसे देशों में पैदा होते हैं", को लेकर कार्यकर्ताओं ने कड़ी आपत्ति जताई और इसे सनातन संस्कृति का अपमान बताया।इसी के विरोध में दुमका के टिन बाजार चौक पर भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए अपने गुस्से का इज़हार किया और बयान को करोड़ों सनातनियों की आस्था पर प्रहार बताया।कार्यक्रम में गोड्डा के पूर्व विधायक अमित मंडल भी मौजूद रहे। उन्होंने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री के बयान को शर्मनाक बताते हुए कहा कि यह उनकी सोच को दर्शाता है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या अब पूजा-पाठ और आस्था का कोई महत्व नहीं रह गया है।उन्होंने आगे कहा कि यह बयान न केवल सनातन परंपरा, बल्कि देश की सांस्कृतिक जड़ों पर भी हमला है। साथ ही मुख्यमंत्री से इस बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की गई।इस मौके पर प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा, अमरेंद्र सिंह मुन्ना, अंजुला मुर्मू, सीताराम पाठक, विवेकानंद राय, धर्मेंद्र सिंह, मार्शल ऋषिराज टुडू, बबलू मंडल, मृणाल मिश्रा, गुंजन मरांडी, रमेश मुर्मू, अविनाश सोरेन, नवल किस्कू, गोपीनाथ दत्ता, दीप्तांशु कोचगवे, कुश पाल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपायुक्त ने कहा वैसे केन्द्र जिसमें खामियाँ पायी गयी है उनसे स्पष्टीकरण की माँग की जाय

दुमकाः पी०सी०पी०एन०डी०टी० एक्ट के अन्तर्गत गठित जिला सलाहकार समिति तथा जिला निरीक्षण एवं अनुश्रवण समिति की बैठक उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में अल्ट्रसाउण्ड केन्द्रों के नवीकरण हेतु प्राप्त आवेदनों पर निर्णय लिया गया। साथ ही, जिला निरीक्षण दल द्वारा अल्ट्रसाउण्ड केन्द्रों के निरीक्षण के क्रम में पायी गयी खामियों पर चर्चा की गयी। उपायुक्त द्वारा स्पष्ट निदेश दिया गया कि वैसे केन्द्र जिसमें खामियाँ पायी गयी है उनसे स्पष्टीकरण की माँग की जाय।

बैठक में पी०सी०पी०एन०डी०टी० से संबंधित अन्य विषयों पर भी निर्णय लिया गया। बैठक में सिविल सर्जन, दुमका डॉ० कमलेश्वर प्रसाद, जिला आर०सी०एच० पदाधिकारी, दुमका डॉ० राम प्रसाद, जिला सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कण्डुलना, जिला कार्यक्रम प्रबंधक राकेश आनंद, जिला डाटा प्रबंधक के०डी०सिंह एवं अस्पताल प्रबंधक सुदीप किस्कू आदि उपस्थित थे।

जनगणना के प्रथम चरण के सफल संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा

जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है-उपायुक्त

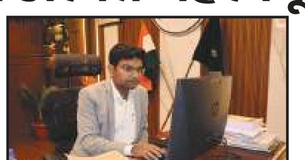

दुमकाःउपायुक्त की अध्यक्षता में जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना के प्रथम चरण के सफल संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बताया गया कि जनगणना का प्रथम चरण (हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग सेंसस) 16 मई से 15 जून 2026 तक प्रस्तावित है।उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, अतः इसे पूरी गंभीरता एवं सतर्कता के साथ संपादित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से डेटा संकलन में शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में जानकारी दी गई कि सोमवार से बुधवार तक जनगणना कार्य से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में जिले के कई वरीय अधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सहायक चार्ज पदाधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर भाग लेंगे। प्रशिक्षण हेतु रांची से मास्टर ट्रेनर भी पहुंचेंगे, जो गणना की प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी देंगे।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रशिक्षण में सभी संबंधित पदाधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा प्राप्त निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें।बैठक में यह भी बताया गया कि ग्राउंड लेवल पर जनगणना कार्य के लिए शिक्षकों की तैनाती की जाएगी तथा उनकी सूची तैयार कर ली गई है। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनगणना कार्य के दौरान विशेष सावधानी बरतें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करेंगे।

अगैयासरमुंडी में आयुष शिविरः 53 लोगों की जांच, किशोरियों के स्वास्थ्य पर विशेष फोकस

जामताड़ाः फतेहपुर प्रखंड के अगैयासरमुंडी पंचायत भवन में गुरुवार को पीवीटीजी आयुष शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 53 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। यह शिविर जिला आयुष समिति, जामताड़ा के तत्वावधान में आयोजित हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की किशोरियों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच उपलब्ध कराना तथा आयुष चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उन्हें आयुर्वेदिक दवाइयां उपलब्ध कराई और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। चिकित्सक डॉ. सुरेंद्र प्रसाद मेहता ने कहा कि किशोरियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि आयुष पद्धति के माध्यम से कई बीमारियों का प्रभावी उपचार संभव है। साथ ही नियमित योग, संतुलित आहार और दिनचर्या को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने जानकारी दी कि आने वाले दिनों में क्षेत्र के अन्य गांवों में भी आयुष चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। इस अवसर पर डॉ. ज्योति कुमारी सहित स्थानीय लोग मौजूद रहे और शिविर का लाभ उठाया।

नवसंवत्सर का उल्लासः सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में गूंजा संस्कृति का संदेश

जामताड़ा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, फतेहपुर में गुरुवार को हिन्दू नववर्ष (विक्रम संवत) बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती, भारत माता एवं डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई। पूरे विद्यालय परिसर में उत्सवमय वातावरण देखने को मिला, जहां आचार्यगण, विद्यार्थी एवं स्वयंसेवकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य आनंद मिश्रा ने हिन्दू नववर्ष के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इसी दिन सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की रचना की मान्यता है, जो नव सृजन और नवचेतना का प्रतीक है। साथ ही, इसी पावन अवसर पर वासंतिक नवरात्र की शुरुआत भी होती है, जो शक्ति उपासना का महत्वपूर्ण पर्व है। प्रधानाचार्य ने आगे कहा कि महान सम्राट विक्रमादित्य की शकों पर विजय के उपलक्ष्य में विक्रम संवत की शुरुआत मानी जाती है। इसके साथ ही हिन्दू पंचांग का आरंभ भी इसी दिन से होता है, जिससे पूरे वर्ष के ग्रह-नक्षत्रों का निर्धारण किया जाता है। उन्होंने सभी से अपने जीवन में भारतीय संस्कृति, परंपरा और श्रेष्ठ संस्कारों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना और गौरव की भावना को और मजबूत

फतेहपुर में संपूर्णता अभियान 2.0 का आगाज

6 संकेतकों पर फोकस, उत्कृष्ट कर्मियों का हुआ सम्मान

जामताड़ा नीति आयोग के निर्देश पर संपूर्णता अभियान 2.0 का प्रखंड स्तरीय शुभारंभ गुरुवार को फतेहपुर प्रखंड सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख अरविंद कुमार मुर्मू ने किया, जबकि अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रेम कुमार दास ने की। इस मौके पर थाना प्रभारी अमर सिंह टोप्पे, जिला योजना पदाधिकारी चंद्रदेव पासवान, बदरुल जमाल सहित आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मी एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा और कृषि से जुड़े छह प्रमुख संकेतकों की पूर्ण संतृप्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष पहल की जाएगी। यह अभियान 28 जनवरी से 14 अप्रैल 2026 तक संचालित होगा। इस दौरान विशेष शिविर, जन-जागरूकता कार्यक्रम, विभागीय समन्वय और नियमित समीक्षा के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र लाभार्थी सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। कार्यक्रम के दौरान अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर चिंतन शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें रणनीति निर्माण और लक्ष्य प्राप्ति पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। वहीं, संपूर्णता अभियान 1 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड प्रमुख और थाना प्रभारी के हाथों प्रदान किया गया। अंत में सभी अधिकारियों एवं कर्मियों ने प्रखंड के समग्र विकास और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सामूहिक शपथ ली।

ईद की दस्तक से जामताड़ा गुलजारः बाजारों में उमड़ा जनसैलाब, खरीदारी चरम पर

जामताड़ा । पवित्र ईद-उल-फितर के आगमन को लेकर जामताड़ा जिले में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। आगामी शनिवार, 21 मार्च को मनाए जाने वाले इस बड़े त्योहार को लेकर शहर के बाजार इन दिनों पूरी तरह रौशन और गुलजार नजर आ रहे हैं। जामताड़ा के प्रमुख बाजार—सुभाष चौक, बाजार रोड और टावर चौक सहित फतेहपुर, नाला , कुण्डहित , नारायण पुर, करमाटाड के बाजारों में सुबह से देर रात तक भारी भीड़ उमड़ रही है । हर तरफ खरीदारी का उत्साह दिखाई दे रहा है। सड़कों पर बढ़ती भीड़ और दुकानों पर लगी लंबी कतारें इस बात का संकेत हैं कि त्योहार की तैयारी अब चरम पर है। सबसे अधिक चहल-पहल सुभाष चौक क्षेत्र में देखी जा रही है, जहां लच्छा सेवई, इत्र, टोपी, रेडीमेड कपड़े, जूते-चप्पल और चूड़ी की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। कई स्थानों पर इतनी भीड़ है कि लोगों को चलने में भी मुश्किल हो रही है। परिवारों के साथ लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। महिलाओं की भीड़ खासकर कपड़ा और चूड़ी की दुकानों में देखने को मिल रही है। वे नए डिजाइन के सूट, साड़ियां और रंग-बिरंगी चूड़ियां खरीदने में व्यस्त हैं। वहीं पुरुष कुर्ता-पायजामा, टोपी और इत्र की खरीदारी करते नजर आ रहे हैं। बच्चों में भी खासा उत्साह है, जो अपनी पसंद के कपड़े और खिलौनों की खरीदारी में लगे हैं। बाजार में लच्छा सेवई की दुकानों पर भी खास भीड़ देखी जा रही है, क्योंकि ईद पर इसका विशेष महत्व होता है। इत्र की खुशबू, सजी-धजी दुकानों की रोशनी और रंग-बिरंगे कपड़ों से पूरा माहौल त्योहारमय हो गया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो पूरा शहर ईद के जश्न में डूब गया हो। दुकानदारों के चेहरे पर भी खुशी साफ झलक रही है। उनका कहना है कि इस साल बाजार में पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रौनक है और बिक्री भी बेहतर हो रही है। ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे कारोबार में तेजी आई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ईद सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि भाईचारे, प्रेम और खुशियों का प्रतीक है। लोग अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के लिए भी उपहार खरीद रहे हैं, जिससे बाजारों की रौनक और बढ़ गई है। प्रशासन की ओर से भी बाजारों में सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि लोग शांतिपूर्ण माहौल में खरीदारी कर सकें। कुल मिलाकर, जामताड़ा के बाजार इन दिनों ईद की खुशियों से सराबोर हैं और त्योहार की रौनक दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही

कल्याण भवन एचआरडी में 'सेवाओं में आरक्षण' विषय पर दो-दिवसीय सेंसिटाइजेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

धनबाद । कल्याण भवन (एचआरडी) में कंपनी में कार्यरत मानव संसाधन अधिकारियों हेतु आयोजित 'सेवाओं में आरक्षण (ए स सी / ए स टी / ओ बी सी / ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूडी)' विषय पर दो-दिवसीय (18–19 मार्च 2026) सेंसिटाइजेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूडी वर्गों के लिए सेवाओं में आरक्षण, पदोन्नति, चयन एवं नियुक्ति से जुड़े प्रावधानों, नीतिगत दिशानिर्देशों तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं के प्रति प्रतिभागियों को जागरूक करना था, ताकि वे अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं संवेदनशील तरीके से कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान विशेष वक्ता एवं प्रशिक्षक के रूप में कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय (DoPT) के पूर्व निदेशक श्री संदीप मुखर्जी द्वारा विषय के विभिन्न आयामों—जैसे रोस्टर प्रणाली, पदोन्नति में आरक्षण, न्यायालयीन निर्णयों के प्रभाव तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं—पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस के विषय थे — आरक्षण, जाति प्रमाण पत्र और आरक्षण रोस्टर, जिनपर मुख्यतः एससी/एसटी/ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस से संबंधित प्रावधानों एवं उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन पर चर्चा की गई, जबकि द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में आरक्षण रजिस्टर एवं रोस्टर की तैयारी से संबंधित व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। वहीं दूसरे सत्र में पीडब्ल्यूडी (पर्सन्स विद डिसैबिलिटीज) हेतु आरक्षण से संबंधित प्रावधानों एवं उनके प्रभावी अनुपालन पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। श्री संदीप मुखर्जी ने प्रतिभागियों को व्यवहारिक दृष्टिकोण से प्रशिक्षित करते हुए विभिन्न केस स्टडी एवं उदाहरणों के माध्यम से विषय को सरल एवं स्पष्ट रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (एचआरडी) श्री अनूप कुमार रॉय, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कुमार मनोज, विभागाध्यक्ष (सीएसआर/आईआर) श्री सुरेन्द्र भूषण, विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना) श्रीमती शोभा जे. कुजूर सहित कोयला भवन मुख्यालय और विभिन्न क्षेत्रों के मानव संसाधन विभाग के अधिकारी और नव-नियुक्त मैनेजमेंट ट्रेनी ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता दर्ज की। समापन अवसर पर महाप्रबंधक (एचआरडी) द्वारा अतिथि वक्ता श्री संदीप मुखर्जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप-प्रबंधक (मानव संसाधन) श्रीमती चारूलता द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना) श्रीमती शोभा जे. कुजूर द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एचआरडी के प्रबंधक (खनन) श्री सुमित कुमार, एचआरडी टीम के अधिकारियों एवं कर्मियों का विशेष योगदान रहा। समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसे अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। साथ ही, ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संगठन में समान अवसर, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व की संस्कृति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण बताया।

23 मार्च से चलाया जाएगा नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम

धनबाद , उप विकास आयुक्त , सन्नी राज ने नशा मुक्ति कार्यक्रम को लेकर आज अपने कार्यालय कक्ष में बैठक की। बैठक में उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उप विकास आयुक्त ने कहा कि 23 मार्च से विभिन्न प्रखंडों में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें टोर्च मूवमेंट, नशा छोड़ने के लिए शपथ ग्रहण, नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी इत्यादि का आयोजन किया जाएगा। जबकि 28 मार्च को लुबी सर्कुलर रोड पर नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें लोगों को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक, डांस प्रतियोगिता, वॉल पेंटिंग, ड्रॉइंग कंपटीशन, स्पोर्ट्स, नशा मुक्ति थीम पर सेल्फी प्वाइंट, ओपन क्विज, हेल्थ कैंप तथा फूड स्टॉल सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कार्यक्रम को आकर्षक एवं प्रभावी बनाने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। जिससे अधिक से अधिक लोगों को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया जा सके। वहीं नशा मुक्ति कार्यक्रम का समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने के लिए उन्होंने नशा छोड़ चुके लोगों को इस कार्यक्रम में सम्मानित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त , सन्नी राज के साथ सहायक नगर आयुक्त , प्रसून कौशिक, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा , नियाज़ अहमद, जिला शिक्षा पदाधिकारी , अभिषेक झा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी , सुनील कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती साधना कुमारी, जिला खेल पदाधिकारी , उमेश लोहरा, फुड सेफ्टी ऑफिसर , राजा कुमार व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे ।

सदर अस्पताल में एमएनसीयू का उद्घाटन

हर गरीब विश्वास के साथ सदर अस्पताल में करा सकेंगे इलाज : उपायुक्त

सदर अस्पताल बनेगा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल,

धनबाद । उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक , प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त , सन्नी राज तथा अनुमंडल दंडाधिकारी , लोकेश बारंगे ने संयुक्त रूप से फीता काटकर आज सदर अस्पताल के नवनिर्मित मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) का उद्घाटन किया।
इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री की सोच है कि राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा मिले। इलाज के दौरान आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की जब से जबर्दस्ती पैसे न लगे। उनकी सोच को ध्यान में रखते हुए सदर अस्पताल में एमएनसीयू शुरू किया है। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग का यह संयुक्त प्रयास आम जनता को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले दिनों में सदर अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि एमएनसीयू के साथ पेडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट पीआईसीयू, वैक्सीनेशन सेंटर, नर्सिंग स्टेशन, जलपान एवं भोजन कक्ष, किचन गार्डन, रजिस्ट्रेशन सह आयुष्मान मित्र कउंटर, पावर बैकअप के अलावा अन्य सुविधाएं प्रदान की गई है।आगे उन्होंने कहा कि इन अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रारंभ होने से जिले में गंभीर रूप से बीमार बच्चों को समय पर समुचित इलाज मिलेगा। वहीं एमएनसीयू में नवजात शिशुओं की एक ही स्थान पर समग्र एवं गुणवत्तापूर्ण देखभाल होगी। पीआईसीयू गंभीर रूप से बीमार बच्चों के इलाज के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इससे अब जिले के मरीजों को बाहर रेफर होने की आवश्यकता नहीं होगी। जबकि वैक्सीनेशन सेंटर के सुदृढ़ होने से नियमित टीकाकरण एवं विशेष अभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकेगा। वहीं सिविल सर्जन डॉ० आलोक विश्वकर्मा ने बताया कि एमएनसीयू में अलग-अलग शिफ्ट में डॉ, जितेंद्र कुमार, डॉ ,अजहरउल हक साही, डॉ, विश्वजीत प्रसाद सिंह, डॉ, नौशाद आलम, डॉ, मनोज हेंब्रम, डॉ०पल्लवी एवं डॉ, कुमार गौतम रहेंगे।

उद्घाटन से पूर्व एमएनसीयू पहुंचने पर उपायुक्त, वरीय पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त एवं अनुमंडल दंडाधिकारी का पारंपरिक रीति रिवाज एवं लोटा पानी से स्वागत किया गया।

उद्घाटन के मौके पर उपायुक्त, आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक , प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त , सन्नी राज,अनुमंडल दंडाधिकारी , लोकेश बारंगे, सिविल सर्जन डॉ, आलोक विश्वकर्मा, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ, संजीव कुमार प्रसाद, डीपीएम श्रीमती प्रतिमा कुमारी, यूनियन बैंक के रीजनल डायरेक्टर श्रीमती दीपमाला लकड़ा, चिफ मैनेजर , अमित कुमार, एल.सी. रोड ब्रांच के मैनेजर , अरविंद सिंह के अलावा अन्य लोग मौजूद थे।

तोपचाँची प्रखंड के मोराडीह ग्राम में मनाया गया "जल अर्पण दिवस

धनबाद । तोपचाँची प्रखण्ड अन्तर्गत ब्राहमणडीहा पंचायत के मोराडीह ग्राम में जल महोत्सव पखवाडा अन्तर्गत "जल अर्पण दिवस" कार्यक्रम आयोजित की गई। जिसका शुभारम्भ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, तोपचांची श्री एजाज अहमद द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर की गई। उनके द्वारा जल संरक्षण की महत्ता पर बल देते हुए ग्रामीणों से योजना के सुव्यवस्थित संचालन हेतु सहयोग करने की अपील की। कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं०-2, धनबाद , मुकेश कुमार मंडल द्वारा जल जीवन मिशन अन्तर्गत एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजना मोराडीह ग्रामीणों को हस्तांतरित करते हुए नियमित रूप से जलकर जमा करने की अपील की गई। मंच पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों मुखिया एवं जलसहियाओं द्वारा जल बंधन, जल वंदना एवं जल शपथ लिया गया। प्राथमिक विद्यालय, मोराडीह के बच्चों द्वारा प्रभात फेरी के माध्यम से जल से विवेकपूर्ण उपयोग पर संदेश दिया गया। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर विवेक कुमार मुखिया, ब्राह्मणडीहा, जनार्दन प्रसाद सिंह, सहायक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं०-2. धनबाद, दीपेन्द्र चन्द्र स्वर्णकार, कनीय अभियंता, जिला समन्वयक, पवन कुमार गुप्ता, प्रखण्ड समन्वयक , शांत मंडल सहित आस पास के 16 ग्रामों की जलसहिया सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

राजगंज थाना में ईद, सरहुल व रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक

सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने का लिया निर्णय

राजगंज , धनबाद। गुरुवार को राजगंज थाना परिसर में आगामी ईद, सरहुल एवं रामनवमी पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी द्वारा की गई, जिसमें सभी धर्मों के प्रतिनिधि, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए।
बैठक में सभी समुदाय के लोगों ने अपने-अपने सुझाव रखते हुए पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने पर सहमति जताई। थाना प्रभारी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि अखाड़ा जुलूस लाइसेंस में निर्धारित मार्ग से ही निकाला जाएगा और किसी भी स्थिति में नया रास्ता तय नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे गीत या ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग नहीं किया जाए। जिससे किसी दूसरे धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचे। साथ ही सोशल मीडिया पर किसी प्रकार की आपत्तिजनक या भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी।बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द बनाए रखते हुए ईद, सरहुल एवं रामनवमी पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का सामूहिक निर्णय लिया।

डैफोडिल्स करकेंद में गुलाब देकर छात्र-छात्राओं को किया स्वागत

धनबाद, गुरुवार को डैफोडिल्स बचपन एवं डैफोडिल्स एकेडमी करकेन्द बाजार में वर्ग नर्सरी से वर्ग पंचम तक के लगभग 200 छात्र-छात्राओं को नए सत्र (सत्र-2026-27) के प्रथम दिन अत्यंत हर्षोल्लास के साथ विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने छात्र-छात्राओं का स्वागत किया।सर्वप्रथम विद्यालय शिक्षिका सुमन सिंह एवं मिताली चटर्जी द्वारा माता वागेश्वरी की वंदना तथा स्वागत -गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के संस्थापक महान शिक्षाविद स्वर्गीय चंडी चरण बनर्जी (चंडी सर) गणित शिक्षक पुटकी उच्च विद्यालय, पुटकी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया गया ।आज वासंतिक नवरात्रि का प्रथम दिवस भी है, अतएव माता शैलपुत्री से भी विद्यार्थियो के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाये की गई । इस हर्षमय मौके पर उपस्थित छात्र- छात्राओं को गुलाब का फूल चॉकलेट तथा अल्पाहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया ।उपस्थित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बारी -बारी से छात्र-छात्राओं को आशीर्वचनों के माध्यम से उज्जवल एवं सुखद भविष्य की मंगलकामना की।विद्यालय के प्राचार्य माननीय श्री तापस बनर्जी ने अपने सारगर्भित एवं ओजस्वी संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियो को अनुशासन, विनम्रता एवं अध्ययनशीलता का संदेश प्रेषित किया ।कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्य के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया ।

राजगंज में चैती दुर्गा पूजा का शुभारंभ, कलश स्थापना के साथ हुआ भक्तिमय माहौल

राजगंज, धनबाद, बजरंगबली दल के तत्वावधान में राजगंज में चैती दुर्गा पूजा की शुरुआत विधि-विधान के साथ कलश स्थापना कर की गई। गुरुवार को पूजा पंडाल में वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठानों के बीच मां दुर्गा की आराधना की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। पुजारियों द्वारा विधिवत कलश स्थापना कर पूजा-अर्चना प्रारंभ कराई गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और मंगलमय जीवन की कामना की। पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि चैती दुर्गा पूजा को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पूरे पूजा अवधि के दौरान प्रतिदिन पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वहीं अंतिम दिन हवन एवं भंडारा का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।
कलश स्थापना के साथ ही पूरे इलाके में भक्तिमय माहौल बन गया है और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

सहिया के लिए चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

धनबाद , आदर्श सहिया, स्वस्थ समाज की ओर कदम बढ़ाते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन के मार्गदर्शन में धनबाद जिले के 7 प्रशिक्षण केंद्रों पर चार दिवसीय सहिया प्रेरणा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ।प्रशिक्षण में जिला प्रशासन के सहयोग से सहिया को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, वीएचएसएनडी, टीकाकरण तथा सामुदायिक जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यवहारिक एवं सहभागितापूर्ण तरीके से प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर उप विकास आयुक्त , सन्नी राज ने सभी प्रतिभागी सहिया को बैग, टॉर्च, छाता एवं पानी की बोतल युक्त प्रोत्साहन किट वितरित की।उप विकास आयुक्त ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना और समुदाय में जागरूकता बढ़ाना था। यह पहल न केवल सहिया के कौशल को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की नींव को भी मजबूत करती है।
उन्होंने बताया कि 16 से 19 मार्च तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहिया को उनके मुख्य कर्तव्यों और संस्थागत अपेक्षाओं से पूरी तरह अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के अलग-अलग सत्रों में व्यावहारिक ज्ञान को मजबूत करने के लिए जीवंत चर्चाओं, विचारशील बहसों, रोल-प्ले और मनोरंजक खेलों के माध्यम से गहरी भागीदारी को बढ़ावा दिया गया।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाने की अपील, निर्धारित मार्ग से निकलेंगे जुलूस, बिजली पानी की रहेगी सुचारु व्यवस्था

सोशल मीडिया पर रहेगी विशेष नजर, संवेदनशील स्थलों पर विशेष सुरक्षा,

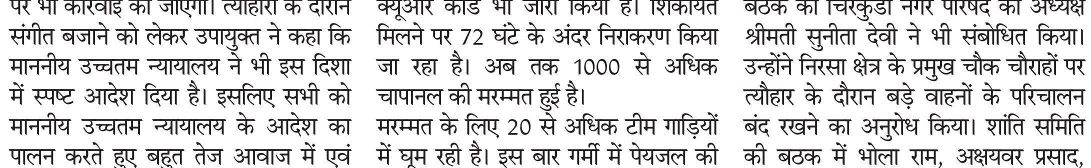

धनबाद , उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन की अध्यक्षता में ईद-उल-फितर एवं रामनवमी को सौहार्दपूर्ण तरीके से संपन्न कराने तथा जिले में विधि-व्यवस्था संधारण के लिए न्यू टाउन हॉल में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।
इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सभी लाइसेंसी अखाड़ा दल अपने-अपने निर्धारित रूट पर जुलूस निकालेंगे। रूट पर कोई अवरोध नहीं रहेगा। वहीं गैर लाइसेंसी अखाड़ा दलों को सत्यापन करने के बाद जुलूस निकालने की अनुमति दी जाएगी। वहीं बड़े-बड़े जुलूस में पुलिस पदाधिकारी के साथ पुलिस फोर्स एवं दंडाधिकारी भी रहेंगे। जुलूस के मार्ग पर बड़े वाहनों का परिचालन बंद करने के लिए संबंधित कंपनियों को निर्देशित किया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि त्योहार के अवसर पर सोशल मीडिया पर प्रशासन की विशेष नजर रहेगी। उन्होंने सभी लोगों से सौहार्द बिगड़ने वाले भ्रामक वीडियो, ऑडियो एवं मैसेज से परहेज करने का अनुरोध किया। साथ ही लोगों से त्वरित इसकी सूचना कंट्रोल रूम एवं निकटतम थाना को देने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि ऐसे भ्रामक वीडियो, ऑडियो या मैसेज भेजने वाले पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ में संबंधित व्हाट्सएप ग्रुप के एडमिन एवं ग्रुप के सदस्यों पर भी कार्रवाई की जाएगी। त्योहारों के दौरान संगीत बजाने को लेकर उपायुक्त ने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी इस दिशा में स्पष्ट आदेश दिया है। इसलिए सभी को माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए बहुत तेज आवाज में एवं किसी की भावना को आहत करने वाले गाने बजाने नहीं दिया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि त्योहारों के दौरान बिजली एवं पानी की सुचारू व्यवस्था रहेगी। वहीं जिला प्रशासन द्वारा चिह्नित संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा के विशेष प्रबंध रहेंगे।उपायुक्त ने कहा कि त्योहार एवं गर्मी को देखते हुए लोगों को पेयजल की समस्या नहीं हो इसके लिए, जिला प्रशासन ने मुकम्मल तैयारियां की है। इस क्रम में बड़े-बड़े पाइपलाइन की मरम्मत जारी है। प्रशासन ने पेयजल समस्या का निराकरण करने के लिए क्यूआर कोड भी जारी किया है। शिकायत मिलने पर 72 घंटे के अंदर निराकरण किया जा रहा है। अब तक 1000 से अधिक चापानल की मरम्मत हुई है।
मरम्मत के लिए 20 से अधिक टीम गाड़ियों में घूम रही है। इस बार गर्मी में पेयजल की समस्या आने पर टैंकर से पानी की सप्लाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से पेयजल की फर्जी शिकायत नहीं करने की अपील की।इस अवसर पर ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने कहा कि त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए पुलिस ने विशेष व्यवस्था की है। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त फोर्स की तैनाती रहेगी। उन्होंने आम जनों से अवैध शराब की दुकानों की जानकारी पुलिस को देने की अपील की। ग्रामीण एसपी ने कहा कि शिकायतकर्ता की गोपनीयता रखी जाएगी। बैठक को चिरकुंडा नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता देवी ने भी संबोधित किया। उन्होंने निरसा क्षेत्र के प्रमुख चौक चौराहों पर त्यौहार के दौरान बड़े वाहनों के परिचालन बंद रखने का अनुरोध किया। शांति समिति की बठक में भोला राम, अक्षयवर प्रसाद, रामगोपाल भुवानिया, शैलेंद्र द्विवेदी, विजय कुमार सिंह, पिंटू कुमार तुरी, तारा पदो धीवर, गुरमीत सिंह डांग, मुख्तार खान, बिदेशी सिंह, महादेव हांसदा, दिनेश सिंह, बलराम साव, बैजनाथ यादव, जितेश सिंह, भगत सिंह, अजीत कुमार मिश्रा, मेराज खान, अतहर नवाज खान, आनंद कुमार सिंह, कुलदीप अग्रवाल, अब्दुल समद, दिल मोहम्मद ने अपने सुझाव दिए। जिसमें मुख्य रूप से त्योहार के दौरान ऑटो, टोटो, हाइवा के परिचालन पर अंकुश लगाने, पानी बिजली की सुचारू सप्लाई करने, सरकारी अस्पतालों में चिकित्सक एवं कर्मियों की उपस्थिति, रामनवमी के अवसर पर खतरनाक खेल पर रोक लगाने, लहरिया तरीके से दो पहिया वाहन चालकों पर नकेल कसने, डीजे पर रोक लगाने, झरिया में अतिरिक्त फोर्स की तैनाती करने सहित अन्य सुझाव प्राप्त हए।

बैठक में उपायुक्त , आदित्य रंजन, ग्रामीण एसपी श्री कपिल चौधरी, सिटी एसपी श्री ऋत्विक श्रीवास्तव, अनुमंडल दंडाधिकारी श्री लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर्स श्रीमती हेमा प्रसाद, चिरकुंडा नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता देवी, कार्यपालक दंडाधिकारी , नारायण राम, डीएसपी श्री नौशाद आलम, श्री धीरेंद्र नारायण बंका, शंकर कामती के अलावा विभिन्न अनुमंडल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी थाना के थाना प्रभारी, सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल के अंचल अधिकारी एवं बड़ी संख्या में शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ◗ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।